'मौन व्रत' के बाद लता मंगेशकर ने गाया था 'दिल जलाने वाला' आइकॉनिक गाना, 64 साल से अमर है गीत

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 26
न्यूनतम - 24

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 268 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 27 सितम्बर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 15 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

असम बाढ़ पीड़ितों के लिए जमीयत ने खोला खजाना

● 3.43 करोड़ की राहत, मदनी बोले-नफरत का सबसे प्रभावी जवाब सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने असम के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए चलाए जा रहे राहत और पुनर्वास अभियान के पहले चरण को पूरा कर लिया है। जमीयत के अध्यक्ष अरशद मदनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि अभियान के तहत छह जिलों के 1,565 प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में 1 करोड़ 35 लाख रुपये सीधे ट्रांसफर किए जा चुके हैं। अरशद मदनी ने कहा कि जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से असम के बाढ़ पीड़ितों के लिए कुल 3 करोड़ 43 लाख रुपये का राहत एवं पुनर्वास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाकी राशि भी आगामी एक सप्ताह के भीतर लाभार्थियों के बैंक खातों में भेज दी जाएगी।

राहत पाने वालों में बड़ी संख्या हमवतन भाई-बहनों की- मदनी ने अपनी पोस्ट में बताया कि, इस पूरी मुहिम की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि राहत पाने वालों में बड़ी संख्या हमारे हम वतन भाई-बहनों की है। जमीयत उलमा-ए-हिंद किसी मुसीबतजदा व्यक्ति का धर्म, नाम, जाति या पहनावा नहीं देखती हमारे सामने केवल उसकी मुसीबत, जरूरत और इंसानियत होती है। उन्होंने कहा, जो लोग मुसलमानों को मुसलमान कहने के बजाय मियां कहकर संबोधित करते हैं और इंसानों को उनके कपड़ों से पहचानने की बात करते हैं।

एसआईआर में नाम कटा, तो घर जाकर दस्तावेज लेंगे अफसर

विवाद के बाद चुनाव आयोग का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को नई दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के मुख्यालय में एसआईआर को लेकर बैठक हुई। एसआईआर पर विवाद के बीच चुनाव आयोग ने कहा कि जिन लोगों के नाम कट गए हैं, वे नाम जोड़ने के लिए अप्लाई कर सकते हैं। अफसर घर-घर जाकर उनके दस्तावेज कलेक्ट करेंगे और चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। इन पर तय समय के भीतर रीजनल इलेक्टोरल अफसर फैसला लेगा। दिल्ली के निर्वाचन भवन में शनिवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी मौजूद रहे। एसआईआर के दौरान अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक देश में कुल 97.98 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं यानी करीब 14 प्रतिशत वोटर्स के नाम एसआईआर में कट गए।

दिल्ली-महाराष्ट्र में 30 अक्टूबर तक क्लेम कर सकेंगे

बैठक में फैसला लिया गया कि दिल्ली, महाराष्ट्र में क्लेम और ऑब्जेक्शन दाखिल करने की तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है।

कबड्डी में भारत के लिए 'गोल्डेन' शनिवार

● महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी कर दिया कमाल ● एशियन गेम्स में एक दिन में दिला दिए डबल गोल्ड

नागोया (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में शनिवार को दूसरा गोल्ड जीत लिया है। मेंस कबड्डी टीम ने फाइनल में ईरान को 40-34 से हराकर 10वीं बार एशियाड में मेडल अपने नाम किया।

इससे पहले महिला कबड्डी टीम ने भी ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता था। 7वें दिन भारत को अब तक 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज समेत 5 मेडल मिल चुके हैं। शनिवार को स्क्वॉश में पहली बार भारत के दो खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं। 18 साल की अनाहत सिंह विमेंस सिंगल्स और अभय सिंह ने मेंस सिंगल्स के फाइनल में जगह बनाई। एशियन गेम्स 2026 में भारत की कबड्डी टीम ने गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल मैच में भारतीय टीम ने ईरान को 40-34 के स्कोर से मात दी। यह मुकाबला शुरुआत से ही कांटे का रहा।

दूसरे हॉफ में किया कमाल

पहले हॉफ में 17-18 के स्कोर से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने दूसरे हॉफ में लय पकड़ी। भारत ने लगातार अंक बटोरे और ईरान पर बड़ी बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद ईरान ने वापसी की भरपूर कोशिश की, लेकिन भारत को चुनौती नहीं दे सका। भारत ने दूसरे हॉफ में रेड के जरिए 18 अंक बटोरे। वहीं, ईरान को ऑल आउट कर 2 अंक हासिल किए। जबकि पहले हॉफ में भारत को मुश्किल थी।

अब कोसी के शोक से समृद्धि की ओर बिहार!

● दोनों तटबंधों पर बनेगा 354 किमी फोरलेन ● एक्सप्रेसवे से सीधी कनेक्टिविटी, बनी कार्ययोजना

पटना (एजेंसी)। बिहार में कोसी नदी के तटीय इलाकों की तस्वीर बदलने के लिए जल संसाधन विभाग ने एक महत्वाकांक्षी कार्ययोजना तैयार की है। कोसी के पूर्वी और पश्चिमी, दोनों तटबंधों पर कुल 354.37 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह सड़क सुपौल के वीरपुर से लेकर कटिहार के कुरसेला और सहरसा के कोपड़िया तक फैलेगी। इस परियोजना के माध्यम से न केवल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को सुरक्षा मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र कनेक्टिविटी के एक बड़े केंद्र के रूप में उभरेगा। सड़क बनने से जलजमाव की समस्या से मुक्ति मिलेगी और व्यापारिक गतिविधियों को ऊंचाई मिलेगी।

● **बिहार के इन प्रखंडों से गुजरेगी कोसी फोन लेन रोड-** कोसी के पश्चिमी तटबंध पर बनने वाली सड़क से जिन जिलों के प्रखंडों में रहने वाले लोगों को लाभ मिलेगा उसमें सुपौल जिले के बसंतपुर, भापतियाही, किशनपुर, सुपौल, राघोपुर, निर्मली, महुआ, और वीरपुर तथा सहरसा जिले के नौहटटा, महिषी, सिमरी बख्तियारपुर, सलखुआ, कोपरिया शामिल हैं। मधुबनी जिले के लौखी, घोघरडिहां, माधेपुर और दरभंगा जिले के घनश्यामपुर और किरतपुर प्रखंड में रहने वाले लोगों को भी विशेष तौर पर लाभ मिलेगा। इस फोरलेन सड़क से पांच राष्ट्रीय राजमार्ग जुड़ेंगे।

354 किमी फोरलेन के साथ तटबंधों का चौड़ीकरण

जल संसाधन विभाग के अध्ययन के अनुसार पूर्वी तटबंध पर 124 किमी और पश्चिमी तटबंध पर 230 किमी लंबी फोरलेन सड़क बनेगी। पूर्वी तटबंध का मार्ग : वीरपुर से शुरू होकर बसंतपुर, सरायगढ़, किशनपुर, नौहट्टा, महिषी और सिमरी बख्तियारपुर होते हुए कोपड़िया तक जाएगा। पश्चिमी तटबंध का मार्ग : वीरपुर से भारदा, कुनौली और नवगछिया होते हुए कुरसेला तक पहुंचेगा।

राज्यसभा चुनाव की हलचल के बीच दिल्ली में योगी

पीएम मोदी से मिले यूपी सीएम, एक घंटे तक चली बैठक

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने नई दिल्ली पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बैठक चली। बताया जा रहा है कि इस बैठक में उत्तर प्रदेश से जुड़े कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और राज्यसभा चुनाव प्रमुख हैं। यूपी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के बीच एक घंटे तक चली बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई है, बीजेपी की तरफ से अभी इस बारे में आधिकारिक रूप से नहीं बताया गया है। जानकारों का कहना है कि बैठक में राज्यसभा चुनाव का मुद्दा अहम रहा।

नागालैंड में 19 लोगों को 'लील' गई जहरीली शराब

● छापेमारी में 3000 बोतलें जब्त, 26 साल से यहां है बैन

फॉरेंसिक लैब की जांच में मीथेनॉल होने की पुष्टि हुई

कोहिमा (एजेंसी)। नॉर्थ-ईस्ट के राज्य नागलैंड में नकली जहरीली शराब पीने से पिछले दो दिनों में 19 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक मिलावटी शराब से मोकोकचुंग जिले में आठ और तुएनसांग में 11 लोगों की मौत की सूचना है। अभी यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। पुलिस ने इन मौतों की जांच करने और राज्य में संदिग्ध मिलावटी शराब की सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए एसआईटी का गठन किया है। राज्य में 1990 से शराबबंदी कानून लागू है। जिला प्रशासन ने सभी लोगों से अवैध शराब नहीं पीने की अपील की है।

● **पुलिस की छापेमारी में 19 शराब माफिया गिरफ्तार-** एसएसपी केज़ो ने बताया कि अवैध शराब की सप्लाई और खरीद-बिक्री से जुड़े कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन अभी जानकारी का खुलासा करना जल्दबाजी होगी। मौतों के बाद पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की, 19 लोगों को गिरफ्तार किया और शराब की 3000 बोतलें जब्त की हैं। पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे बिना पहचान, बिना लेबल या संदिग्ध अवैध शराब न पिएं। उन्होंने यह भी कहा कि शराब पीने के बाद अगर किसी को चक्कर आना, धुंधला दिखना, सांस लेने में तकलीफ़ या बेहोशी जैसे लक्षण महसूस हों, तो वे तुरंत डॉक्टर से मिलें।

नागालैंड में शराब पीने, रखने और बेचने पर प्रतिबंध

बता दें कि पूर्वोत्तर के राज्य नागालैंड में 1989 में शराब पूर्ण निषेध अधिनियम पारित किया, जो 1990 में लागू हुआ। नागालैंड बैपटिस्ट चर्च काउंसिल और नागा मदर्स एसोसिएशन समेत कई धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों मांग पर राज्य में शराब बनाने, पीने, रखने और बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। एसएसपी वेसुप्रा केजो ने शनिवार को कहा कि राज्य के दो जिलों मोकोकचुंग और तुएनसांग में शराब से हुई मौतों की जांच की जा रही है। संदिग्ध मिलावटी शराब के सोर्स और सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए एएसपी आई. बुंगलांग चांग की अगुवाई में एसआईटी बनाई गई है।

75 फीसदी महाराष्ट्र सूखा घोषित

● देवेंद्र फडणवीस ने किसान मजदूरों के लिए किए कई ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में ट्रिगर-1 के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्सपावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल-कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील मिलेगी।

वाशिम दौरे पर सीएम ने किया था ऐलान

इसके पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही प्रभावित इलाकों में गंभीर सूखा घोषित करने के लिए एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी करेगी। साथ ही, खेती-किसानी के बढ़ते संकट से जूझ रहे राज्य में उन सभी पात्र किसानों को फसल कर्ज माफी का लाभ दिया जाएगा, जो पिछली योजनाओं में छूट गए थे।

खेती मजदूरों को मिलेगा अनाज

सीएम ने कहा कि जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं।

टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला

● ममता की रैली में जाते समय अंडे फेंके, शीशा तोड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में टीएमसी विधायक कुणाल घोष का आरोप है कि उनकी कार पर शनिवार को हमला किया गया। घोष ने कहा- वे शनिवार को श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रहे थे।

इसी दौरान उत्तरपाड़ा में भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया और अंडे फेंके। वीडियो में कुणाल घोष ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। पीछे की सीट पर भी कुछ लोग बैठे थे, जो घटना का वीडियो बना रहे थे। वीडियो में भीड़ को गाड़ी के चारों तरफ देखा जा सकता है। इस दौरान पीछे के कांच पर भी हमला किया गया, जिससे वह टूट गया। भीड़ ने 'गो बैक' के नारे भी लगाए। घटना का वीडियो विधायक के ऑफिस की तरफ से एक्स पर पोस्ट किया गया है।

पिछले 4 महीने के दौरान कुणाल घोष पर हमले का यह तीसरा मामला है। इससे पहले 13 सितंबर को भीड़ ने उनके घर और ऑफिस में तोड़फोड़ की थी। 15 जून को ममता के घर के बाहर लोगों ने उनके सिर पर अंडा फेंका था।

अब गूगल अंतरिक्ष में बनाएगा एआई डाटा सेंटर

● धरती पर घट जाएगी बिजली और पानी की खपत ● 2027 में होगी टेस्टिंग, चुनौतियों को परखेगी कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई की बढ़ती कंप्यूटिंग जरूरतों के बीच गूगल अब डाटा सेंटर को पृथ्वी से बाहर ले जाने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी कंपनी अपने प्रोजेक्ट सनकैचर के तहत अंतरिक्ष की कक्षा में एआई कंप्यूटिंग की संभावनाओं का परीक्षण करेगी। इसके लिए अंतरिक्ष में परिक्रमा कर रहे उपग्रहों में गूगल के ट्रिलियम टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट (टीपीयू) लगाए जाएंगे। कंपनी अगले माह पहला आर्बिटल टेस्ट करने जा रही है। स्पेसएक्स के रॉकेट के जरिये एक अक्टूबर को प्रोटोटाइप उपग्रह लांच किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि अंतरिक्ष में एआई कंप्यूटिंग को सुरक्षित, व्यावहारिक तरीके से संचालित किया जा सकता है या नहीं। स्पेसएक्स और टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क ने भी इस परियोजना का स्वागत किया है। एएनआई के अनुसार, उन्होंने गूगल का एक वीडियो साझा करते हुए कहा, भविष्य में कंप्यूटिंग का शत प्रतिशत काम अंतरिक्ष में स्थानांतरित हो सकता है।

रेडिएशन से लेकर गर्मी तक चुनौती

अंतरिक्ष में एआई चिप्स के संचालन के सामने रेडिएशन और तापमान बड़ी चुनौती हैं। गूगल के अनुसार, उसकी चिप्स के वाइब्रेशन टेस्ट और रेडिएशन एक्सपोजर प्रयोग कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस की क्राकर न्यूक्लियर लैबोरेटरी में किए गए। शुरुआती परीक्षणों में ट्रिलियम टीपीयू के अगले पांच साल के रेडिएशन प्रभाव झेलने में सक्षम होने के संकेत मिले हैं। एआई कंप्यूटिंग के दौरान पैदा होने वाली गर्मी को अंतरिक्ष में निकालना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि वहां हवा नहीं है।

पहला परीक्षण उपग्रह के साथ

गूगल ने पिछले साल प्रोजेक्ट सनकैचर की घोषणा की थी। शुरुआती मिशन उपग्रह कंपनी प्लैनेट के साथ साझेदारी में तैयार किया गया है। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिये कक्षा में पहुंचाया जाएगा। परीक्षण के दौरान ट्रिलियम टीपीयू को रेडिएशन, अत्यधिक तापमान, कंपन व अंतरिक्ष उड़ान के दौरान पड़ने वाले दबाव जैसे हालात में परखा जाएगा। कंपनी का दीर्घकालिक लक्ष्य एआइ कंप्यूटिंग हार्डवेयर वाले कई उपग्रहों को आपस में जोड़कर ऐसा आर्बिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है, जो बढ़ते एआइ वर्कलोड को संभाल सके।

'84 का हूं, पर बूढ़ा नहीं' बीजेपी पर बरसे कैप्टन

● *अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी की शुरू हुई चर्चा*

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने राज्य से जुड़े मामलों में सलाह न लिए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पंजाब की राजनीति में दशकों का अनुभव रखने वाले उनसे और दूसरे नेताओं से उनकी राय नहीं पूछी गई। अमरिंदर सिंह ने कहा, मैंने पंजाब की राजनीति में 60 साल बिताए हैं। मैं अकेला नहीं हूं। मेरे साथ और भी साथी हैं। हमने इतने सालों में पंजाब के हालात देखे हैं, लेकिन एक समय ऐसा आया जब उन्होंने हमसे पूछा तक नहीं। अमरिंदर सिंह ने कहा कि हम यहीं के रहने वाले हैं और उन्हें अपनी राय और भावनाएं बताना मेरा फर्ज है। हालांकि, अमरिंदर सिंह ने कहा कि उनकी बातों का यह मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए कि वह बीजेपी छोड़ रहे हैं या कांग्रेस में वापस जा रहे हैं।

अनमोल वचन

आनन्द से ही ईश्वर है और ईश्वर से ही आनन्द है। परमेश्वर प्रत्येक पूर्वाग्रह से मुक्त निरन्तर आनन्द में रहने वाली सत्ता है। जीवात्मा उसी परमात्मा का अंश है। उसके स्वाभाविक लक्षण भी वही होंगे जो ईश्वर के हैं। प्रमाद एवं अविवेक की स्थिति विक्षेप पैदा करती है। इससे मानव परमात्मा के साथ अपने सम्बन्धों को नहीं पहचान पाता। यह वह स्थिति है कि स्वयं का एक स्वतंत्र सत्ता का अनुभव और सांसारिक दुख-सुख का अहसास कराती है। यदि वह परमात्मा से अपने सम्बन्धों को जान लेगा, अविवेक और प्रमाद को दूर कर लेता है तो उसे दुख-सुख की तपन प्रभावित न कर पाती। परमात्मा की भांति वह भी सदा आनन्द में रहने वाला होता तथा संसार के भौतिक पदार्थों में ही सुख-दुख का अनुभव न करता।

शहाबुद्दीनपुर रोड पर पानी की बड़ी पाइपलाइन फटी, दर्जनों मकानों पर मंडराया खतरा

निमार्णाधीन नाले में भरा पानी मकानों की नींव तक पहुंचा, सड़क और घरों में जलभराव, मोहल्लेवासियों ने पंपिंग सेट लगाकर शुरू की पानी निकासी

मुजफ्फरनगर। शहाबुद्दीनपुर रोड पर निर्माण कार्य के बीच पानी की टंकी की बड़ी पाइपलाइन फटने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पाइपलाइन से बड़ी मात्रा में पानी निकलकर सड़क और आसपास के मकानों में भर गया। निमार्णाधीन नाला पहले से गहरा होने के कारण पानी मकानों की नींव तक पहुंचने से स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। मोहल्लेवासियों ने कई मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताते हुए विभागीय अधिकारियों से तत्काल पाइपलाइन बंद कराने की मांग की है।

पाइपलाइन फटने से सड़क और मकानों में घुसा पानी

स्थानीय लोगों के मुताबिक शहाबुद्दीनपुर रोड पर पानी की टंकी से जुड़ी बड़ी पाइपलाइन अचानक फट गई। पाइपलाइन से लगातार पानी निकलने के कारण सड़क पर जलभराव हो गया और पानी आसपास के मकानों तक पहुंच गया। देखते ही देखते कई घरों के आसपास पानी जमा हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पानी की आपूर्ति तत्काल बंद नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

निमार्णाधीन नाला बना परेशानी की बड़ी वजह

शहाबुद्दीनपुर रोड पर इन दिनों नाले का निर्माण कार्य भी चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार नाला काफी गहरा होने के कारण पाइपलाइन से निकला पानी उसमें और आसपास के क्षेत्र में भर रहा है। जलभराव बढ़ने से पानी मकानों की नींव तक पहुंच गया है। लोगों को आशंका है कि लगातार पानी जमा रहने से मकानों की नींव कमजोर हो सकती है और भवनों को नुकसान पहुंच सकता है।

मोहल्लेवासियों ने खुद संभाला मोर्चा

पानी की निकासी नहीं होने पर मोहल्लेवासियों ने खुद पंपिंग सेट लगाकर जलभराव वाले स्थानों से पानी बाहर निकालना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह अपनी ओर से पानी निकालने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जब तक फटी हुई पाइपलाइन से पानी का रिसाव बंद नहीं होगा, तब तक समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

दर्जनों मकानों पर खतरे की आशंका

मोहल्लेवासियों ने बताया कि पाइपलाइन से लगातार पानी निकलता रहा तो आसपास के दर्जनों मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। लोगों का कहना है कि मकानों की नींव तक पानी पहुंचने के कारण स्थिति को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि समय रहते पानी की आपूर्ति बंद नहीं की गई और जलभराव की निकासी नहीं कराई गई तो बड़ा नुकसान हो सकता है।

अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग

मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका और संबंधित विभागीय अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। लोगों ने शहाबुद्दीनपुर रोड स्थित टंकी की क्षतिग्रस्त पाइपलाइन से हो रहे पानी के रिसाव को तुरंत बंद कराने और सड़क व मकानों के आसपास जमा पानी की निकासी कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनहित में समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है।

पुराने छेड़छाड़ के मुकदमे में समझौते का दबाव, घर में घुसकर महिला और बेटियों से मारपीट

खालापार के सुजड़ू की घटना; छह लोगों पर गाली-गलौज, मारपीट और धमकी देने का आरोप, गंभीर घायल किशोरी का उपचार जारी; पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र के सुजड़ू में पुराने मुकदमे में समझौता करने का दबाव बनाने और फैसला नहीं करने पर धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि छह लोगों ने महिला के घर में घुसकर उसके और उसकी बेटियों समेत बहन के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। मारपीट में एक किशोरी को गंभीर चोटें आईं, जिसका उपचार चल रहा है। महिला की तहरीर के आधार पर खालापार पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार महिला की बेटी के साथ छेड़छाड़ के आरोप में वर्ष 2022 में कोतवाली नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। तहरीर में बताया गया कि उक्त मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि इसी मुकदमे में समझौता करने के लिए महिला पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। महिला ने आरोप लगाया कि उसके देवर शहजाद और नौशाद तथा उसके पति अफजाल द्वारा पुराने मुकदमे में फैसला करने के लिए दबाव बनाया जाता था। आरोप है कि समझौता नहीं करने पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी भी दी जाती थी। महिला के अनुसार इसी विवाद को लेकर 19 सितंबर की सुबह मामला हिंसक हो गया।

सुबह घर में घुसकर किया हमला

तहरीर के मुताबिक 19 सितंबर 2026 को सुबह करीब सात बजे शहजाद, अफजाल, नौशाद, अयान, अमजद और इरफान कथित रूप से महिला के घर में घुस आए। आरोप है कि घर में मौजूद महिला, उसकी दो बेटियों और बहन के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी गई। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। महिला ने पुलिस को बताया कि मारपीट में उसकी एक बेटी को काफी गंभीर चोटें आईं। घायल किशोरी का उपचार अभी जारी है। घटना के बाद महिला ने तत्काल पुलिस को 112 नंबर पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया। तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि घटना की सूचना देने और मेडिकल कराए जाने के बावजूद नामजद लोगों के खिलाफ तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने 25 सितंबर को थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी और सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। महिला की तहरीर के आधार पर खालापार पुलिस ने शहजाद, अफजाल, नौशाद, अयान, अमजद और इरफान के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के कारण, मारपीट के आरोपों और पुराने मुकदमे से जुड़े विवाद समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। वर्ष 2022 में दर्ज कराए गए मुकदमे के बाद से दोनों पक्षों के बीच विवाद चलने की बात सामने आई है।

रूस से वतन वापसी में फंसा खतौली का लाल: बेटे की वतन वापसी के लिए परिजन करेंगे रामगोपाल यादव से करेंगे मुलाकात

रूस पुलिस पर परिजनों का यश को झूठे केस में फंसाने का आरोप

खतौली (मुजफ्फरनगर)। जनपद के खतौली स्थित रतनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव बड़सू निवासी यश कुमार सैनी के रूस में कानूनी पचड़े में फंसने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने अपने बेटे की सुरक्षित वतन वापसी के लिए एक बार फिर भारत सरकार और विदेश मंत्रालय से तत्काल दखल देने और मदद की गुहार लगाई है। परिजनों का आरोप है कि गलत काम करने से मना करने पर यश को रूस में झूठे और मनगढ़ंत मुकदमे में फंसाकर पुलिस हिरासत में रखा गया है।

27 अप्रैल को रूस गये यश को मिला था डिलीवरी बॉय का काम

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, यश कुमार सैनी बीते 27 अप्रैल 2026 को बेहतर भविष्य की तलाश में रूस गया था। वहां पहुंचने के बाद उसे एक कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम मिल गया था। परिजनों का आरोप है कि काम करने के कुछ समय बाद उस पर कथित रूप से कुछ अनुचित और गलत कार्य करने का दबाव बनाया गया, जिसे करने से उसने साफ तौर पर इनकार कर दिया। आरोप यह भी है कि यश पर जबरन रूस की सेना में शामिल होने का दबाव डाला गया। इंकार करने पर उसे षड्यंत्र के तहत झूठे मुकदमे में फंसाकर हिरासत में ले लिया गया।

सपा नेता श्यामलाल ने उठाई पैरवी की जिम्मेदारी रूस में फंसे बेकसूर यश की सलामती और वतन वापसी के लिए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता श्यामलाल बच्ची सैनी ने परिवार की पैरवी का जिम्मा उठाया है। इससे पूर्व वह पीड़ित परिवार को साथ ले जाकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी मुलाकात करा चुके हैं। श्यामलाल सैनी ने बताया कि वह जल्द ही सपा के राज्यसभा सांसद प्रो. रामगोपाल यादव से मुलाकात करेंगे और उनसे विदेश मंत्रालय व कूटनीतिक स्तर पर इस संवेदनशील मामले को प्राथमिकता से उठाने का अनुरोध करेंगे।

केंद्र और विदेश मंत्रालय से लगाई न्याय की गुहार

यश की मां अनीता देवी ने रोते हुए बताया कि वे कई जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों के दरवाजे खटखटा चुके हैं, लेकिन अभी तक उनके बेटे की स्वदेश वापसी का कोई मार्ग नहीं निकल सका है। उन्होंने केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय से गुहार लगाई है कि रूस स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से मामले में हस्तक्षेप किया जाए, यश की वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक किया जाए और उसे आवश्यक राजनयिक व कानूनी सहायता उपलब्ध कराकर उसकी भारत वापसी जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए।

रिमझिम फुहारों से मौसम हुआ सुहावना, भारी बारिश के अलर्ट पर बंद रहे मुजफ्फरनगर के स्कूल-कॉलेज

26 सितंबर को बेसिक से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों तक घोषित था आकस्मिक अवकाश, परीक्षाएं भी स्थगित, विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने जारी किए थे सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर। मौसम विभाग की ओर से 26 सितंबर को भारी बारिश की संभावना जताए जाने के बाद जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए जनपद में सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का फैसला लिया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर शनिवार, 26 सितंबर को जिले के बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा संस्थानों में आकस्मिक अवकाश घोषित किया गया था। इसके चलते स्कूल-कॉलेजों में शिक्षण कार्य पूरी तरह बंद रहा। हालांकि शनिवार को जिले में भारी बारिश के बजाय कई स्थानों पर हल्की बारिश और रिमझिम फुहारें देखने को मिलीं, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए लिया गया था फैसला

मौसम विभाग के पूवार्नुमान में 26 सितंबर को भारी बारिश की संभावना जताई गई थी। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक दिन के लिए सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का निर्णय लिया था। प्रशासन के इस फैसले के बाद शनिवार को स्कूल-कॉलेजों में सामान्य गतिविधियां ठप रहीं और विद्यार्थी अपने घरों पर रहे।

डीआईओएस ने 25 सितंबर को जारी किए थे निर्देश

जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव की ओर से 25 सितंबर को जारी आदेश में जनपद के सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों को आकस्मिक अवकाश का पालन करने के निर्देश दिए गए थे। आदेश के तहत राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त और वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों के साथ बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के संस्थान भी शामिल रहे।

सीबीएसई और आईसीएसई स्कूल भी रहे बंद

प्रशासन के निर्देश का दायरा केवल सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों तक सीमित नहीं था। जनपद के सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों को भी आदेश का पालन करने के निर्देश दिए गए थे। इसके अलावा उच्च शिक्षा संस्थानों को भी आकस्मिक अवकाश के दायरे में रखा गया था। इस तरह 26 सितंबर को जिले में बेसिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक व्यापक स्तर पर शिक्षण संस्थान बंद रहे।

परीक्षाएं भी स्थगित करने के निर्देश

आकस्मिक अवकाश के दौरान यदि किसी विद्यालय या कॉलेज में परीक्षा निर्धारित थी तो उसे भी स्थगित करने के निर्देश दिए गए थे। विद्यार्थियों को खराब मौसम के बीच संस्थानों तक पहुंचने की परेशानी से बचाने के साथ-साथ आवागमन के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने यह कदम उठाया था।

बारिश हल्की रही, लेकिन प्रशासन की सतर्कता बरकरार

शनिवार को मौसम ने करवट ली और आसमान में बादल छाने के साथ कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। रिमझिम फुहारों और ठंडी हवाओं से मौसम सुहावना हो गया। हालांकि मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए प्रशासन की ओर से पहले ही एहतियाती कदम उठा लिया गया था। बारिश भले ही पूवार्नुमान के मुकाबले हल्की रही, लेकिन स्कूल-कॉलेज बंद रखने का फैसला विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

लोगों को गर्मी और उमस से मिली राहत

हल्की बारिश के बाद जिले में गर्मी और उमस से भी लोगों को राहत मिली। सुबह से छाए बादलों के बाद हुई बूंदाबांदी ने वातावरण में ठंडक घोल दी। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मौसम खुशनुमा नजर आया। सड़कों पर बारिश की बूंदों से जहां वातावरण में ताजगी आई, वहीं लोगों ने भी बदले मौसम का आनंद लिया।

सुरक्षा को लेकर प्रशासन की नजर

जिला प्रशासन ने खराब मौसम की संभावना को देखते हुए पहले ही शिक्षण संस्थानों के लिए एहतियाती कदम उठाया था। अधिकारियों ने संबंधित संस्थानों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए थे। प्रशासन का फोकस विद्यार्थियों को बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचाने और किसी भी संभावित परेशानी को रोकने पर रहा।

महिला थाना समाधान दिवस में एसपी क्राइम ने सुनीं महिलाओं की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में शनिवार को महिला थाना परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने समाधान दिवस में पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। उन्होंने शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी क्राइम ने स्पष्ट किया कि शिकायतों की जांच केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर तथ्यों की निष्पक्ष जांच करते हुए समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करें। समाधान दिवस के दौरान महिला थाना पहुंचने वाले फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं पुलिस अधीक्षक अपराध के सामने रखीं। एसपी क्राइम ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा फरियादियों को समय से उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाने के निर्देश दिए।

मौके पर जाकर जांच और शत-प्रतिशत निस्तारण पर जोर

एसपी क्राइम ने मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि समाधान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों की संबंधित स्थान पर जाकर जांच की जाए। शिकायतों की वास्तविक स्थिति और दोनों पक्षों की बातों को समझने के बाद निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने तथा शिकायतकर्ता को कार्रवाई से अवगत कराने पर भी जोर दिया। महिला थाना में आयोजित समाधान दिवस के दौरान महिला अपराध से संबंधित शिकायतों को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। एसपी क्राइम ने कहा कि महिला संबंधी शिकायतों की जांच संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ की जाए। पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

स्कूल जाने के लिए घर से निकली 19 वर्षीय युवती लापता, युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

कोतवाली नगर क्षेत्र के शाहबुद्दीनपुर की घटना; पिता की तहरीर पर मंसूरपुर क्षेत्र के युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की तलाश

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम शाहबुद्दीनपुर से स्कूल जाने के लिए घर से निकली 19 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश करने के बाद एक युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पिता की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी घर से

पुलिस को दी गई तहरीर में युवती के पिता ने बताया कि उनकी 19 वर्षीय बेटी 22 सितंबर 2026 को सुबह करीब साढ़े नौ बजे घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। इसके बाद वह वापस घर नहीं पहुंची। निर्धारित समय तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी तलाश

युवती के घर नहीं लौटने पर परिवार के लोगों ने अपने स्तर से उसकी तलाश की। रिश्तेदारों और परिचितों से जानकारी लेने के साथ संभावित स्थानों पर भी खोजबीन की गई, लेकिन युवती का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजन पुलिस के पास पहुंचे और मामले की शिकायत की।

मंसूरपुर क्षेत्र के युवक पर लगाया आरोप

पिता ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि संधावली, थाना मंसूरपुर निवासी रोहित पुत्र जग्गू उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पिता ने पुलिस के सामने आशंका जताई कि युवती के साथ कोई अनहोनी न हो जाए। उन्होंने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बेटी को सकुशल बरामद कराने की मांग की।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पिता की तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए युवती की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। पुलिस युवती के संबंध में उपलब्ध जानकारी और संभावित ठिकानों की पड़ताल कर रही है।

परिजनों में चिंता का माहौल

युवती के लापता होने के बाद से परिवार के लोग चिंतित हैं। पिता ने पुलिस से जल्द से जल्द बेटी को सकुशल बरामद कराने की गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है और युवती की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

बुढ़ाना में तेज रफ्तार ट्रक ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, चालक समेत चार घायल

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना क्षेत्र में जौला गांव के पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने सवारियों से भरी ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा सड़क पर पलट गई और उसमें सवार लोगों को गंभीर चोटें आईं। हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत चार लोग घायल हो गए। मामले में पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

डूंगर से बुढ़ाना जा रहा था ई-रिक्शा

गांव डूंगर निवासी कृष्णपाल ने बुढ़ाना थाने में दी तहरीर में बताया कि उसका छोटा भाई मोहन ई-रिक्शा संख्या यूपी-12 डीटी-2457 चलाता है। 22 सितंबर 2026 को करीब साढ़े दस बजे वह अपने गांव डूंगर से सवारियां लेकर बुढ़ाना की ओर जा रहा था। ई-रिक्शा में कई यात्री सवार थे। तहरीर के अनुसार, जैसे ही ई-रिक्शा गांव जौला स्थित पेट्रोल पंप के सामने पहुंची, उसी दौरान बुढ़ाना की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रक संख्या एचआर-58 डी-2145 के चालक ने कथित रूप से लापरवाही से वाहन चलाते हुए ई-रिक्शा की साइड में जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर लगते ही ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें सवार ई-रिक्शा चालक मोहन के अलावा मीला पत्नी बिशम्बर, अफजाद और सचिन घायल हो गए।

घायलों के शरीर पर खुली तथा गुम चोटें आने की बात तहरीर में कही गई है। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल बुढ़ाना पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की हालत और चोटों को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार, घायल अस्पताल में भर्ती रहे और उपचार कराया गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद चिकित्सकों ने घर पर उपचार जारी रखने की सलाह दी।

इसके बाद घायल मोहन को घर छोड़कर उसका भाई कृष्णपाल मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचा।

ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कृष्णपाल की तहरीर के आधार पर बुढ़ाना पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने हादसे में क्षतिग्रस्त ई-रिक्शा और दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा ट्रक चालक की भूमिका और हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि मेरे पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र संख्या 14726 दिनांक 15-12-2022 में नियमों को जानकारी न होने के कारण मेरे पुत्र का नाम दर्ज नहीं किया गया था। मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम श्रेयांश (Shreyansh) है और मेरा पूर्ण नाम बादल (Badal) है। भविष्य में भी हम दोनों को इन्हीं नामों से जाना जाएगा । जन्म प्रमाण पत्र में बेटे का नाम दर्ज करने एवं मेरा नाम संशोधित करने हेतु शपथ पत्र संबंधित विभाग में प्रस्तुत किया जा रहा है।

प्रार्थी
बादल पुत्र श्री ब्रह्म सिंह
निवास -आदर्श कॉलोनी सरवट
मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश

भावभीनी श्रद्धांजलि

सर्वधर्म समभाव और जनसेवा को समर्पित एक युग का अंत

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड रहा है कि समाज के हर वर्ग के सुख–दु:ख में हमेशा साथ खडी रहने वाली हमारी पूज्यनीय माता **श्रीमती कुल्लन देवी जी** (वरिष्ठ सामाजिक कार्यकत्री) धर्मपत्नी स्व: श्री सुरेन्द्र बिड़ला का स्वर्गवास **दिनांक 18 सितम्बर 2026 दिन शुक्रवार** को हो गया है। उनका सम्पूर्ण जीवन हिन्दू–मुस्लिम एकता व सर्वसमाज के कल्याण और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में व्यतीत रहा।

दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं समाज के प्रति उनके योगदान को नमन करने हेतु श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म तेरहवी का आयोजन **28 सितम्बर 2026 दिन सोमवार** को किया गया है ।

बह्मभोज.................................12.00 बजे दोपहर
शोक सभा................................02.00 बजे दोपहर

स्थान: आर्केड फार्म हाऊस, नदी रोड, मुजफ्फरनगर

: शोकाकुल परिवार :

नितिन बिड़ला, शान्तनु बिड़ला (पुत्र)
ध्रुव बिड़ला, एकांश बिड़ला, अयांश बिड़ला (पौत्र)
एवं समस्त बिड़ला परिवार

मोबाइल नम्बर 8433273503, 9927013526

ॐ

॥ ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

आपको बड़े दुःख के साथ अवगत कराया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी

स्व० चौधरी हरीराम जी

अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके मंगलवार दिनाक 15 सितम्बर 2026 को प्रभु चरणों में लीन हो गए हैं। उनकी आत्मिक शांति के लिए

शोक सभा

सोमवार दिनांक 28 सितम्बर 2026

हवन प्रातः 8 बजे | ब्रह्मभोज प्रातः 11 बजे

शोक सभा एवं रस्म पगड़ी
दोपहर 1 बजे

-: स्थान :-
चौधरी हरीराम आवास, शेरनगर एन एच 58, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर

शोकाकुल परिवार

मुकेश चौधरी (पुत्र), जोय चौधरी (पौत्र), क्यान चौधरी (पौत्र)
राकेश चौधरी (पुत्र), कुशाग्र सिंह (पौत्र), विवान चौधरी (प्रप्रौत्र)
सुधीर मलिक (दामाद), रितिक चौधरी (पौत्र), नमन मलिक (धेवता)

सम्पर्क सूत्र : 9917200456, 9917555554

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 27 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

पंचायत चुनाव की रंजिश में खूनी खेल, 26 साल बाद सात दोषियों को उम्रकैद

पूर्व प्रधान के पति समेत सात दोषियों पर 13.09 लाख रुपये का जुमार्ना, फायरिंग में घायल रविंद्र की मेरठ ले जाते समय हुई थी मौत; 12 गवाहों की गवाही और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद आया फैसला

मुजफ्फरनगर। पंचायत चुनाव की रंजिश में करीब 26 वर्ष पहले हुए खूनी संघर्ष और हत्या के मामले में न्यायालय ने शनिवार को बड़ा फैसला सुनाया। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, फास्ट ट्रैक कोर्ट-1 की पीठासीन अधिकारी ज्योत्सना सिवाच ने पूर्व प्रधान के पति समेत सात आरोपियों को हत्या और जानलेवा हमले के मामले में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने सभी दोषियों पर 1.87-1.87 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। सातों पर लगाए गए जुमार्न की कुल राशि करीब 13.09 लाख रुपये है। न्यायालय के आदेश के अनुसार जुमार्ने की 50 प्रतिशत राशि राज्य कोष में जमा होगी, जबकि शेष 50 प्रतिशत राशि मृतक के उत्तराधिकारी परिजनों और घटना में घायल लोगों को दी जाएगी। यह मामला वर्ष 2000 में पंचायत चुनाव के दौरान पैदा हुई रंजिश से जुड़ा था। चुनाव में एक पक्ष की प्रत्याशी की हार के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद और तनाव बढ़ गया था। इसी रंजिश के चलते स्कूल से घर लौट रहे युवकों को रास्ते में रोककर उनके साथ मारपीट की गई। युवकों को छुड़ाने पहुंचे परिजनों पर आरोपियों ने बंदूक, पिस्टल और तमंचों से फायरिंग कर दी थी। गोलीबारी में कई लोग घायल हुए थे, जबकि गंभीर रूप से घायल रविंद्र ने उपचार के लिए मेरठ ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मामला भोपा थाना क्षेत्र के गांव धीराहेड़ी और महमूदपुर माजरा से जुड़ा है। धीराहेड़ी निवासी जसवीर के कुटुंब की हरवीरी ने पंचायत चुनाव लड़ा था। दूसरी ओर महमूदपुर माजरा निवासी बसंत की पत्नी भी चुनाव मैदान में थीं। चुनाव परिणाम में हरवीरी को हार का सामना करना पड़ा। अभियोजन के अनुसार, चुनाव के दौरान एक-दूसरे के समर्थन और विरोध को लेकर दोनों पक्षों में रंजिश पैदा हो गई थी। चुनाव समाप्त होने के बाद भी यह

विवाद खत्म नहीं हुआ। दोनों पक्षों के बीच पहले से चली आ रही तनातनी लगातार बढ़ती रही और आखिरकार 20 सितंबर 2000 को विवाद ने खूनी रूप ले लिया।

स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे तीन युवक

20 सितंबर 2000 को जसवीर सिंह ने भोपा थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, उसका भतीजा जयविंद्र पुत्र धर्मवीर अपने साथ गांव के रूपक और गौतम के साथ जनता इंटर कॉलेज भोपा से छुट्टी होने के बाद घर लौट रहा था। तीनों युवक गांव धीराहेड़ी में धूम सिंह के मकान के सामने पहुंचे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद धूम सिंह, उसके बेटे गुलवीर, ओमवीर, अनिल और रविंद्र, नवाब, प्रीतम, संजीव, पंकज तथा महमूदपुर माजरा निवासी बसंत ने रूपक और गौतम को पकड़ लिया। आरोपियों ने दोनों युवकों के साथ मारपीट की और उन्हें खींचकर धूम सिंह के मकान के अंदर ले गए। घटना देखकर जयविंद्र किसी तरह वहां से निकल गया और उसने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। दोनों युवकों के साथ मारपीट की जानकारी मिलते ही उनके परिजन उन्हें छुड़ाने के लिए मौके पर पहुंचे। तहरीर के अनुसार धर्मवीर, सत्यपाल, संजीव, सुरेंद्र, लोटन सिंह, विनोद, रविंद्र और धर्मपाल समेत अन्य लोग वहां पहुंचे थे। अभियोजन के अनुसार, जैसे ही परिजनों ने दोनों युवकों को छुड़ाने का प्रयास किया, आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने बंदूक, पिस्टल और तमंचों से ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर भगदड़ मच गई। गोलीबारी में सुरेंद्र, रविंद्र समेत कई लोग घायल हो गए। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल लोगों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल रविंद्र और सत्यपाल को बेहतर इलाज के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया। परिजन दोनों को लेकर मेरठ के लिए रवाना हुए, लेकिन रविंद्र की हालत रास्ते में और बिगड़ गई। मेरठ पहुंचने से पहले ही रविंद्र ने दम तोड़ दिया।

पन्नी में लपेटकर नाले में फेंका नवजात, दम घुटने से मौत की आशंका

खतौली के बुढ़ाना रोड पर सफाई के दौरान मिला नवजात का शव, पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेजा, सीसीटीवी फुटेज से फेंकने वालों की तलाश

खतौली। शनिवार सुबह खतौली में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। बुढ़ाना रोड स्थित नाले में सफाई के दौरान पन्नी में लिपटा नवजात शिशु का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सफाई कर्मियों ने नाले में शव पड़ा देखा तो उनके होश उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नवजात को नाले में कौन और किस परिस्थिति में फेंककर गया।

सफाई के दौरान नाले में दिखी पन्नी घटना शनिवार सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। बुढ़ाना रोड स्थित नाले में सफाई का काम चल रहा था। इसी दौरान सफाई कर्मियों की नजर नाले में पड़ी एक पन्नी पर गई। पन्नी को देखकर जब उन्होंने ध्यान से देखा तो उसके अंदर नवजात शिशु का शव लिपटा हुआ था। नवजात का शव देखकर सफाई कर्मी सन्न रह गए। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल की जांच शुरू कर दी। खतौली इंस्पेक्टर दिनेश चंद बघेल ने बताया कि नाले से मिला नवजात लड़का था। प्रारंभिक तौर पर नवजात स्वस्थ अवस्था में दिखाई दे रहा

था। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया दम घुटने के कारण उसकी मौत होने की आशंका है। हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से नवजात की मौत के कारण और अन्य महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद है। नवजात को पन्नी में लपेटकर नाले में फेंकने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नवजात को जन्म देने वाले परिवार से जुड़ा कौन व्यक्ति उसे यहां लेकर आया और उसे नाले में फेंकने के पीछे क्या वजह रही। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लोगों से पूछताछ करने के साथ-साथ घटना से जुड़े संभावित सुराग जुटा रही है। सड़क और आसपास के कैमरों की फुटेज खंगाली नवजात को नाले में फेंकने वालों की पहचान के लिए पुलिस ने बुढ़ाना रोड और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस यह देख रही है कि शनिवार तड़के से लेकर सुबह तक नाले के आसपास कौन-कौन लोग या वाहन पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज में यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि सामने आती है तो उसके आधार पर पुलिस जांच को आगे बढ़ाएगी। पुलिस का कहना है कि नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस नवजात को नाले में फेंकने वालों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। घटना के बाद बुढ़ाना रोड क्षेत्र में भी लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं।

मेरठ रोड पर बुलेट की टक्कर से महिला की मौत, चालक के खिलाफ मुकदमा

मछुआरों वाली गली के बाहर देर रात हुआ दर्दनाक हादसा, परिवार के साथ निकली थी 50 वर्षीय बबली, दामाद की तहरीर पर दक्षिणी खालापार निवासी सुहेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। थाना खालापार क्षेत्र में मेरठ रोड पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार बुलेट बाइक की टक्कर से 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा मछुआरों वाली गली के बाहर करीब रात 12 बजे हुआ। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजन और स्थानीय लोग उपचार के लिए भोपा रोड स्थित आनंद हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मामले में मृतका के दामाद अजय पुत्र गाजा वाली पुलिया, थाना सिविल लाइन की तहरीर पर पुलिस ने बुलेट चालक सुहेल निवासी दक्षिणी खालापार के खिलाफ हादसे का मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार दक्षिणी सिविल लाइन निवासी बबली (50) पत्नी राजू शुक्रवार देर रात अपने परिवार के सदस्यों के साथ घर के पास घूमने निकली थी। बताया गया कि वह मछुआरों वाली गली के बाहर पहुंची थी। इसी दौरान तेज गति से आई बुलेट बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। बुलेट की टक्कर लगते ही बबली गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने महिला को संभाला। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घायल महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। थाना खालापार के थानाध्यक्ष विजय कुमार, चौकी प्रभारी असगर अली और पुलिस टीम हादसे की सूचना

मिलते ही मौके पर पहुंची। पुलिस की मदद से परिजन बबली को भोपा रोड स्थित आनंद हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही अस्पताल पहुंचे परिजनों में चीख-पुकार मच गई और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे के बाद मृतका के दामाद अजय निवासी गाजा वाली पुलिया थाना सिविल लाइन की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर थाना खालापार पुलिस ने बुलेट चालक सुहेल निवासी दक्षिणी खालापार के खिलाफ हादसे के संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा महिला की मौत के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ हादसे से संबंधित जानकारी जुटाई।

पुलिस अब हादसे की परिस्थितियों और बुलेट चालक की भूमिका की जांच कर रही है।

जांच के बाद होगी आगे की कार्रवाई पुलिस के अनुसार मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। घटनास्थल से मिले तथ्यों, प्रत्यक्षदर्शियों की जानकारी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस बुलेट चालक सुहेल के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

सराफा बाजार चौक के श्याम ज्वैलर्स में लगी भीषण आग, बाजार में मची अफरा-तफरी

दुकान से धुआं और आग की लपटें निकलने से मचा हड़कंप, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड, कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

मुजफ्फरनगर। शहर के व्यस्त सराफा बाजार चौक स्थित श्याम ज्वैलर्स में शनिवार को अचानक भीषण आग लगने से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। दुकान से धुआं और आग की लपटें निकलती देखकर आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और आग की सूचना दमकल विभाग को दी गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही आसपास के दुकानदारों ने एहतियात के तौर पर अपनी दुकानों से सामान बाहर निकालना शुरू कर दिया। व्यस्त सराफा बाजार में आग की घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने

तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर संभाला मोर्चा सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल कर्मियों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित कर लिया गया। समय रहते आग पर काबू पाए जाने से आसपास की अन्य दुकानों तक आग पहुंचने का खतरा टल गया।

आग लगने के कारणों की जांच फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। माना जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट अथवा किसी अन्य तकनीकी कारण से लगी हो सकती है। दमकल विभाग और संबंधित अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। आग से दुकान में कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन भी किया जा रहा है। सराफा बाजार शहर का बेहद व्यस्त और घनी आबादी वाला इलाका है।

प्रेम के जाल में कासगंज से मुजफ्फरनगर पहुंची नाबालिग, कृष्णापुरी में शोर मचाकर बचाई जान

तीन दिन तक बंधक बनाकर रखने का आरोप, देर रात युवकों के साथ कहीं और ले जाते समय किशोरी ने मचाया शोर, आरोपी मौके से फरार, वन स्टॉप सेंटर में कराया गया भर्ती

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया के माध्यम से शुरू हुई दोस्ती और प्रेम-प्रसंग के बाद कासगंज से मुजफ्फरनगर पहुंची एक नाबालिग किशोरी के साथ कथित तौर पर बंधक बनाकर रखने का मामला सामने आया है। शहर के कृष्णापुरी क्षेत्र में शुक्रवार देर रात किशोरी को कुछ युवक कथित रूप से कहीं और ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान किशोरी ने हिम्मत दिखाते हुए सड़क पर शोर मचा दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी किशोरी को छोड़कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची शहर कोतवाली पुलिस ने किशोरी को अपने संरक्षण में लेकर महिला चिकित्सालय स्थित वन स्टॉप सेंटर में भर्ती कराया है। पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना देकर मुजफ्फरनगर बुलाया है। बताया गया है कि कासगंज निवासी किशोरी की सोशल मीडिया के माध्यम से मुजफ्फरनगर के कृष्णापुरी निवासी एक युवक से दोस्ती हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों के बीच

कथित तौर पर प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। युवक द्वारा किए गए वादों और भरोसे में आकर किशोरी करीब तीन दिन पहले अपने घर से निकलकर मुजफ्फरनगर पहुंच गई। किशोरी के अचानक लापता होने के बाद उसके परिजनों ने कासगंज में शिकायत भी दर्ज कराई थी। मुजफ्फरनगर पहुंचने के बाद किशोरी को युवक ने कथित रूप से अपने किसी परिचित के घर पर रखा था। आरोप है कि किशोरी को वहां से बाहर नहीं जाने दिया गया और करीब तीन दिन तक उसे बंधक बनाकर रखा गया। शुक्रवार देर रात युवक अपने दो साथियों के साथ किशोरी को किसी दूसरी जगह ले जाने के लिए निकला था। बताया जा रहा है कि जब किशोरी को लेकर युवक और उसके साथी सड़क पर पहुंचे तो उसने किसी तरह हिम्मत जुटाई और शोर मचाना शुरू कर दिया। किशोरी की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे। लोगों को आता देखकर आरोपी किशोरी को वहीं छोड़कर भाग निकले। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने किशोरी से पूरी जानकारी लेने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी। समाजसेवियों ने पुलिस को दी सूचना घटना की जानकारी मिलने के बाद समाजसेवी शालू सैनी और नीशु भी मौके पर पहुंचे। उनके माध्यम से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को अपने संरक्षण में लिया।

पुलिस ने उससे प्राथमिक पूछताछ करने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से उसे महिला चिकित्सालय स्थित वन स्टॉप सेंटर में भर्ती कराया। पुलिस के सामने सबसे अहम तथ्य यह है कि किशोरी के कासगंज से लापता होने की शिकायत पहले से दर्ज बताई जा रही है। इसके चलते शहर कोतवाली पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया और उन्हें मुजफ्फरनगर बुलाया है। परिजनों के पहुंचने के बाद किशोरी से विस्तृत जानकारी लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में किशोरी द्वारा लगाए गए आरोपों को पुलिस ने गंभीरता से लिया है। पुलिस अब उस युवक और उसके साथियों की तलाश में जुटी है, जिन पर किशोरी को अपने साथ रखने और कहीं दूसरी जगह ले जाने का आरोप है।

रोहन राठी हत्याकांड को लेकर उठे सवालों को लेकर पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में पुलिस अधिकारियों से हुई लंबी वार्ता

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, सांसद हरेंद्र मलिक, रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी और भाकियू जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने रखी परिजनों की बात

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी क्षेत्र के गांव हरेटी के ग्राम प्रधान विवेक राठी के बेटे रोहन राठी हत्याकांड में पुलिस के खुलासे के बाद भी मामले को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित परिजनों के साथ कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, सांसद हरेंद्र मलिक, रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी और भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने पीडब्ल्यूडी, सपा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, भाकियू (अराजनीतिक) प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक गेस्ट हाउस पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा और पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधिकारियों के सामने परिजनों की आपत्तियां और मामले से जुड़े बिंदुओं को रखा तथा घटना की जांच को लेकर वार्ता की। रोहन राठी की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की निशानदेही पर रोहन की बाइक, स्मार्ट वॉच, मोबाइल, घटना में प्रयुक्त कार और हथियार बरामद किए गए हैं। हालांकि, परिजनों की ओर से पुलिस की कार्रवाई और घटना की परिस्थितियों को लेकर कुछ सवाल उठाए गए हैं। इन्हीं बिंदुओं को लेकर जनप्रतिनिधियों और किसान संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की।

पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में हुई वार्ता शनिवार को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में हुई वार्ता के दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, सांसद हरेंद्र मलिक, रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी और भाकियू जिलाध्यक्ष नवीन राठी सपा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने पीड़ित परिवार की ओर से मामले को लेकर अपनी बात रखी। पुलिस अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल की बात सुनी और मामले से जुड़े तथ्यों पर चर्चा की। इससे पहले कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार हरेटी गांव पहुंचकर रोहन के परिजनों से मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने परिजनों द्वारा उठाए गए सवालों की गंभीरता से जांच कराने का भरोसा दिया था। 24 सितंबर को मिला था रोहन का शव रोहन राठी का शव 24 सितंबर को पुरकाजी थाना क्षेत्र के हरेटी गांव के

जंगल में मिला था। रिपोर्टों के अनुसार रोहन बुधवार शाम अपने दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने गया था और रात में घर नहीं लौटा। अगले दिन उसका शव गांव के पास खेत के निकट मिला।

पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के संबंध में पुलिस ने बताया था कि रोहन की मौत मुंह दबाने से हुई। मामले के खुलासे के लिए पुलिस ने कई टीमों का गठन किया था।

मुठभेड़ में दो आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने शुक्रवार को मामले में दो आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी गोली लगने से घायल हुए थे। पुलिस का दावा है कि पूछताछ और जांच में हत्या की परिस्थितियों का खुलासा हुआ तथा आरोपियों की निशानदेही पर महत्वपूर्ण सामान बरामद किया गया। रोहन के परिजनों की ओर से मामले में सामने आए सभी सवालों और संभावित तथ्यों की जांच की मांग की जा रही है। इसी को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ हुई वार्ता में प्रतिनिधिमंडल ने निष्पक्ष जांच और घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की पड़ताल पर जोर दिया। पुलिस अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल की बात सुनी और मामले में सामने आए तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाने की बात कही। मामले को लेकर गांव हरेटी और आसपास के क्षेत्र में भी चर्चा बनी हुई है।

बेटी के फोटो वायरल करने की धमकी देने वाले युवक ने पिता को दी गोली मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

नई मंडी क्षेत्र में बाईपास पर गणपति ढाबे के आगे का मामला,पीड़ित पिता का आरोप–बाइक से आया युवक गाली-गलौज कर बोला, आज भी तेरी बेटी के फोटो मेरे पास हैं

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र में बेटी के फोटो वायरल करने की धमकी और पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति को कथित रूप से गोली मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। ग्राम बिलासपुर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बेटी के फोटो वायरल करने की धमकी देने वाले युवक ने बाईपास पर उसे रोककर गाली-गलौज की और बेटी के फोटो अभी भी अपने पास होने की बात कहते हुए उसे और उसके परिवार को गोली से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर नई मंडी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर में एक व्यक्ति निवासी ग्राम बिलासपुर ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी 22 जुलाई 2026 को तितावी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक के साथ की थी। आरोप है कि शादी के दौरान शहर के शांति नगर निवासी हिमांशु पुत्र श्रीराम ने उसकी बेटी के फोटो वायरल करने की धमकी दी थी। पीड़ित के अनुसार इस मामले को लेकर उसने पहले थाना पुलिस को तहरीर दी थी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद से ही दोनों पक्षों के बीच विवाद चला आ रहा है। पीड़ित का आरोप है कि पुराने विवाद के चलते हिमांशु उसे आए दिन उसे और उसके परिवार के सदस्यों को फोन तथा वाट्सऐप के माध्यम से धमकाता रहता है। पीड़ित पिता का कहना है कि लगातार मिल रही धमकियों के कारण वह और उसका परिवार भयभीत है।

बाईपास पर बाइक से आया, देखते ही करने लगा गाली-गलौज

तहरीर के मुताबिक 23 सितंबर 2026 को पीड़ित शहर से बाईपास होते हुए अपने गांव बिलासपुर जा रहा था। शाम करीब साढ़े सात बजे जब वह गणपति ढाबे से आगे पहुंचा, तभी हिमांशु बाइक पर वहां आया। आरोप है कि धर्मपाल को देखते ही उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार हिमांशु ने कहा कि उसके पास आज भी उसकी बेटी के फोटो मौजूद हैं, जिन्हें वह पहले वायरल कर चुका है। पीड़ित पिता उसे काफी समझाने और मना करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी कथित रूप से गाली-गलौज करता रहा।

बेटी के फोटो का हवाला देकर परिवार को गोली मारने की धमकी

आरोप है कि गाली-गलौज के दौरान हिमांशु ने पीड़ित व्यक्ति और उसके परिवार को गोली से मारने की धमकी दी और इसके बाद वहां से चला गया। घटना के बाद धर्मपाल काफी डर गया और उसने पुलिस से मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू धर्मपाल की तहरीर के आधार पर थाना नई मंडी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है। पुलिस घटनास्थल, दोनों पक्षों के बीच पुराने विवाद और पहले दर्ज मुकदमे से संबंधित तथ्यों की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, धमकी के आरोपों को लेकर पुलिस आरोपी पक्ष से भी पूछताछ कर सकती है।

चरथावल के चौकड़ा में पिता ने बेटे पर फावड़े से किया हमला: गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

घरेलू विवाद में कहासुनी के बाद पिता ने खोया आपा

मुजफ्फरनगर। जनपद के चरथावल थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकड़ा गांव में शनिवार को पारिवारिक विवाद के चलते एक सनसनीखेज घटना सामने आई। मामूली कहासुनी के दौरान आपा खोए पिता ने अपने ही बेटे पर फावड़े से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चौकड़ा गांव निवासी राहुल का शनिवार को

अपने पिता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। देखते ही देखते दोनों के बीच कहासुनी इतनी अधिक बढ़ गई कि गुस्से में आकर पिता ने पास में रखा धारदार फावड़ा उठा लिया और राहुल पर हमला बोल दिया। फावड़े का वार सीधे राहुल पर लगा, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर पड़ा और चीख-पुकार मच गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मामले की जानकारी चरथावल थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और लहूलुहान पड़े राहुल को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद भी राहुल की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी रही, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उच्च स्तरीय इलाज के लिए मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया। चरथावल पुलिस का कहना है कि घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

संपादकीय

क्या दांव पर है भारतीय लोकतंत्र की साख?

निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूची से लाखों नाम हटाने का मामला विवादों में है। पूर्व-वर्तमान अधिकारियों ने इसकी पारदर्शिता और लोकतंत्र की साख पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र मतदाताओं और वैध नागरिकों के ही नाम होने चाहिए, ताकि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित की जा सके। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह जरूरी भी है।मगर इसके लिए निर्वाचन आयोग ने जिस विशेष मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को एक अभियान की तरह चलाया है, वह अपनी शुरुआत से ही सवालों के घेरे में रहा। बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में जिस तरह लाखों मतदाताओं को सूची से अलग-अलग कारणों से बाहर कर दिया गया, उसकी कसौटियों और औचित्य को लेकर विवाद जारी हैं।ऐसी आपत्तियां न केवल विपक्षी दलों की ओर से सामने आई, बल्कि खुद चुनाव आयोग से जुड़े रहे पूर्व शीर्ष अधिकारियों ने भी इस पर कई सवाल उठाए हैं। मसलन, पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत ने एसआइआर को एक ऐसी व्यवस्था करार दिया है, जिसने मतदाताओं के मन में डर पैदा कर दिया है। उनके मुताबिक, वैधानिक मतदाता पंजीकरण प्रपत्र-6 में किए गए बदलाव पूरी तरह गलत और अवैध हैं।खबरों के मुताबिक, मौजूदा तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने भी पिछले दस महीनों में कम से कम चौदह बार मतदाताओं के पंजीकरण और नाम हटाने को लेकर प्रपत्र-6 में बदलाव तथा मतदाता सूची के डेटाबेस पर नियंत्रण को केंद्रीकृत करने पर आपत्ति दर्ज की।सवाल है कि जब खुद चुनाव संचालित करने वाले कुछ पूर्व और वर्तमान उच्च अधिकारी भी यह मान रहे हैं कि निर्वाचन आयोग जिस एसआइआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बता रहा है, उसकी प्रक्रिया औचित्य के कठघरे में है, तो इसकी क्या विश्वसनीयता रह जाती है! इसी से संबंधित एक सवाल पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त वाईएस कुरैशी ने भी उठाया है कि क्या कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण पुनरीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की गई मतदाता सूचियों के आधार पर चुनाव कराए जा सकते हैं।जाहिर है, यह एक बड़े महत्त्व का सवाल है। मगर हकीकत यह है कि विपक्षी दलों की ओर से भी इसी तरह की आपत्ति दर्ज कराए जाने के बावजूद निर्वाचन आयोग ने कई राज्यों में विधानसभा चुनाव कराए। पश्चिम बंगाल में विवाद के तूल पकड़ने के बाद मतदाता सूची में नाम फिर से शामिल कराने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरणों में अपील की व्यवस्था की गई।वहां हालत यह है कि अब तक जितने मामलों का निपटारा हो सका है, उनमें से करीब नब्बे फीसद लोगों के नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल किए गए। जाहिर है, ये लोग वैसे मतदाता हैं, जिन्हें विधानसभा चुनावों में मत डालने अधिकार नहीं मिला।

1938 में अखण्ड ज्योति का आरंभ हुआ और जनवरी 1940 से उसका नियमित प्रकाशन आगे बढ़ा। वह केवल आध्यात्मिक पत्रिका नहीं बनी, उसके माध्यम से आचार्य श्री ने व्यक्ति, परिवार, स्वास्थ्य, समाज, नैतिकता और अध्यात्म पर लगातार संवाद किया।सोचिए, वह समय जब न मोबाइल था, न इंटरनेट, न सोशल मीडिया। विचारों को 'वायरल' करने की कोई तकनीक नहीं थी। एक पत्रिका किसी घर पहुंचती, कोई उसे पढ़ता, फिर दूसरे को देता और धीरे-धीरे कागज पर छपे अक्षर चेतना की यात्रा पर निकल पड़ते।एक दीपक था, नाम रखा गया 'अखण्ड ज्योति'। फिर उसी दीपक से असंख्य दीप जलते चले गए।आचार्य श्री स्वयं विपुल लेखन करते रहे। वेद, उपनिषद, दर्शन, गायत्री, अध्यात्म, स्वास्थ्य, परिवार, संस्कृति, समाज और मनुष्य के व्यक्तित्व जैसे विषयों को उन्होंने सामान्य पाठक की भाषा में समझाने का प्रयास किया। उनके लेखन की संख्या को लेकर गायत्री परिवार के अलग-अलग आधिकारिक स्रोत अलग आंकड़े देते हैं, लेकिन निर्विवाद तथ्य यह है कि उनका साहित्य अत्यंत विस्तृत है।

मनुष्य गढ़ने वाले मनीषी: पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

(प्रणय विक्रम सिंह)

कभी-कभी किसी महापुरुष को समझने के लिए यह देखना पर्याप्त नहीं होता कि उन्होंने कितनी संस्थाएं बनाईं, कितनी पुस्तकें लिखीं या कितने लोगों को अपने साथ जोड़ा। उन्हें समझने के लिए यह देखना पड़ता है कि उन्होंने अपने समय के मनुष्य से कौन-सा प्रश्न पूछा था। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने मनुष्य से पूछा था तुम संसार को बदलना चाहते हो, लेकिन स्वयं को बदलने के लिए कितने तैयार हो? शायद इसीलिए उनके जीवन-दर्शन का सबसे सरल सूत्र ही उनकी पूरी साधना का सार बन गया- 'हम बदलेंगे, युग बदलेगा।' 20 सितम्बर 1911 को आगरा के आंवलखेड़ा में जन्मे श्रीराम शर्मा आचार्य का जीवन उस दौर में आकार ले रहा था, जब भारत केवल राजनीतिक पराधीनता से नहीं जूझ रहा था। समाज रूढ़ियों, अशिक्षा, असमानता और अनेक आंतरिक कमजोरियों से भी संघर्ष कर रहा था। युवावस्था में वे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े, जेल गए, लेकिन स्वतंत्रता मिलने के बाद उनका रास्ता सत्ता की ओर नहीं मुड़ा। उन्होंने समाज के भीतर उतरने का रास्ता चुना। क्योंकि उनकी दृष्टि में देश केवल सीमाओं से नहीं बनता था। देश मनुष्यों से बनता है। और यदि मनुष्य का चिंतन, चरित्र और आचरण परिष्कृत नहीं हुआ तो राजनीतिक स्वतंत्रता भी सामाजिक श्रेष्ठता की गारंटी नहीं बन सकती।यहीं से श्रीराम शर्मा 'स्वतंत्रता सेनानी' से आगे बढ़कर मनुष्य के अंतर्मन के शिल्पी दिखाई देते हैं। उन्होंने धर्म को मंदिर की चौखट पर नहीं छोड़ा। गायत्री को केवल जप में नहीं रहने दिया। यज्ञ को केवल अग्नि और आहुति तक सीमित नहीं माना। उनके लिए अध्यात्म का अर्थ था मनुष्य अपने भीतर के लोभ, अहंकार, क्रोध और संकीर्णता से लड़े और अपने समय के दुःख में सहभागी बने। यानी साधना स्वयं को साधे और सेवा संसार को संवारे। यही भाव आगे चलकर अखिल विश्व गायत्री परिवार और युग निर्माण आंदोलन की आत्मा बना। गायत्री परिवार के केंद्र में उन्होंने व्यक्ति-निर्माण, परिवार-निर्माण और समाज-निर्माण को एक ही परिवर्तन-यात्रा की कड़ियों की तरह रखा। युग निर्माण योजना में नैतिक, बौद्धिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए सौ सूत्रीय कार्यक्रम भी इसी व्यापक दृष्टि से विकसित हुआ।उनकी यात्रा की सबसे सुंदर बात यह थी कि वह बड़े मंच से नहीं, छोटे-छोटे संस्कारों से बड़ा परिवर्तन खोजती थी। उन्हें मालूम था कि हर व्यक्ति आंदोलनकारी नहीं बन सकता, हर व्यक्ति संन्यासी नहीं हो सकता, हर व्यक्ति विद्वान भी नहीं हो सकता लेकिन हर मनुष्य थोड़ा अधिक ईमानदार, थोड़ा अधिक संवेदनशील, थोड़ा अधिक संयमी और थोड़ा अधिक उपयोगी अवश्य हो सकता है।और करोड़ों मनुष्यों का यही 'थोड़ा-थोड़ा' परिवर्तन मिलकर किसी युग का चरित्र बदल सकता है।इसीलिए उन्होंने विचार को आंदोलन का सबसे बड़ा औजार बनाया। 1938 में अखण्ड ज्योति का आरंभ हुआ और जनवरी 1940 से उसका नियमित प्रकाशन आगे बढ़ा। वह केवल आध्यात्मिक पत्रिका नहीं बनी, उसके माध्यम से आचार्य श्री ने व्यक्ति, परिवार, स्वास्थ्य, समाज, नैतिकता और अध्यात्म पर लगातार संवाद किया।सोचिए, वह समय जब न मोबाइल था, न इंटरनेट, न सोशल मीडिया। विचारों को 'वायरल' करने की कोई तकनीक नहीं थी। एक पत्रिका किसी घर पहुंचती, कोई उसे पढ़ता, फिर दूसरे को देता और धीरे-धीरे कागज पर छपे अक्षर चेतना की यात्रा पर निकल पड़ते।एक दीपक था, नाम रखा गया 'अखण्ड ज्योति'। फिर उसी दीपक से असंख्य दीप जलते चले गए।आचार्य श्री स्वयं विपुल लेखन करते रहे। वेद, उपनिषद, दर्शन, गायत्री, अध्यात्म, स्वास्थ्य, परिवार, संस्कृति, समाज और मनुष्य के व्यक्तित्व जैसे विषयों को उन्होंने सामान्य पाठक की भाषा में समझाने का प्रयास किया। उनके लेखन की संख्या को लेकर गायत्री परिवार के अलग-अलग आधिकारिक स्रोत अलग आंकड़े देते हैं, लेकिन निर्विवाद तथ्य यह है कि उनका साहित्य अत्यंत विस्तृत है।असल महत्व संख्या का भी नहीं है। महत्व इस बात का है कि वे ज्ञान को विद्वानों की अलमारी से निकालकर सामान्य मनुष्य के जीवन तक लाना चाहते थे। उन्होंने संस्कृत के कठिन श्लोकों और दर्शन की गंभीर अवधारणाओं के सामने सामान्य पाठक को असहाय नहीं छोड़ा। वे चाहते थे कि अध्यात्म उस गृहस्थ की भी समझ में आए, जो सुबह काम पर जाता है, उस मां के भी, जो परिवार संभालती है, उस युवक के भी, जो अपने भविष्य को लेकर उलझा हुआ है। यहीं उनका अध्यात्म जीवन के बहुत करीब आ जाता है। वे कहते थे कि पहले स्वयं को गढ़ो। फिर परिवार गढ़ेगा। परिवार बदलेगा तो समाज बदलेगा। और समाज बदलेगा तो युग अपने आप करवट लेगा।इसी क्रम में मथुरा की गायत्री तपोभूमि से लेकर हरिद्वार के शांतिकुंज तक संस्थागत यात्रा आगे बढ़ी। शांतिकुंज आगे चलकर गायत्री परिवार और युग निर्माण आंदोलन का प्रमुख केंद्र बना। लेकिन उनकी दृष्टि केवल परंपरा की ओर पीछे देखने वाली नहीं थी। वे आधुनिक विज्ञान से भी संवाद चाहते थे। इसी सोच से 1979 में हरिद्वार में ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान स्थापित हुआ, जिसका घोषित उद्देश्य विज्ञान और अध्यात्म के बीच शोधपरक संवाद विकसित करना था। यहां आचार्य श्री की एक विशेषता बहुत साफ दिखाई देती है कि वे परंपरा से प्रेम करते थे, लेकिन प्रश्नों से भयभीत नहीं थे।आस्था उनकी थी, पर आग्रह जड़ता का नहीं था।अध्यात्म उनका आधार था, लेकिन संसार से पलायन उसका निष्कर्ष नहीं था।और शायद यही कारण है कि 2 जून 1990 को उनकी देहयात्रा पूर्ण होने के तीन दशक से अधिक समय बाद भी उनके विचारों की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है।बल्कि आज उनके कुछ प्रश्न पहले से अधिक बेचैन करते हैं।हमारे हाथ में संसार भर की सूचना है, लेकिन क्या हमारे भीतर उतना ही विवेक भी बढ़ा है?हमारे पास संवाद के अनगिनत साधन हैं, लेकिन क्या संवाद में संवेदना बढ़ी है?हमने घर बड़े कर लिए, साधन बढ़ा लिए, बाजार भर लिए लेकिन क्या मनुष्य भी भीतर से उतना ही समृद्ध हुआ?यहीं आचार्य श्री फिर सामने आकर खड़े हो जाते हैं।वे आधुनिकता को रोकते नहीं। वे केवल इतना कहते प्रतीत होते हैं कि बाहर की प्रगति के साथ भीतर की प्रगति को मत भूलो।क्योंकि विज्ञान मनुष्य को शक्ति दे सकता है, लेकिन उस शक्ति का उपयोग किसलिए होगा, यह उसका चरित्र तय करेगा। शिक्षा बुद्धि दे सकती है, लेकिन बुद्धि किस दिशा में चलेगी, यह संस्कार तय करेंगे। समृद्धि साधन दे सकती है, लेकिन उन साधनों में संतोष और संवेदना नहीं खरीद सकती।इसीलिए उनकी पूरी विचार-यात्रा अंततः मनुष्य पर लौटती है।

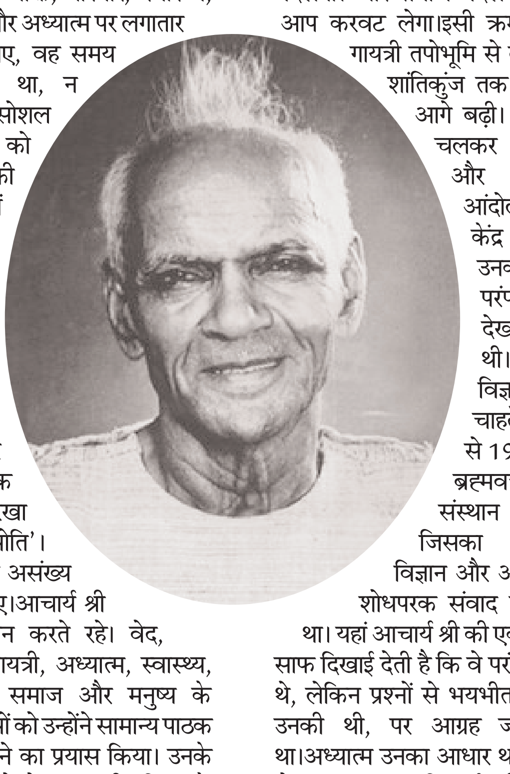

मनुष्य सुधरेगा तो परिवार संवरेगा।
परिवार संवरेगा तो समाज सधेगा।
समाज सधेगा तो राष्ट्र समर्थ होगा।
और राष्ट्र समर्थ होगा तो युग बदलेगा।

यही पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की सबसे बड़ी सामाजिक देन दिखाई देती है कि उन्होंने परिवर्तन की जिम्मेदारी किसी एक सरकार, संस्था या महापुरुष के कंधे पर नहीं रखी। उन्होंने उस जिम्मेदारी का एक अंश हर मनुष्य के हाथ में रख दिया।उन्होंने कहा नहीं कि किसी युगपुरुष की प्रतीक्षा करो।उन्होंने मनुष्य से कहा कि अपने हिस्से का युग-निर्माण स्वयं शुरू करो।आज उनकी जयंती पर उन्हें स्मरण करते हुए शांतिकुंज की इमारतें, गायत्री परिवार का विस्तार, अखण्ड ज्योति के अंक या उनका विपुल साहित्य दिखाई देता है। लेकिन इन सबके पीछे एक बहुत शांत-सी आवाज भी सुनाई देती है।दुनिया में अंधेरा अधिक है तो अंधेरे से शिकायत करते रहने से क्या होगा?अपने हिस्से का दीप जलाओ।शायद यही उस मनीषी के जीवन का सबसे हृदयस्पर्शी सार है।वह 2 जून 1990 को चले गए, पर एक वाक्य छोड़ गए

हम बदलेंगे, युग बदलेगा।

और इतने वर्षों बाद भी यह वाक्य किसी पुस्तक के पन्ने पर रखा हुआ विचार नहीं लगता।यह आज भी हमारे दरवाजे पर खड़ा एक प्रश्न लगता हैज युग को बदलते हुए देखने की इच्छा तो है, पर क्या शुरुआत स्वयं से करने का साहस भी है?ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय: विचारों की वह मशाल जो आज भी प्रज्वलित है

(योगेश कुमार गोयल)

दीनदयाल उपाध्याय के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं थी, वे इसे समाज और राष्ट्र की सेवा का साधन मानते थे। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के समय वे उसके संगठन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका में आए और आगे चलकर पार्टी के अखिल भारतीय महामंत्री बने।

कुछ व्यक्तित्व अपने जीवन की लंबाई से नहीं बल्कि अपने विचारों की गहराई और कर्मों की व्यापकता से इतिहास में स्थान बनाते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऐसे ही व्यक्तित्व थे। साधारण जीवन जीते हुए उन्होंने भारतीय राजनीति, समाज और अर्थचिंतन को भारतीय संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया। उनका जीवन सादगी, अनुशासन, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता का उदाहरण रहा। उनकी जयंती केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं बल्कि उनके विचारों और सार्वजनिक जीवन की भूमिका को समझने का अवसर भी है। 25 सितंबर 1916 को मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में जन्मे दीनदयाल उपाध्याय का बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता। कम उम्र में ही उन्होंने माता-पिता को खो दिया और उनका पालन-पोषण रिश्तेदारों के संरक्षण में हुआ। कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ। वे पढ़ाई में अत्यंत प्रतिभाशाली थे और विभिन्न स्तरों पर छात्रवृत्तियां प्राप्त करते रहे। पिलानी में शिक्षा के बाद उन्होंने कानपुर के सनातन धर्म कॉलेज में अध्ययन किया। 1937 में छात्र जीवन के दौरान उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से हुआ। आगे चलकर उन्होंने अपना जीवन पूर्णकालिक संगठनात्मक कार्य को समर्पित कर दिया।

दीनदयाल उपाध्याय के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं थी, वे इसे समाज और राष्ट्र की सेवा का साधन मानते थे। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के समय वे उसके संगठन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका में आए और आगे चलकर पार्टी के अखिल भारतीय महामंत्री बने। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निधन के बाद संगठन को मजबूत करने और देशभर में उसका विस्तार करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1967 में वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। उनकी सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक देन 'एकात्म मानववाद' मानी जाती है। उनका विचार था कि मनुष्य को केवल आर्थिक आवश्यकताओं के आधार पर नहीं समझा जा सकता। मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप है और उसके जीवन में भौतिक प्रगति के साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक है। इसी प्रकार व्यक्ति समाज से अलग नहीं है। व्यक्ति, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए विकास का उद्देश्य केवल उत्पादन और आर्थिक आंकड़ों को बढ़ाना नहीं, मनुष्य और समाज के संतुलित विकास को सुनिश्चित करना होना चाहिए। दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिंतन भी इसी दृष्टि पर आधारित था। वे ऐसी अर्थव्यवस्था के समर्थक थे, जिसमें विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी विचार से जुड़ा उनका 'अंत्योदय' का सिद्धांत आज भी उनके चिंतन की प्रमुख पहचान है। उनका मानना था कि किसी भी विकास व्यवस्था की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि समाज के सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति के जीवन में कितना सुधार आया। इस दृष्टि से उनका चिंतन सामाजिक समावेशन और मानव-केंद्रित विकास की चर्चा में आज भी संदर्भित किया जाता है।

दीनदयाल उपाध्याय केवल राजनेता और संगठनकर्ता ही नहीं, लेखक और पत्रकार भी थे। उन्होंने लेखनी को सामाजिक जागरण का माध्यम बनाया। उन्होंने 'राष्ट्रधर्म', 'पाञ्चजन्य' और 'स्वदेश' जैसे प्रकाशनों के माध्यम से राष्ट्र, समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति से जुड़े विषयों पर लिखा। उनके लेखन में सरल भाषा के साथ वैचारिक स्पष्टता दिखाई देती थी। उनका 'पॉलिटिकल डायरी' स्तंभ भी चर्चित रहा। पत्रकारिता को लेकर वे तथ्यपरकता और जिम्मेदारी पर जोर देते थे। उपलब्ध सामग्री के अनुसार, वे समाचारों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत करने के विरुद्ध थे और पत्रकार की जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण मानते थे। उनका व्यक्तिगत जीवन अत्यंत सादा था। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन संगठन और सार्वजनिक कार्यों में लगाया। पद और प्रतिष्ठा के बावजूद उनका रहन-सहन सामान्य रहा। यही सादगी उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान बनी। उनके समर्थकों और सहयोगियों के संस्मरणों में उनके सहज व्यवहार, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के साथ निकट संबंधों का उल्लेख मिलता है। वे संगठन को केवल पदों और संरचनाओं से नहीं, समर्पित कार्यकर्ताओं के माध्यम से मजबूत करने में विश्वास रखते थे। दीनदयाल उपाध्याय का जीवन बहुत लंबा नहीं था। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय रेलवे स्टेशन के निकट एक रेलवे डिब्बे के पास उनका शव मिला। उनकी मृत्यु की परिस्थितियों ने लंबे समय तक प्रश्न खड़े किए और यह घटना भारतीय राजनीतिक इतिहास की चर्चित घटनाओं में शामिल रही। उस समय वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और उनके निधन से पार्टी को बड़ा झटका लगा। उनका राजनीतिक जीवन और दर्शन भारतीय राजनीति में लंबे समय तक चर्चा का विषय रहा है।

यूपीआईटीएस- एक योगी के तप की गाथा

वर्ष 2017 में सत्ता संभालने के बाद पीएम मोदी की प्रेरणा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के इस पारंपरिक ज्ञान और कौशल को पहचानते हुए 'ओडीओपी' योजना की शुरुआत की। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य राज्य के सभी 75 जिलों के पारंपरिक उत्पादों को चिह्नित कर उनका संरक्षण करना, उन्हें आधुनिक तकनीकों से लैस करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करना था।

(नम्रता नारायण)

बशीर बद्र साहब का एक मशहूर शेर है- ये फूल मुझे कोई विरासत में मिले हैं, तुम ने मेरा कांटों भरा बिस्तर नहीं देखा ! मेगा सिटी बनने की राह पर दौड़ते ग्रेटर नोएडा के विशालकाय एक्सपो सेंटर में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (यूपीआईटीएस) की चमक-दमक आपको भयावह अंधेरे से लड़ाई की कहानी नहीं बताएगी। वैश्विक प्रतिनिधियों से आंख मिलाते ओडीओपी स्टाल्स यहां तक पहुंचने का संघर्ष बयान नहीं करते। पूरे आत्मविश्वास के साथ एक्सपोर्ट ऑर्डर लेते हस्तशिल्पी व कारीगर आपको उन जख्मों के निशान नहीं दिखाएंगे, जो एक दशक पहले तक रिस रहे थे। लेकिन, हकीकत यही है। यूपी में मरणासन्न स्थिति में आ चुके एमएसएमई सेक्टर के पुनर्जीवित होकर करीब चार करोड़ लोगों की जीवन-रेखा बनने तक का सफर ऐसी तमाम अनकही कहानियों से भरा है। यह एक योगी के तप की गाथा है, जिसने हालात से समझौता करने के बजाय हालात बदलने का फैसला किया।

एमएसएमई बना आर्थिक क्रांति का केंद्र – एक समय देश में आर्थिक सुस्ती और औद्योगिक पिछड़ेपन की पहचान माने जाने वाले उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में विकास की एक नई और अभूतपूर्व कहानी लिखी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी दूरदर्शी सोच, नीतिगत स्पष्टता और कुशल नियोजन से राज्य की विशाल औद्योगिक क्षमता को एक तप की तरह धरातल पर उतारा है। इस आर्थिक क्रांति के केंद्र में रहा है प्रदेश का सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र, जिसे 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के जरिए न केवल नया जीवन मिला, बल्कि 'उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला' (यूपीआईटीएस) जैसे वैश्विक मंच के माध्यम से विश्व व्यापार के पटल पर प्रमुख 'ग्लोबल एक्सपोर्ट हब' के रूप में स्थापित भी किया गया।

ओडीओपी से मिली संजीवनी – उत्तर प्रदेश का प्रत्येक जिला अपनी किसी न किसी पारंपरिक कला, शिल्प या विशिष्ट उत्पाद के लिए ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध रहा है। मुरादाबाद का पीतल उद्योग, भदोही की कालीन, वाराणसी की बनारसी साड़ी, फिरोजाबाद का कांच उद्योग, कन्नौज का इत्र और अलीगढ़ के ताले जैसे उद्योग राज्य की औद्योगिक रीढ़ हुआ करते थे। लेकिन, एक दशक पहले तक बदहाल कानून-व्यवस्था, मार्केटिंग व वित्तीय संसाधनों का अभाव, पुरानी तकनीक और सरकारी प्रोत्साहन की कमी के कारण ये पारंपरिक उद्योग लगभग दम तोड़ चुके थे। स्थानीय हस्तशिल्पी, कारीगर और बुनकर आजीविका की तलाश में राज्य से पलायन करने के लिए मजबूर थे। वर्ष 2017 में सत्ता संभालने के बाद पीएम मोदी की प्रेरणा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के इस पारंपरिक ज्ञान और कौशल को पहचानते हुए 'ओडीओपी' योजना की शुरुआत की। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य राज्य के सभी 75 जिलों के पारंपरिक उत्पादों को चिह्नित कर उनका संरक्षण करना, उन्हें आधुनिक तकनीकों से लैस करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करना था।

योजना का बहुआयामी कार्यान्वयन – ओडीओपी योजना को केवल कागजों तक सीमित न रखकर इसे धरातल पर लागू करने के लिए राज्य सरकार ने एक बहुआयामी रणनीति बनाई। सबसे पहले वित्तीय सहायता और ऋण सुलभता पर ध्यान दिया गया। उद्यमियों और दस्तकारों को आसान शर्तों पर पूंजी उपलब्ध कराने के लिए मुद्रा योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना जैसी पहलों के साथ समन्वय स्थापित किया गया। इससे स्थानीय इकाइयों का विस्तार और आधुनिकीकरण संभव हुआ। अगले चरण में तकनीकी उन्नयन और गुणवत्ता सुधार पर फोकस रहा। पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक डिजाइन, गुणवत्ता नियंत्रण और नई पैकेजिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही जीआई टैगिंग के जरिए उत्पादों की प्रामाणिकता और अंतरराष्ट्रीय साख को मजबूत किया गया। तीसरे चरण में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के साथ रणनीतिक साझेदारी करके छोटे ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों को सीधे डिजिटल मार्केट-प्लेस से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता दी गई।

एमएसएमई सेक्टर का पुनरुद्धार और आर्थिक प्रभाव – ओडीओपी योजना के रणनीतिक क्रियान्वयन ने उत्तर प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र में नए प्राण फूंक दिए। राज्य में लाखों एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहन मिलने से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित हुए, जिससे युवाओं का पलायन रुका। एमएसएमई सेक्टर के इस कायाकल्प का सीधा असर प्रदेश के निर्यात आंकड़ों पर दिखाई देने लगा, जो आज दो लाख करोड़ के पार जा चुका है। राज्य के पारंपरिक उत्पाद जो कभी स्थानीय बाजारों तक सीमित थे, वे अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हुए विश्व के अलग-अलग देशों में निर्यात होने लगे। ओडीओपी ने उत्तर प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी' की ओर ले जाने वाले सबसे प्रमुख इंजन का रूप ले लिया।

यूपीआईटीएस बना वैश्विक शोकेस – स्थानीय स्तर पर उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के बाद, अगला बड़ा कदम इन उत्पादों को वैश्विक खरीदारों के सामने प्रस्तुत करना था। इसी सोच के साथ सीएम योगी ने 'उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला' की नींव रखी। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित यह व्यापार मेला महज एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि यूपी के आर्थिक रूपांतरण का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय मंच साबित हुआ है। यूपीआईटीएस ने दुनिया भर के आयातकों, निवेशकों और व्यापारिक प्रतिनिधियों को एक छत के नीचे ला खड़ा किया। इस मेले में विभिन्न देशों के सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय खरीदारों का पंजीकरण राज्य के उत्पादों में विश्व के गहरे विश्वास को दर्शाता है।

तुलहेड़ी के खेत में निकला विशाल अजगर, वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

मीरापुर। थाना मीरापुर क्षेत्र के ग्राम तुलहेड़ी में शनिवार सुबह खेत में विशाल अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। खेत में अजगर होने की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम तुलहेड़ी निवासी बिट्टू शनिवार सुबह पशुओं के लिए चारा लेने जंगल स्थित अपने खेत पर पहुंचा था। वह खेत में चारा काट रहा था। इसी दौरान उसे खेत के अंदर से हलचल और आवाज सुनाई दी। पास जाकर देखने पर वहां एक विशाल अजगर दिखाई दिया। अजगर को देखकर बिट्टू घबरा गया और उसने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी लताफत और रहीस मौके पर पहुंचे। अजगर को देखने के लिए आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में एकत्र हो गए। वन विभाग की टीम ने सावधानीपूर्वक अजगर को काबू में लेकर उसका सुरक्षित रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद वन विभाग की टीम अजगर को अपने साथ ले गई। बाद में उसे ग्राम सिकरेड़ा के खोला क्षेत्र स्थित जंगल में सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। अजगर के सुरक्षित रेस्क्यू के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

खतौली के अंबरपुर में भाजपा ने बांटे झंडे और कमल के प्रतीक चिन्ह: दो लाख झंडे पहुंचाने का लक्ष्य

मिशन-2027 की तैयारियों के तहत गुरु गोरखनाथ सेना के नेतृत्व में चला जनसंपर्क अभियान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। विधानसभा खतौली क्षेत्र के गांव अंबरपुर में मिशन-2027 को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने की मुहिम तेज कर दी गई है। गुरु गोरखनाथ सेना के तत्वावधान में गांव में घर-घर जाकर भाजपा के झंडे और कमल के प्रतीक चिन्ह वितरित करने का एक बृहद जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस पूरे जनसंपर्क अभियान का नेतृत्व गुरु गोरखनाथ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अश्वनी उपाध्याय ने किया।

विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख झंडे पहुंचाने का लक्ष्य

भाजपा के इस अभियान के दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गांव अंबरपुर के एक-एक घर तक पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया और उन्हें भाजपा के झंडे व कमल के प्रतीक चिन्ह सौंपे। संगठन की ओर से जानकारी दी गई कि मिशन-2027 के तहत पूरी खतौली विधानसभा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से कुल 2 लाख भाजपा के झंडे घर-घर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अन्य गांवों में भी चरणबद्ध तरीके से चलेगा अभियान

अभियान को संबोधित करते हुए डॉ. अश्वनी उपाध्याय ने कहा कि संगठन की ओर से खतौली विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क और सामाजिक गतिविधियों का यह दौर निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि अंबरपुर के बाद आने वाले दिनों में खतौली के अन्य सभी गांवों में भी चरणबद्ध तरीके से इसी प्रकार झंडा वितरण व जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में गुरु गोरखनाथ सेना के अंबरपुर ग्रामीण अध्यक्ष मनीष त्यागी, महामंत्री सोनू त्यागी सहित अन्य कार्यकताओं ने सक्रिय योगदान दिया। कार्यकताओं ने ग्रामीणों को संगठन की आगामी रणनीतियों और सरकारी योजनाओं से भी अवगत कराया।

डायट में शिक्षकों ने कला, क्राफ्ट और पपेट्री से दिखाई शैक्षणिक प्रतिभा

सप्तम जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में शिक्षकों ने बनाए आकर्षक शैक्षणिक मॉडल, रचनात्मक तरीकों से बच्चों की पढ़ाई को रोचक बनाने पर जोर

मुजफ्फरनगर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में शनिवार को प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिए सप्तम जनपद स्तरीय कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शिक्षकों ने कला, क्राफ्ट और कठपुतली के माध्यम से विभिन्न विषयों को सरल, रोचक और प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए अपने शैक्षणिक नवाचार प्रस्तुत किए। शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए मॉडल और प्रस्तुतियों में रचनात्मकता के साथ-साथ बच्चों की सीखने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए नए प्रयोग देखने को मिले।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेशानुसार आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ डायट प्राचार्य हरिकेश यादव, प्रो. अरविंद राणा, गणित प्रवक्ता विकास अग्रवाल और सहायक आचार्य आसना गुप्ता ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। इसके बाद प्रतियोगिता की विभिन्न गतिविधियां शुरू हुईं।

कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपने-अपने विषयों से संबंधित शैक्षणिक सामग्री और मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉडलों का उद्देश्य कठिन विषयों और अवधारणाओं को बच्चों के लिए आसानी से समझने योग्य बनाना रहा। कला एवं क्राफ्ट के साथ पपेट्री का प्रयोग कर शिक्षण को संवादात्मक और आनंददायक बनाने के प्रयास भी प्रस्तुतियों में दिखाई दिए।

रचनात्मक विधाओं से शिक्षा को रोचक बनाने पर जोर

कार्यक्रम संयोजक डॉ. पंकज वशिष्ठ ने शिक्षकों के शैक्षणिक नवाचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कला, क्राफ्ट और पपेट्री जैसी रचनात्मक विधाएं बच्चों के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके माध्यम से प्राथमिक शिक्षा को अधिक रोचक और आनंददायक बनाया जा सकता है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे शिक्षण प्रक्रिया को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए बच्चों के लिए सृजन, प्रयोग और अन्वेषण का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि जब बच्चों को किसी विषय को समझाने के लिए दृश्य सामग्री, मॉडल, गतिविधि या पपेट्री का सहारा मिलता है तो उनकी विषय के प्रति रुचि बढ़ती है और सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनती है। शिक्षकों ने प्रस्तुत किए

अलग-अलग विषयों के शैक्षणिक मॉडल

प्रतियोगिता में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों ने भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान समेत विभिन्न विषयों से जुड़े शैक्षणिक मॉडल और नवाचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से यह प्रदर्शित किया कि सीमित संसाधनों का उपयोग करते हुए भी कक्षा शिक्षण को प्रभावी और बच्चों की रुचि के अनुरूप बनाया जा सकता है। प्रतियोगिता के मूल्यांकन के लिए गठित निर्णायक मंडल में प्रो. अरविंद राणा, विकास अग्रवाल और आसना गुप्ता शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों, उनकी उपयोगिता, रचनात्मकता और शिक्षण में संभावित प्रभाव का बारीकी से अवलोकन किया।

इन शिक्षकों ने हासिल किए स्थान

प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में शिक्षकों ने बेहतर प्रदर्शन किया। विजेताओं का विवरण इस प्रकार रहा–प्राथमिक स्तर–भाषाः प्रीति चौहान, बुढ़ाना तथा दीपाली कोकरा, शामली, प्राथमिक स्तर–गणितः मित्र सेन, मोरना तथा विनय कुमार, भाल/थानाभवन, उच्च प्राथमिक स्तर–गणितः अमरेश पांडे, चरथावल तथा विपिन कुमार, थानाभवन, उच्च प्राथमिक स्तर–विज्ञानः शैली, नगर क्षेत्र तथा निशु चिकारा, शामली, उच्च प्राथमिक स्तर–सामाजिक विज्ञानः अनुज कुमार, मोरना तथा शालू कुमार, कांधला।

डायट टीम का रहा विशेष योगदान

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में डायट प्रवक्ता डॉ. विकिन, अंजली सिंह, श्रीपाल और शिव प्रसाद के साथ डायट प्रशिक्षु भूमि देशवाल एवं रुचि शर्मा का विशेष योगदान रहा। आयोजन के दौरान शिक्षकों और प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता ने शिक्षकों को अपने शैक्षणिक नवाचार साझा करने और एक-दूसरे से नए शिक्षण तरीकों को सीखने का अवसर भी प्रदान किया।

यमुना में डूबे छात्र विमल की तलाश, जुनेद ने चचेरे भाई विवेक को बचाया

ऑक्सीजन खत्म होने से सर्च अभियान रुका, यमुना किनारे बिलखते रहे परिजन

शामली। कैराना में परिवार के साथ यमुना नदी में स्नान करने पहुंचे 11वीं कक्षा के छात्र विमल और उसके नौ वर्षीय चचेरे भाई विवेक के गहरे पानी में डूबने से हड़कंप मच गया। दोनों को डूबता देख हरियाणा के गांव रामड़ा आर निवासी जुनेद पुत्र जब्बार ने नदी में उतरकर विवेक को सकुशल बचा लिया, जबकि विमल का कोई सुराग नहीं लग सका। निजी गोताखोरों ने उसकी तलाश में सर्च अभियान चलाया, लेकिन सिलेंडर में ऑक्सीजन खत्म होने के कारण अभियान बीच में रोकना पड़ा।

दरअसल मूल रूप से ग्राम मंसापुरा, थाना अलीगंज, जनपद बरेली निवासी परिवार वर्तमान में तहसील कैंप, पानीपत में रहता है। परिवार के सदस्य भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के अवसर पर यमुना में स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान विमल पुत्र नरदेव और विवेक पुत्र अरविंद हरियाणा

की ओर स्नान करते हुए गहरे पानी में चले गए।

दोनों को डूबता देखकर किनारे मौजूद जुनेद ने तत्काल नदी में छलांग लगाई और विवेक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। विमल गहरे पानी में लापता हो गया। इसके बाद यमुना घाट पर तैनात निजी गोताखोर साजिद और उनकी टीम ने उसकी तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिली। इसी बीच गोताखोरों के सिलेंडर में ऑक्सीजन समाप्त होने पर सर्च अभियान रोक दिया गया। ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए टीम पानीपत रवाना हुई।

सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार, यमुना ब्रिज चौकी प्रभारी अखिलेश कुमार, कांस्टेबल रामकुमार सहित पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

विमल 11वीं कक्षा का छात्र है। उसके पिता नरदेव पानीपत में रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। पिता नरदेव, माता सरवेस, बहन अंशु और भाई अरुण यमुना किनारे विमल की सकुशल बरामदगी की आस लगाए बैठे रहे। वहीं विवेक के पिता अरविंद, माता सीला और भाई अनमोल व आयुष भी मौके पर मौजूद रहे। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सुपोषण माह के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरनगर। सुपोषण माह के अंतर्गत वार्ड नंबर 30, गांधीनगर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम आंगनबाड़ी कार्यकत्री मीनाक्षी गुप्ता के केंद्र पर आंगनबाड़ी संगठन की जिला अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति की देखरेख में संपन्न हुआ। सरकार द्वारा संचालित सुपोषण एवं महिला कल्याण योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को फल, सब्जियां एवं श्रृंगार सामग्री सहित विभिन्न आवश्यक वस्तुओं से सुसज्जित किट भेंट की गई। कार्यक्रम में चेतक संगठन के संस्थापक एवं जनपद

मुजफ्फरनगर के लोकपाल नीरज शर्मा, वार्ड नंबर 30 के सभासद नवनीत गुप्ता, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश संगठन मंत्री अमित कुमार गौतम तथा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सदर विधानसभा के भावी प्रत्याशी अमन बंसल प्रमुख रूप से शामिल हुए।

आंगनबाड़ी संगठन की जिला अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने बताया कि सरकार द्वारा महिलाओं का मान-सम्मान बढ़ाने, उनका उत्साहवर्धन करने तथा उन्हें स्वस्थ एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और संगिनियों द्वारा गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां पूरी मेहनत और लगन के साथ सरकार की योजनाओं को पात्र महिलाओं तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभ मिल रहे हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर वार्ड नंबर 30 के सभासद नवनीत गुप्ता, चेतक संगठन के संस्थापक एवं लोकपाल नीरज शर्मा सहित उपस्थित समाजसेवियों ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं संगिनियों के प्रयासों की सराहना की तथा योजना का लाभ ले रही गर्भवती महिलाओं को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर खुलाशा न्यूज समाचार पत्र के संपादक धर्मेंद्र सिंह, समाजसेवी सरताज राणा, आंगनबाड़ी संगठन की जिला अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, आंगनबाड़ी कार्यकत्री मीनाक्षी गुप्ता, संगिनी दीपा रानी, संध्या रानी, सीमा गोयल, सुशीला देवी सहित अन्य आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, संगिनियां एवं योजना का लाभ ले रही गर्भवती महिलाएं उपस्थित रहीं।

श्रीमद्भागवत कथा सुनने से हट जाते हैं सब कष्ट-राज दास जी महाराज

प्रणामी आश्रम डेरा यारपुर पर आठ दिन से चल रही भव्य भागवत कथा का हुआ समापन

थानाभवन। थानाभवन के निकट बड़ी नहर के पुल के पास डेरा यारपुर के श्री कृष्ण प्रणामी आश्रम में आठ दिनो से भव्य भागवत कथा का आयोजन हो रहा था जिसमें प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में महिलाएं और पुरुष कथा का आनंद लेते थे कथावाचक राज दास जी महाराज जो हिसार में स्थित कैमरी आश्रम के महंत हैं उनके श्रीमुख से सभी ने भागवत कथा का प्रसाद ग्रहण किया आज आठवें दिन कथा का समापन हुआ। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा के प्रतिनिधि के रूप में उनके सुपुत्र हृदय राणा ने आश्रम में पहुंचकर राज दास जी महाराज वह प्रणामी आश्रम डेरा यारपुर के महंत श्याम दास जी महाराज का

शाल ओढ़ाकर सम्मान कर कथा का श्रवण किया कथा समापन के उपरांत महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त कर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पंडित पवन गौतम, संघ चेयरमैन महेश गोयल, मंडल मंत्री विक्रम सिंह, श्याम दास जी महाराज, राजू ठेकेदार, राजीव पाल, हरजीत चौधरी, महेंद्र ठेकेदार, भूपेंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

मीरापुर थाने में लगा समाधान दिवस, शिकायतकताओं को मिला त्वरित समाधान का भरोसा

मीरापुर। शनिवार को मीरापुर थाने में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें नायब तहसीलदार अजय कुमार की अध्यक्षता में अधिकारियों ने ग्रामीणों और कस्बावासियों की समस्याएं सुनीं। समाधान दिवस में जमीन से सम्बंधित एक दर्जन शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमे से अधिकारियों ने दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। अन्य शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नायब तहसीलदार अजय कुमार ने कहा कि शासन की मंशा है कि आम लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए तहसील और थाने के चक्कर न लगाने पड़ें। समाधान दिवस के माध्यम से लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह ने लेखपालों को निर्देश दिए कि जमीन से जुड़े विवादों का निष्पक्षता के साथ निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व

संबंधी मामलों में दोनों पक्षों की बात सुनकर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि विवाद बढ़ने की स्थिति न बने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था कायम रहे। समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों ने शिकायतों से संबंधित अभिलेखों की जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए भी निर्देशित किया। इस अवसर पर एसएसआई महेंद्र गौतम, कानूनगो संजीव शर्मा, लेखपाल ओमवीर सिंह सहित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

गोल मार्केट व्यापार संघ की नई कार्यकारिणी का गठन

मुजफ्फरनगर। गोल मार्केट व्यापार संघ, मुजफ्फरनगर की महत्वपूर्ण बैठक 25 सितंबर को ग्रीन एप्पल रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों की मौजूदगी के बीच चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

चुनाव प्रक्रिया के मुख्य चुनाव अधिकारी चंद्र मोहन हरबंस ट्रेलर रहे, जबकि कार्यक्रम का संचालन संजीव संगम प्रजापति ने किया। नई कार्यकारिणी में स्वर्गीय राम मूर्ति को संस्थापक, महेन्द्र नाथ, राजेन्द्र अरोड़ा, सादिक भारती एवं प्रवीण जैन को संरक्षक बनाया गया। हर्ष गुलाटी को अध्यक्ष, आकाश संगम को उपाध्यक्ष, मनीष अरोड़ा को सचिव, भारत अरोड़ा एवं अनुज गोयल को सह-सचिव तथा नवदीप

कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम में मोहित नागपाल, मनीष अरोड़ा, राजकुमार संगम, अमित अरोड़ा, विजय धमीजा, मुकेश जैन, आबिद अली, विक्रांत संगम, हनी, कनिक पुनियानी, प्रांजल धमीजा, किरणपाल, अजय मदन, गोपाल गर्ग, ब्रह्म प्रकाश शर्मा, हयात राणा एवं हंसराज सैनी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने व्यापारियों के हितों की रक्षा, आपसी सहयोग बढ़ाने, संगठन को मजबूत करने तथा गोल मार्केट के व्यापारियों की समस्याओं का प्रभावी ढंग से समाधान कराने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

उपस्थित व्यापारियों ने नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि नई टीम व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाएगी।

रंग संसार

'मौन व्रत' के बाद लता मंगेशकर ने गाया था 'दिल जलाने वाला' आइकॉनिक गाना, 64 साल से अमर है गीत

नई दिल्ली। लता मंगेशकर को 'सुरों की रानी', 'स्वर कोकिला' और 'स्वर साम्राज्ञी' कहकर बुलाया जाता है। उनकी आवाज में ऐसा जादू था जिसे सुनते ही हर कोई खो जाता। एक बार सिंगर और संगीतकार हेमंत कुमार ने कहा था कि जब लता मंगेशकर गाती हैं तो लगता है कि कोई महिला संत एक भक्ति गीत गा रही हो। ऐसा कौन सा संगीतकार होगा जो लता मंगेशकर के साथ काम न करना चाहे, या ऐसा कौन सा म्यूजिक लवर होगा जो उनकी आवाज को पसंद न करे। उन्होंने 1942 में फिल्म 'किति हसाल' में गाना गाकर अपना करियर शुरू किया था और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी गायिकी देशभर में छा गई थी। इसके बाद सिंगिंग की दुनिया में सिर्फ लता मंगेशकर के ही चर्चे होने लगे थे। मगर 60 का दशक लता मंगेशकर के लिए खास अच्छा नहीं रहा। वोकल कॉर्ड्स (गले की नसों) में कुछ समस्या होने पर वह गा नहीं पा रही थीं। फिर मशहूर शास्त्रीय गायक उस्ताद आमिर खान की सलाह पर उन्होंने कुछ समय के लिए गायिकी से ब्रेक लिया था। लता मंगेशकर महीनों तक ब्रेक पर रहीं। उन्होंने मौन व्रत रखा था। इस बात का खुलासा 2010 में इंदौर में एक कार्यक्रम का संचालन करने वाले संजय पटेल ने किया था। उन्होंने बताया था लता के छोटे भाई और संगीतकार-गायक हृदयनाथ मंगेशकर ने इसका जिक्र किया था। संजय पटेल ने हृदयनाथ मंगेशकर के हवाले से बताया था कि उस समय अपने करियर के पीक पर होने के बावजूद उन्होंने उस्ताद की सलाह मानी। उस वक्त ऐसी भी चर्चा होने लगी थी कि लता मंगेशकर गायिकी से किनारा करने वाली हैं। तब हेमंत कुमार ने लता मंगेशकर का मौन व्रत तुड़वाया था। हेमंत को फिल्म 'बीस साल बाद' के लिए लता की आवाज चाहिए थी। उन्होंने स्वर कोकिला को मनाया और उनसे 'कहीं दीप जले, कहीं दिल...' गाना गवाया और यह इतना सुपरहिट हुआ

राज काज

दीवाली से पहले कर्मचारियों के बोनस में 50% से ज्यादा की कटौती, टीसीएल ने दिया झटका! संगठनों

नई दिल्ली सरकार द्वारा शनिवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, वर्ष 2025 में देश में घरेलू पर्यटक यात्राओं की संख्या बढ़कर 428.55 करोड़ पहुंच गई, जबकि विदेशी पर्यटक यात्राएं बढ़कर 2.53 करोड़ हो गईं। इसी अवधि में पर्यटन क्षेत्र से होने वाली विदेशी मुद्रा आय बढ़कर 2,76,831 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। फैक्टशीट के अनुसार, 2023-24 में पर्यटन क्षेत्र का भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस क्षेत्र ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 5.22 प्रतिशत का योगदान दिया और 8.46 करोड़ रोजगारों का समर्थन किया। इससे स्पष्ट है कि पर्यटन केवल यात्रा और आतिथ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। विश्व पर्यटन दिवस 2026 से पहले जारी इस फैक्टशीट में कहा गया है कि भारत डिजिटल पर्यटन इकोसिस्टम को मजबूत करने पर लगातार काम कर रहा है। ई-वीजा सुविधा, इन्क्रेडिबल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म और निधि+ जैसी पहलें पर्यटन क्षेत्र को अधिक आधुनिक और सुगम बना रही हैं। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर्यटकों को अधिक व्यक्तिगत और सहज यात्रा अनुभव प्रदान करने में मदद कर रहा है। फैक्टशीट के अनुसार, डिजिटल नवाचार के साथ-साथ स्वदेश दर्शन 2.0, प्रसाद, क्रूज पर्यटन और पर्यटन कौशल विकास कार्यक्रम जैसे प्रयास भी नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने, यात्रियों के अनुभवों को बेहतर बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी पर्यटन क्षेत्र का महत्व लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2024 में यात्रा और पर्यटन उद्योग का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान 10.9 ट्रिलियन डॉलर रहा, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 10 प्रतिशत है। इसी क्षेत्र ने दुनिया भर में 35.7 करोड़ रोजगारों का समर्थन किया और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के खर्च के रूप में 1.9 ट्रिलियन डॉलर की आय उत्पन्न की। भारत में पर्यटन क्षेत्र के आर्थिक योगदान का आकलन टूरिज्म सैटेलाइट अकाउंट (टीएसए) के माध्यम से किया जाता है। यह एक आधिकारिक लेखांकन ढांचा है,

दैनिक राशिफल रविवार 27 सितम्बर 2026

मेष – अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृष – महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें।

कर्क – सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें।

सिंह– अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढड़्ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढड़्ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा।

कन्या – कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है।

तुला – पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं।

वृश्चिक – दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी।

धनु – संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

मकर – मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी।

कुंभ – स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

मीन – सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

दैनिक पंचांग

27 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

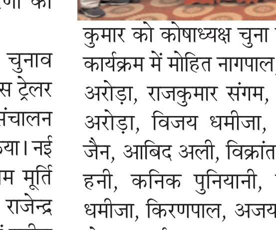

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.23 बजे से
चंद्र	मीन में	वृश्चिक	09.37 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.53 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.58 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.45 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.18 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.48 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.28 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.26 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कर्क	00.40 बजे से
		सिंह	02.56 बजे से
		कन्या	05.08 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 270 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 20.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 11.08 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 11.17 बजे को समाप्त। **करण** बालव 09.43 बजे तदनन्तर कौलव 20.59 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 01° 33' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872845 **जूलियन दिन** 2461310.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 15 **विशेष** पितृपक्ष प्रारंभ, विश्व पर्यटन दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम उमेश मिश्रा सख्त, अनफिट वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश

स्कूलों में अनफिट वाहनों के संचालन पर रोक के लिए नोटिस जारी होंगे, नए ब्लैक स्पॉट तत्काल सुधारे जाएंगे; गन्ना सीजन से पहले ओवरलोडिंग रोकने और ई-रिक्शाओं की फिटनेस जांच के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिला सड़क सुरक्षा समिति की सितंबर माह की बैठक शनिवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जूम एप के माध्यम से आयोजित हुई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने और अनफिट वाहनों के संचालन पर प्रभावी अंकुश लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े निदेर्शों का गंभीरता से पालन कराने और लापरवाही की स्थिति में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

प्रवर्तन कार्रवाई प्रभावी बनाने के निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग के अधिकारियों से प्रवर्तन की कार्रवाई को और प्रभावी ढंग से संचालित करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों और चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रखी जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

स्कूलों में अनफिट वाहनों पर लगेगी रोक

जिलाधिकारी ने स्कूलों में बच्चों के आवागमन के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहनों की फिटनेस को लेकर विशेष निर्देश दिए। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि अनफिट वाहनों का प्रयोग स्कूलों में किसी भी स्थिति में न होने दिया जाए। इस संबंध में सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी करने के निर्देश बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को दिए गए। स्कूल प्रबंधन को वाहनों की फिटनेस और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

नए ब्लैक स्पॉट का होगा चिन्हांकन

बैठक में जिले के ब्लैक स्पॉट की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पहले से चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर कराए गए सुधारात्मक कार्यों की जानकारी ली।

साथ ही वर्ष 2026 में सामने आए नए ब्लैक स्पॉट का तत्काल चिन्हांकन कर वहां अल्पकालीन सुधारात्मक कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएआई और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित सड़क दुर्घटनाओं वाले स्थानों की पहचान कर आवश्यक सुधार कार्य जल्द कराए जाएं। वर्ष 2026 में सृजित नए ब्लैक स्पॉट के सुधारीकरण का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने एनएचएआई से संबंधित मार्गों पर सड़क किनारे खड़े पेड़ों की कटाई-छंटाई कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर वाहन चालकों को पर्याप्त दृश्यता मिलनी चाहिए और पेड़ों की शाखाओं के कारण यातायात में किसी प्रकार की बाधा या दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। एनएचएआई अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। आगामी गन्ना पेराई सीजन को देखते हुए जिलाधिकारी ने पहले से ही सड़क सुरक्षा के इंतजाम मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला गन्ना विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गन्ना मिल स्वामियों के साथ गन्ना सीजन शुरू होने से पहले बैठक आयोजित की जाए। बैठक में मिल प्रबंधन को अनफिट वाहनों का इस्तेमाल नहीं करने और गन्ने की ढुलाई करने वाले वाहनों में ओवरलोडिंग नहीं करने के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि गन्ना सीजन के दौरान भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ने के कारण सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता जरूरी है।

शहर में ई-रिक्शाओं की लगातार होगी फिटनेस जांच

शहर में संचालित ई-रिक्शाओं को लेकर भी जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को शहर में चल रही सभी ई-रिक्शाओं की निरंतर फिटनेस जांच और चालकों के लाइसेंस की जांच करने को कहा। इसके अलावा बिना अनुमति अथवा नियमों के विपरीत चल रही ई-रिक्शाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि सड़क पर केवल नियमानुसार संचालित और आवश्यक मानकों को पूरा करने वाले वाहन ही चलें।

खतौली में सचल ग्राम न्यायालय लगा, सात मामलों का मौके पर ही निपटारा, सुलह-समझौते के आधार पर मामलों का हुआ निस्तारण

खतौली। खतौली नगर पालिका परिषद के सभा कक्ष में शनिवार, 26 सितंबर को सचल ग्राम न्यायालय का आयोजन किया गया। न्यायालय की कार्यवाही का उद्देश्य छोटे एवं सुलह-समझौते योग्य मामलों का स्थानीय स्तर पर त्वरित निस्तारण कर संबंधित पक्षों को राहत पहुंचाना रहा। सचल ग्राम न्यायालय में सुनवाई के दौरान कुल सात मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पीठासीन अधिकारी एवं न्यायाधिकारी दिव्य प्रताप सिंह निमेश ने की। न्यायालय की कार्यवाही शुरू होने से पहले उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद चयनित मामलों की सुनवाई शुरू की गई।

सात मामलों में हुआ समझौता, पक्षकारों को मिली तत्काल राहत

सचल ग्राम न्यायालय में सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण के लिए चयनित सात मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया। न्यायालय में दोनों पक्षों की बात सुनने और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी सात मामलों का मौके पर ही

निस्तारण कर दिया गया। मामलों के निस्तारण से संबंधित पक्षकारों को तत्काल राहत मिली और उन्हें लंबे समय तक न्यायालय की प्रक्रिया में रहने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

आम लोगों तक न्याय पहुंचाना उद्देश्य : न्यायाधिकारी<पीठासीन अधिकारी

न्यायाधिकारी दिव्य प्रताप सिंह निमेश ने कहा कि सचल ग्राम न्यायालय की व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य न्याय को आम लोगों के करीब पहुंचाना है। छोटे मामलों को स्थानीय स्तर पर सुलह-समझौते के माध्यम से शीघ्र निस्तारित किए जाने से पक्षकारों का समय और अनावश्यक परेशानी दोनों बचती हैं। उन्होंने कहा कि सरल और सुलभ न्याय व्यवस्था के माध्यम से लोगों को त्वरित राहत उपलब्ध कराना इस व्यवस्था की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

वकीलों और वादकारियों ने लिया हिस्सा

सचल ग्राम न्यायालय की कार्यवाही के दौरान अधिवक्ताओं के साथ विभिन्न मामलों से जुड़े पक्षकार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में दिमाग सिंह, सत सिंह, अनुज तोमर समेत कई अधिवक्ता एवं वादकारी उपस्थित रहे। न्यायाधिकारी ने निस्तारित मामलों से जुड़े पक्षकारों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सचल ग्राम न्यायालय के आयोजन से स्थानीय स्तर पर न्यायिक प्रक्रिया को सुगम बनाने और छोटे मामलों के शीघ्र समाधान की दिशा में पहल को बल मिला। मौके पर मामलों के निस्तारण से पक्षकारों में भी राहत का माहौल रहा।

बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचीं एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

साफ-सफाई से लेकर भोजन, स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से जांच; किशोरों से संवाद कर जानी समस्याएं, अधिकारियों को सुविधाओं और अनुशासन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों की व्यवस्थाओं और सुविधाओं को लेकर शनिवार को पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने प्रशासनिक अधिकारीगण के साथ बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था के साथ किशोरों को उपलब्ध कराई जा रही अन्य मूलभूत सुविधाओं को परखा गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

शनिवार को किए गए निरीक्षण के दौरान एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ ने बाल संप्रेक्षण गृह के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां साफ-सफाई की स्थिति, किशोरों के रहने की व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों के बारे में जानकारी ली। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी प्राप्त करते हुए जहां आवश्यक सुधार की जरूरत महसूस हुई, वहां जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए।

किशोरों से सीधे किया संवाद

निरीक्षण के दौरान एसपी क्राइम ने बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों से भी बातचीत की। उन्होंने किशोरों से उनकी दिनचर्या, उपलब्ध सुविधाओं और किसी तरह की समस्या या आवश्यकता के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने किशोरों की बातों को गंभीरता से सुना और उनकी आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश संबंधित कर्मचारियों को दिए। बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए भोजन और चिकित्सा सुविधाओं की भी जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यह

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किशोरों को नियमानुसार पर्याप्त एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जरूरत पर समय से ध्यान देने के लिए भी निर्देशित किया गया। एसपी क्राइम ने बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। परिसर में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संप्रेक्षण गृह में सुरक्षा के साथ-साथ ऐसा वातावरण बनाए रखा जाए, जिसमें किशोर स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें और सकारात्मक माहौल में रह सकें। निरीक्षण के दौरान बाल संप्रेक्षण गृह में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने तथा किशोरों के रहने वाले स्थानों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

साथ ही अनुशासन व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाए। उन्हें नियमानुसार सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर समय से समाधान कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने को भी कहा। पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने कहा कि बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

मुजफ्फरनगर में भाजपा के नए कैंप कार्यालय का उद्घाटन: कार्यकताओं में दिखा भारी उत्साह, आमजन से संवाद को मिलेगी रफ्तार

रेलवे रोड पर जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने काटा फीता

मुजफ्फरनगर। आगामी संगठनात्मक एवं राजनीतिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर के रेलवे रोड स्थित साईंधाम मंदिर के समीप नई मंडी मंडल भाजपा के नए कैंप कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, नेताओं और स्थानीय कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

वैदिक पूजा-अर्चना के साथ हुआ शुभारंभ

कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चारण के बीच फीता काटकर नए कार्यालय का आधिकारिक

शुभारंभ किया। बारिश क बावजूद इस दौरान परिसर में पहुंचे नेताओं और कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और पार्टी के जयकारे लगाए।

आमजन की समस्याओं का आसानी से होगा समाधान

उद्घाटन समारोह जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने कहा कि इस नए कैंप कार्यालय के खुलने से क्षेत्र के आम लोगों को पार्टी पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से संपर्क करने में काफी सुगमता होगी। इससे जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण संभव हो सकेगा और साथ ही संगठन के जमीनी कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता रहे मौजूद

कैंप कार्यालय के भव्य उद्घाटन अवसर पर नई मंडी मंडल अध्यक्ष प्रवीण खेड़ा और वरिष्ठ नेता सुनील दर्शन सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता, पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संकल्प लिया कि इस कार्यालय के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य मुस्तैदी से किया जाएगा।

खतौली में भव्य रोजगार मेला: 11 अक्टूबर को 15 कंपनियां करेंगी चयन, 1000 युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य

'संकल्पित खतौली' की समाजसेवा के संकल्प के साथ युवाओं को रोजगार से जोड़ने की बड़ी पहल

खतौली (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खतौली में एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस में कार्यरत एवं खतौली निवासी कपिल नागर के निर्देशन में गठित 'संकल्पित खतौली' संस्था के तत्वावधान में आगामी 11 अक्टूबर को यह रोजगार मेला आयोजित होगा।

संस्था के संरक्षक और मुख्य मार्गदर्शक कपिल नागर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 11 अक्टूबर को कस्बे में जीटी रोड स्थित आर्यन बैंक्वेट हॉल में आयोजित होने वाले इस मेले में देश की करीब 15 नामचीन कंपनियों के प्रतिनिधि युवाओं का चयन करने पहुंचेंगे। आयोजकों ने इस मेले के

माध्यम से लगभग 1,000 योग्य युवक-युवतियों को सीधी नौकरी दिलाने का बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।

10वीं पास से लेकर डिप्लोमा धारक युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

रोजगार मेले में विभिन्न शैक्षणिक योग्यता वाले अभ्यर्थियों के लिए पद उपलब्ध रहेंगे। आयोजकों के अनुसार मेले में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट पास अभ्यर्थी, स्नातक एवं आईटीआई एवं विभिन्न डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। मेले के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया फिलहाल तेजी से जारी है। कंपनियों की आवश्यकता और अभ्यर्थियों की योग्यता के आधार पर मौके पर ही चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आयोजकों का प्रयास रहेगा कि चयनित युवाओं को शीघ्र अति शीघ्र नियुक्ति पत्र सौंपे जाएं।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही मुख्य उद्देश्य': कपिल नागर

संस्था के संरक्षक और मुख्य मार्गदर्शक कपिल नागर ने बताया कि इस रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के प्रतिभावान लेकिन बेरोजगार युवाओं को भटकने से बचाना और उन्हें एक ही छत के नीचे रोजगार के बेहतरीन अवसर मुहैया कराना है। उन्होंने कहा कि जब क्षेत्र का युवा आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनेगा, तभी समाज और देश की वास्तविक प्रगति संभव है। उन्होंने खतौली व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं से अपील की है कि वे समय रहते अपना पंजीकरण कराएं और 11 अक्टूबर को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

मोरना में योगी को पीएम बनाने के खड़ी तपस्या: दरियाबाद के संदीप भगत लिए 21 दिन की साधना में लीन

यूजीसी बिल वापसी और गोमाता को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग, पहले मोदी को पीएम बनाने और राम मंदिर के लिए भी कर चुके हैं तपस्या

मोरना (मुजफ्फरनगर)। मुजफ्फरनगर जनपद के मोरना ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत गांव दरियाबाद में एक अनूठी और कठिन धार्मिक साधना का नजारा देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देश का अगला प्रधानमंत्री बनाने की कामना को लेकर गांव निवासी संदीप भगत ने 21 दिवसीय कठिन 'खड़ी तपस्या' शुरू की है। अखंड ज्योत प्रज्वलित कर शुरू की गई इस कठिन साधना के दौरान वह 21 दिनों तक लगातार खड़े रहकर तपस्या में लीन रहेंगे। इस तपस्या का मुख्य उद्देश्य योगी आदित्यनाथ के प्रधानमंत्री बनने के साथ-साथ देश में मंगल, सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना करना है। संदीप भगत ने बताया कि राजनीतिक और धार्मिक आस्था से जुड़ी कामनाओं को लेकर उनकी यह पहली तपस्या नहीं है। इससे पूर्व

वर्ष 2014 से पहले उन्होंने नरेंद्र मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने की कामना को लेकर भी खड़ी तपस्या की थी। इसके अलावा भव्य राम मंदिर निर्माण का संकल्प पूरा होने की कामना को लेकर भी वह पूर्व में कठिन साधना कर चुके हैं। अब उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शीर्ष पद पर देखने और जनकल्याण के लिए 21 दिन की अनवरत खड़ी तपस्या का संकल्प लिया है। योगी आदित्यनाथ के प्रधानमंत्री बनने की कामना के साथ ही संदीप भगत ने अपनी इस 21 दिवसीय साधना के माध्यम से केंद्र सरकार के समक्ष तीन प्रमुख सामाजिक व धार्मिक मांगें भी उठाई हैं। इनमें शिक्षा व्यवस्था में बदलाव करते समय विद्यार्थियों, शिक्षकों और विश्वविद्यालयों के मूल हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए। उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता और शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित न हो, इसी सोच के साथ वे प्रस्तावित यूजीसी व्यवस्था का विरोध करते हुए इसे वापस लेने या इस पर पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं। वहीं भारतीय समाज में गोमाता के प्रति गहरी धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था रही है। गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए, इसी क्रम में वे गोमाता को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने की मांग केंद्र के समक्ष रख रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से प्रसिद्ध तीर्थस्थल शुक्रताल (शुकतीर्थ) में गंगा की मुख्य धारा लाने की पुरजोर मांग उठाई गई है। उनका कहना है कि शुकतीर्थ में गंगा की धारा प्रवाहित होने से क्षेत्र का धार्मिक महत्व और बढ़ेगा तथा श्रद्धालुओं को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। संदीप भगत ने बताया कि 21 दिनों तक चलने वाले इस संकल्प के दौरान अखंड ज्योत निरंतर प्रज्वलित रहेगी। इस कठिन साधना को देखने और अपना समर्थन देने के लिए क्षेत्र के लोग लगातार मौके पर पहुंच रहे हैं। तपस्या के दौरान व्यवस्थाओं में सेवक रविंद्र भगत, सेठपाल प्रधान, छोटू, सुधीर, रोहित, डॉ. तेजवीर, निशांत, सुंदर, राहुल देव, शुभम, शिवा, शिवांश, निशु, रजनीकांत और अनुराग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में परसोली और फतेहपुर खेड़ी गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण: स्वस्थ मिले 235 स्वस्थ गोवंश

पशु चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर डॉ. श्याम सिंह ने किया दौरा, हरे चारे और पेयजल की समुचित व्यवस्था के निर्देश

मुजफ्फरनगर। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र गुप्ता के निदेर्शों के अनुपालन में शनिवारको पशुपालन विभाग की टीम ने क्षेत्र के गौ आश्रय स्थलों का औचक निरीक्षण किया। खरड़ के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम सिंह ने परसोली और फतेहपुर खेड़ी स्थित अस्थाई गौ आश्रय स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों ही स्थानों पर रखरखाव, खान-पान और सुरक्षा के इंतजाम संतोषजनक पाए गए।

संरक्षित मिले 235 गोवंश, सभी पाए गए पूरी तरह स्वस्थ

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम सिंह ने निरीक्षण के दौरान आश्रय स्थलों में मौजूद एक-एक गोवंश के स्वास्थ्य की जांच की। दोनों स्थानों पर सभी गोवंश पूरी तरह स्वस्थ और सामान्य स्थिति में पाए गए। विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार,

परसोली गौ आश्रय स्थल पर कुल 121 गोवंश संरक्षित मिले। वहीं फतेहपुर खेड़ी गौ आश्रय स्थल पर भी कुल 114 गोवंश संरक्षित पाए गए।

हरे चारे और स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था

निरीक्षण के दौरान गौशालाओं में गोवंश के आहार और पेयजल की व्यवस्थाओं को परखा गया। मौके पर सूखे भूसे के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उपलब्ध मिला। इसके अलावा गोवंश के पीने के लिए स्वच्छ पानी की समुचित व्यवस्था पाई गई। केयरटेकरों को दिए गए स्वच्छता और नियमित देखभाल के निर्देशनिरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद केयरटेकरों को संबोधित करते हुए डॉ. श्याम सिंह ने सख्त निर्देश दिए कि गोवंश की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि गोवंश को नियमित रूप से पोषाहार और हरा चारा उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही उन्होंने परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि संक्रामक बीमारियों से गोवंश को सुरक्षित रखा जा सके।

खतौली के मुशायरे में अदब का सैलाब: सुबह सादिक तक गूंजती रही शेर-ओ-शायरी, उम्दा कलाम पर खूब बजीं तालियां

ऑल इंडिया मुशायरे में उमड़ा अदब का सैलाब, देशभर से पहुंचे नामचीन शायरों ने बांधा समां

खतौली (मुजफ़्फ़रनगर)। नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में प्रसिद्ध मेला श्रावणी छड़ियांन के अवसर पर आयोजित भव्य ऑल इंडिया मुशायरा अदब और शायरी की एक बेहद यादगार महफिल बन गया। रात के पहले पहर से शुरू हुआ यह काव्यात्मक सफर सुबह सादिक (तड़के) तक अनवरत जारी रहा। देश के कोने-कोने से पहुंचे नामचीन शायरों और शायरात ने अपने चुनिंदा कलाम पेश कर सामईन (श्रोताओं) को रात भर बांधे रखा। हर उम्दा शेर और तरन्नुम पर दर्शकों की तालियों और वाह-वाह की गूंज से पूरा पंडाल सराबोर रहा। श्रावणी छड़ियांन मेले में मुशायरे का औपचारिक उद्घाटन नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू ने फीता काटकर किया, जबकि राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) नेता हाजी नौशाद मौनी ने शमा रोशन कर महफिल की शुरुआत की। वहीं मंच का कुशल एवं प्रभावी संचालन मशहूर शायर शकील आजमी ने अपने खास और लच्छेदार अंदाज में अंजाम दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने शिरकत की। मुशायरे का आगाज शायर खुर्शीद हैदर के रूहानी नातिया कलाम से हुआ, जिसके बाद शायरी का दौर शुरू हो गया। मुमताज नसीम अलीगढ़ ने इश्क और इंतजार के जज्बात को शब्द देते हुए पढ़ा-तुझे इसकी कोई खबर नहीं, ये मेरे सुकून की बात है, मेरी जिंदगी का सवाल है, तेरे एक फोन की बात है। हिमांशी बाबरा मेरठ ने सामाजिक सरोकार और जज्बात से जुड़े अपने कलाम से सामईन की यूं बटोरी खूब वाहवाही-गैर परों पर उड़ सकते हैं हद से हद दीवारों तक,अंबर पर तो वही उड़ेंगे जिनके अपने पर होंगे। वहीं उनके इस शेर पर भी खूब दाद मिली–

ह्लबात रुखसार की होती तो कोई बात न थी,आज तो रूह पे मारा है तमाचा तूने ।डॉ. नदीम साद ने अपने अंदाज में कहा–कम से कम मैंने छुपाई देखकर सिगरेट तुम्हें,और इस लड़के से तुमको कितनी इज्जत चाहिए। अल्ताफ जिया मालेगांव ने मोहब्बत और समर्पण को खूबसूरत अल्फाज में पिरोते हुए पढ़ा–मैं अपने ख्वाब क्या, आंखें भी दे दूं,अगर कोई संवारना चाहता है। आदिल रशीद दिल्ली ने मौजूदा सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों की तस्वीर पेश करते हुए कहा–रोटी की फिक्र ने इसे रिक्शा थमा दिया,भटका बहुत वो हाथों में डिग्री लिए हुए।

शकील आजमी के इस शेर पर भी सामईन ने जमकर दाद दी–वो अदालत से बच गया शकील,उसको उसके जमीर ने मारा।

वहीं बिलाल सहारनपुरी ने इंसानियत और सामाजिक रिश्तों को केंद्र में रखते हुए कहा–पहले हर आदमी इंसान हुआ करता था,बाद में हिंदू मुसलमान हुआ करता था ।ह्व

मुशायरे में हास्य-व्यंग्य के रंग ने भी खूब समां बांधा। एक शायर ने अपने अंदाज में कहा–वो था कि मेरी बीवी को लेकर हुआ फरार, मैं दोस्तों को शेर सुनाने में रह गया।

अदबी योगदान के लिए उस्ताद शायरों को 'एजाजी अवॉर्ड'

ऑल इंडिया मुशायरे के दौरान खतौली की समृद्ध अदबी विरासत को सम्मान देते हुए क्षेत्र के वरिष्ठ व उस्ताद शायरों और साहित्यकारों का अभिनंदन किया गया। उस्ताद शायर सैय्यद सईद अख्तर, डॉ. एहतेशामुल हक और वरिष्ठ साहित्यकार अजय जन्मेजय को 'एजाजी अवॉर्ड' से नवाजा गया। इस सम्मान समारोह ने मुशायरे की गरिमा में और इजाफा कर दिया।

मुशायरे में गणमान्य लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम के संयोजक सभासद असद खान शालू और नूर अहमद सोनू फरीदी ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया तथा सफल आयोजन के लिए सहयोगियों व श्रोताओं का धन्यवाद किया।

कुत्तों के झुंड ने नीलगाय के बच्चे को घेरा, दो भाइयों ने बचाई जान, अब वन विभाग का इंतजार

रात में नगवा से लौट रहे बुढ़ाना के दो भाईयों ने कुत्तों को भगाकर घायल बच्चे को बचाया, घर लाकर कर रहे देखभाल, वन विभाग को सूचना देने के बाद भी टीम के नहीं पहुंचने का आरोप

मुजफ्फरनगर। रात के अंधेरे में कुत्तों के झुंड से घिरे नीलगाय के एक बच्चे की चीख-पुकार सुनकर दो भाइयों ने अपनी राह रोक दी। सामने का दृश्य देखकर दोनों ने बिना देर किए कुत्तों को भगाया और गंभीर रूप से घायल नीलगाय के बच्चे को बचा लिया। मामला बुढ़ाना क्षेत्र का है, जहां डीएवी रोड निवासी लाला अंकित संगल और उनके भाई ने घायल वन्यजीव को अपने घर लाकर उसकी जान बचाने की कोशिश शुरू कर दी। अब नीलगाय का बच्चा उनके घर पर है और दोनों भाई उसकी देखभाल कर रहे हैं। बताया गया कि अंकित संगल और उनके भाई रात के समय नगवा गांव की ओर से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उन्होंने कुत्तों के एक झुंड को नीलगाय के बच्चे पर हमला करते देखा। कुत्ते लगातार उसे नोचने और काटने की कोशिश कर रहे थे। हमला इतना गंभीर था कि बच्चा बुरी तरह घायल हो चुका था और मौके पर उसकी हालत बेहद खराब थी।

रास्ते में नहीं छोड़ा, कुत्तों को भगाकर बचाया

घायल नीलगाय के बच्चे को देखकर दोनों भाइयों ने मौके से निकलने के बजाय उसकी मदद करने का फैसला किया। उन्होंने किसी तरह कुत्तों को वहां से भगाया और घायल बच्चे को सुरक्षित किया। हमले के कारण उसके शरीर पर गंभीर चोटें थीं। बच्चा इतनी बुरी तरह घायल था कि उसे दोबारा खुले में छोड़ना भी सुरक्षित नहीं था। इसके बाद अंकित और उनके भाई घायल नीलगाय के बच्चे को अपने साथ बुढ़ाना स्थित घर ले आए। घर पहुंचने के बाद उन्होंने उसकी हालत संभालने की कोशिश की और उसके लिए जरूरी देखभाल शुरू की।

डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे, वन विभाग को सूचना देने की सलाह

अंकित के मुताबिक, घायल नीलगाय के बच्चे की हालत को देखते हुए वे उसे डॉक्टर के पास भी लेकर गए। वहां से उन्हें वन विभाग को सूचना देने की सलाह दी गई, क्योंकि मामला वन्यजीव से जुड़ा था और उसके उपचार तथा आगे की देखभाल के लिए संबंधित विभाग की भूमिका जरूरी थी। इसके बाद अंकित की ओर से वन विभाग को सूचना दी गई और घायल नीलगाय के बच्चे के इलाज के लिए मदद मांगी गई। उनका कहना है कि विभाग को कई बार फोन के माध्यम से जानकारी दी गई, लेकिन काफी समय बीतने के बावजूद टीम मौके पर नहीं पहुंची।

घर में ही चल रही घायल वन्यजीव की देखभाल

फिलहाल नीलगाय का बच्चा अंकित संगल के घर पर ही है। दोनों भाई उसकी देखभाल कर रहे हैं और उसके ठीक होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। एक तरफ जहां परिवार की ओर से घायल वन्यजीव को बचाने के लिए किए गए प्रयास की सराहना हो रही है, वहीं दूसरी ओर वन विभाग की टीम के समय पर मौके पर नहीं पहुंचने के आरोप को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि घायल वन्यजीव मिलने की स्थिति में आम नागरिकों को उसकी मदद के लिए आगे आना चाहिए, लेकिन उपचार और सुरक्षित रेस्क्यू की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होती है। ऐसे में विभाग की टीम यदि समय पर पहुंचती तो घायल नीलगाय के बच्चे को विशेषज्ञ उपचार और उचित देखभाल मिल सकती थी। इस पूरे मामले में अंकित संगल और उनके भाई का प्रयास मानवीय संवेदना की मिसाल के रूप में सामने आया है। रात के समय घायल नीलगाय के बच्चे को कुत्तों के बीच देखकर उन्होंने जोखिम उठाया और उसे सुरक्षित अपने घर तक पहुंचाया।

आबकारी विभाग की शुक्रताल-खादर में भी दबिश

पीओएस मशीन से शत-प्रतिशत बिक्री और स्टॉक का किया भौतिक सत्यापन, निर्धारित कीमत से अधिक वसूली रोकने को कराई गोपनीय खरीद; संदिग्ध स्थानों और घरों की तलाशी

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आबकारी विभाग ने जिले में शराब की दुकानों की सघन जांच के साथ अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया। आबकारी निरीक्षकों की टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में संचालित मदिरा की दुकानों को चेक करते हुए बिक्री, स्टॉक और मूल्य निर्धारण की स्थिति परखी। वहीं जानसठ क्षेत्र के शुक्रताल और खादर इलाके में टीमों ने दबिश देकर संदिग्ध स्थानों और घरों की सघन तलाशी ली। अपर मुख्य सचिव एवं आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के निर्देशों के क्रम में चलाए गए अभियान के दौरान आबकारी निरीक्षकों ने शराब की दुकानों पर पीओएस मशीन के माध्यम से शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित कराई। टीमों ने दुकानों पर उपलब्ध शराब के स्टॉक का स्टॉक रजिस्टर से मिलान करते हुए भौतिक सत्यापन भी किया।

अधिकारियों ने दुकान संचालकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही शराब की बिक्री करने के निर्देश दिए। जांच के दौरान स्टॉक में किसी तरह की अनियमितता न हो, इस पर विशेष निगरानी रखी गई।

निर्धारित कीमत से अधिक वसूली की जांच को गोपनीय खरीद

शराब निर्धारित मूल्य पर ही बेची जा रही है या नहीं, इसकी जांच के लिए आबकारी विभाग की ओर से गोपनीय टेस्ट परचेस भी कराए गए। इसके माध्यम से यह परखा गया कि दुकानदार ग्राहकों से निर्धारित मूल्य से अधिक रकम तो नहीं वसूल रहे हैं। अभियान के दौरान दुकानों पर बिक्री व्यवस्था, स्टॉक और निर्धारित मूल्य से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित कराने पर जोर दिया गया। दुकानों की जांच के साथ आबकारी विभाग की टीम ने जानसठ क्षेत्र के शुक्रताल और खादर इलाकों में भी दबिश की कार्रवाई की। अवैध शराब की संभावित बिक्री और निर्माण को लेकर संदिग्ध स्थानों तथा घरों की सघनता से तलाशी ली गई। टीमों ने क्षेत्र में अवैध शराब से जुड़े संभावित ठिकानों पर निगरानी बढ़ाई और स्थानीय स्तर पर संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई।

मुखबिर तंत्र को किया सक्रिय

अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने अपने मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया है। अवैध मदिरा से संबंधित किसी भी सूचना को तत्काल विभाग तक पहुंचाने के लिए मुखबिरों को सचेत किया गया है। अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य शराब की वैध दुकानों पर नियमों के अनुरूप बिक्री सुनिश्चित कराने के साथ-साथ अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाना है। जिले में यह कार्रवाई आगे भी जारी रहने की बात कही गई है।

टॉप बोरर से गन्ना बचाने को किसानों ने मांगी रात की बिजली, सीएम तक पहुंची आवाज

कीट नियंत्रण के लिए खेतों में लगेंगे प्रकाश जाल, चो. राकेश टिकैत ने शाम छह से रात 12 बजे तक सिंगल फेज बिजली देने की उठाई मांग, मेरठ की तकनीकी रिपोर्ट का दिया हवाला

मुजफ्फरनगर। गन्ने के खेतों में टॉप बोरर के बढ़ते प्रकोप ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। अब इस कीट से फसल को बचाने के लिए खेतों में दवा के साथ प्रकाश आधारित तकनीक के इस्तेमाल की तैयारी पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए सबसे बड़ी जरूरत रात के समय बिजली की है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर शाम छह बजे से रात 12 बजे तक सिंगल फेज विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की मांग की है।

दिन में नहीं, रात में सक्रिय रहता है कीट

टॉप बोरर को रात्रिचर कीट बताया गया है। यही वजह है कि इसके नियंत्रण की रणनीति भी रात के समय सक्रिय रहने वाली तकनीक पर आधारित है। टिकैत ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में मेरठ के जिला कृषि रक्षा अधिकारी की तकनीकी आख्या का हवाला देते हुए बताया कि टॉप बोरर प्रकाश की ओर आकर्षित होता है। ऐसे में खेतों में प्रकाश जाल अथवा सौर प्रकाश जाल लगाए जाने से कीट नियंत्रण में सहायता मिल सकती है।

बिजली आपूर्ति बनी अहम कड़ी

प्रकाश जाल को खेतों में संचालित करने के लिए रात के समय विद्युत आपूर्ति जरूरी होगी। इसी को देखते हुए किसानों की ओर से शाम से आधी रात तक बिजली उपलब्ध कराने की मांग सामने आई है। टिकैत ने कहा है कि यदि इस अवधि में सिंगल फेज बिजली मिलती है तो किसान प्रकाश आधारित जाल का उपयोग कर फसल को कीट से बचाने के प्रयास कर सकते हैं।

मेरठ से उठा मुद्दा, अब पूरे प्रदेश की मांग

इस समस्या को लेकर एक सितंबर को मेरठ मंडल में हुई बैठक में भी चर्चा हुई थी। किसानों ने गन्ने की फसल को टॉप बोरर से बचाने के लिए शाम छह बजे से रात 12 बजे तक विद्युत आपूर्ति की

मांग रखी थी। इसके बाद मेरठ के जिलाधिकारी ने 16 सितंबर को पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजा था। इसमें जिला कृषि रक्षा अधिकारी की तकनीकी रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रकाश जाल के इस्तेमाल की उपयोगिता बताई गई थी।

पश्चिमी यूपी के गन्ना किसानों की बढ़ी चिंता

पश्चिमी उत्तर प्रदेश गन्ना उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल है। ऐसे में गन्ने की फसल में टॉप बोरर का प्रकोप किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन रहा है। टिकैत ने अपने पत्र में कहा है कि कीट के कारण गन्ने की बढ़वार और उत्पादन प्रभावित होने की आशंका रहती है। उत्पादन पर असर पड़ने की स्थिति में किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सौर प्रकाश जाल भी बन सकता है विकल्प

रात्रिकालीन विद्युत आपूर्ति के साथ सौर प्रकाश जाल के इस्तेमाल का विकल्प भी सामने रखा गया है। कृषि रक्षा अधिकारी की तकनीकी आख्या में प्रकाश जाल और सौर प्रकाश जाल के माध्यम से टॉप बोरर के नियंत्रण में सहायता मिलने की बात कही गई है। इससे किसान रात के समय खेत में सक्रिय कीट को नियंत्रित करने के उपाय कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

राकेश टिकैत ने मुख्यमंत्री से इस मामले में संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया है। मांग है कि गन्ना किसानों को टॉप बोरर से बचाव के लिए रात्रिकालीन विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसान प्रकाश जाल और सौर प्रकाश जाल जैसी तकनीकों का इस्तेमाल कर सकें।

फसल बचाने की कवायद में बिजली का मुद्दा केंद्र में

गन्ने की फसल को टॉप बोरर से बचाने की कोशिशों के बीच अब रात की बिजली का मुद्दा भी महत्वपूर्ण हो गया है। किसानों का तर्क है कि यदि कीट रात में सक्रिय होता है और प्रकाश की ओर आकर्षित होता है तो उसी समय प्रकाश जाल चलाने के लिए बिजली उपलब्ध होना जरूरी है। ऐसे में अब किसानों की नजर शासन और विद्युत विभाग की ओर से इस मांग पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी है।

विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ वीरपाल निर्वाल

भोपा। जनता इंटर कॉलेज भोपा में विकसित भारत विजन -2047 मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

शुक्रवार को मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रशासक डॉ वीरपाल निर्वाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवा पीढ़ी भारत के भावी भविष्य की रीढ़ है। इससे पहले मुख्य अतिथि डॉ वीरपाल निर्वाल,इंटर कॉलेज भोकरहेडी प्रधानाचार्य कैप्टन डॉ प्रवीण चौधरी, आरएसएस सह प्रान्त कार्यवाह सेवादास, भाजपा किसान मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी,ग्राम प्रधान भोपा तरूण कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय कोरी ने शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याण देव महाराज व पूर्व प्रधानमंत्री चौ चरण सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। प्रधानाचार्य संजय कुमार द्वारा अतिथियों का पटका पहनाकर व माल्यार्पण कर स्वागत

किया। अतिथियों ने आरोग्यम वाटिका में औषधीय पौधे वृक्षारोपित किए। फ्लैग एरिया में एनसीसी कैडेट्स ने स्किल इंडिया विजन पर ब्रीफिंग व गार्ड ऑफ ऑनर दिया। स्काउट एवं गाइड स्वयं सेवकों ने बैंड बाजे की मधुर धुन पर देश भक्ति से ओत-प्रोत समूहगान की शानदार प्रस्तुति दी। किसान मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी ने होनहार मेधावी छात्रा कु लविपाल को 3100 रुपए नकद देकर उत्साह वर्धन किया।छात्राओं कु शाजिया,कु विधि राठी,कु कोमल ने विकसित भारत- 2047 मेरे सपनों का भारत विजन को चित्रकला के माध्यम से अपनी तुलिकाओं द्वारा उकेरा। अंशप्रीत,कु अनुष्का ने देश व प्रदेश में हो रहे विकास, डिजिटल क्रांति,साइबर सुरक्षा,आधुनिक संचार तकनीक पर भाषण द्वारा प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और विकास के चहुंमुखी विकास में योगदान देने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेजर अरविंद कुमार व संचालन चीफ प्रॉक्टर संजीव राठी ने किया।इस अवसर पर कुश चौधरी, कैप्टन रमन सिंह, संजीव पुण्डीर, अश्विनी कुमार शीतल, भीष्म कुमार,अनुज कुमार,सुचित्रा, रीमा,महनाज खान, सुनीता वर्मा, चांदबीर सिंह, दीनदयाल, लोकेन्द्र कुमार, अंकुर कुमार सहित समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

स्वास्थ्य सेवाओं में मुजफ्फरनगर प्रदेश में दूसरे पायदान पर

अगस्त की स्वास्थ्य रैंकिंग में जिले का शानदार प्रदर्शन, 75 जिलों में हासिल किया दूसरा स्थान; एचआईवी स्क्रीनिंग और बच्चों के पूर्ण टीकाकरण में प्रदेश में प्रथम

मुजफ्फरनगर। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं ने प्रदेश स्तर पर एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की अगस्त माह की स्वास्थ्य रैंकिंग में मुजफ्फरनगर ने प्रदेश के 75 जिलों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जिले का अगस्त माह का कंपोजिट स्कोर 0.73 रहा। खास बात यह है कि अप्रैल से अगस्त तक चल रही इस वित्तीय वर्ष की रैंकिंग में मुजफ्फरनगर ने तीसरी बार प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। लगातार बेहतर प्रदर्शन से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है।

एचआईवी स्क्रीनिंग और पूर्ण टीकाकरण में जिला नंबर वन

स्वास्थ्य विभाग की ओर से विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई रैंकिंग में मुजफ्फरनगर ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया। एचआईवी स्क्रीनिंग और

बच्चों के पूर्ण टीकाकरण में जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों ही सेवाओं में जिले की उपलब्धि 100 प्रतिशत दर्ज की गई। अधिकारियों के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा पात्र लाभार्थियों तक सेवाएं पहुंचाने, बच्चों के टीकाकरण को पूरा कराने और स्वास्थ्य कार्यक्रमों की लगातार निगरानी किए जाने का परिणाम प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में दिखाई दिया है।

गर्भवती महिलाओं और नवजातों की देखभाल में भी बेहतर प्रदर्शन

जिले की स्वास्थ्य इकाइयों ने गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, संस्थागत प्रसव और नवजात शिशुओं की देखभाल से संबंधित सेवाओं में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा परिवार नियोजन से जुड़ी सेवाओं को भी प्रभावी ढंग से संचालित किया गया। इन सभी स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति और उपलब्धियों को प्रदेश स्तर पर तैयार की जाने वाली रैंकिंग में शामिल किया जाता है। ब्लॉक स्तर पर खतौली, चरथावल और पुरकाजी का प्रदर्शन बेहतर रहा। इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पात्र लाभार्थियों तक सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पहुंचाने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, टीकाकरण पूरा कराने और विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी पर विशेष ध्यान दिया।स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा और फील्ड स्तर पर कर्मचारियों की सक्रियता से योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार आया है।

मुजफ्फरनगर के लिए इस उपलब्धि की खास बात यह है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के शुरूआती पांच महीनों में जिले ने तीसरी बार प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। लगातार बेहतर रैंकिंग से स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न इकाइयों में किए जा रहे प्रयासों को बल मिला है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि रैंकिंग में निरंतरता बनाए रखना भी बड़ी चुनौती है, इसलिए सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की नियमित निगरानी जारी रखी जाएगी। अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सहारनपुर मंडल डॉ. लोकेश चंद्र गुप्ता ने जिले की उपलब्धि पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया को बधाई दी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि लगातार बेहतर प्रदर्शन से पता चलता है कि विभागीय अधिकारी और कर्मचारी स्वास्थ्य योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल तक पहुंचाने के लिए समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

खानूपुर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का अपर निदेशक और सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं, दवा-जांच की उपलब्धता और साफ-सफाई व्यवस्था का लिया जायजा; मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार देने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद में ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सहारनपुर मंडल डॉ. लोकेश चंद्र गुप्ता और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने खतौली ब्लॉक क्षेत्र में मंसूरपुर के पास स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर खानूपुर का निरीक्षण किया। अधिकारियों के निरीक्षण से स्वास्थ्य केंद्र पर मौजूद कर्मचारियों में भी सक्रियता नजर आई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्र पर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के साथ दवाओं, जांच सुविधाओं, साफ-सफाई और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली।

स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था परखी

अपर निदेशक और सीएमओ ने स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने केंद्र पर आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी स्वास्थ्य कर्मियों से ली। इसके साथ ही दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाओं और मरीजों के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी

जायजा लिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाले किसी भी मरीज को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मरीजों को समय से आवश्यक परामर्श, उपचार और दवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए।

दवाओं और जांच सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की स्थिति भी देखी। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि केंद्र पर मरीजों की जरूरत के अनुसार आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहनी चाहिए। साथ ही जिन जांच सुविधाओं की व्यवस्था केंद्र पर निर्धारित है, उन्हें भी सुचारू रूप से संचालित किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए दूर न जाना पड़े।

साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर

अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र स्वयं स्वच्छता और स्वास्थ्य का संदेश देने वाला स्थान है, इसलिए परिसर में साफ-सफाई, मरीजों के बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर लगातार निगरानी रखी जानी चाहिए। अपर निदेशक डॉ. लोकेश चंद्र गुप्ता ने स्वास्थ्य कर्मियों से कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली आबादी को प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन की ओर से संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए। इसके लिए क्षेत्र में नियमित रूप से जागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाले प्रत्येक लाभार्थी के साथ बेहतर व्यवहार करते हुए उसकी स्वास्थ्य संबंधी समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। स्वास्थ्य कार्यक्रमों की नियमित निगरानी और उनकी प्रगति की समीक्षा करने पर भी जोर दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने भी स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

श्री श्यामाश्याम मंदिर में कंस वध लीला का मनोहारी मंचन, जयकारों से गूंजा पंडाल

मुजफ्फरनगर। श्री श्यामाश्याम मंदिर में चल रही रासलीला में भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का सुंदर एवं भावपूर्ण मंचन किया जा रहा है। रासलीला के दौरान गोवर्धन पर्वत उठाने सहित अन्य लीलाओं के बाद कंस को यह आभास हो गया कि कृष्ण ही उसके काल हैं। इसके बाद उसने श्रीकृष्ण और बलराम को मथुरा बुलाने की योजना बनाई।

कंस ने अपने विश्वसनीय अक्रूर जी को गोकुल भेजकर धनुष यज्ञ और कुश्ती प्रतियोगिता के बहाने श्रीकृष्ण एवं बलराम को मथुरा आमंत्रित किया। मथुरा पहुंचने पर श्रीकृष्ण ने उस विशाल एवं शक्तिशाली धनुष को सहजता से तोड़ दिया, जिसे उठाने में बड़े-बड़े योद्धा भी असमर्थ थे।

इसके बाद कंस के मतवाले और विशाल हाथी कुवलयापीड़ का श्रीकृष्ण ने वध किया। वहीं कंस के प्रमुख पहलवानों चाणूर और मुष्टिक के साथ श्रीकृष्ण और बलराम का मल्लयुद्ध हुआ, जिसमें दोनों पहलवानों को पराजित कर दिया गया। अपने प्रमुख योद्धाओं और हाथी के मारे

जाने के बाद कंस भयभीत हो गया। इसके बाद बाल रूप में भगवान श्रीकृष्ण उछलकर कंस के मंच पर पहुंचे। उन्होंने कंस के बाल पकड़कर उसे सिंहासन से नीचे अखाड़े में खींच लिया और अपनी भुजाओं के बल से उसका वध करने की लीला का अत्यंत प्रभावशाली मंचन किया गया।

कंस वध के दृश्य के दौरान रासलीला पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने अपने माता-पिता देवकी और वासुदेव को कारागार से मुक्त कराया तथा अपने नाना उग्रसेन को पुनः मथुरा का राजा बनाया।

उग्रसेन को राजगद्दी पर विराजमान किए जाने के दृश्य के साथ ही श्रद्धालुओं ने ह्यश्रीकृष्ण भगवान की जयह्न, ह्यजय श्रीकृष्णह्न के जयकारे लगाए। पूरे मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय हो गया। श्री श्यामाश्याम मंदिर में चल रही रासलीला में कलाकारों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का बेहद सुंदर, जीवंत और भावपूर्ण मंचन किया जा रहा है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

समाधान दिवस में पहुंचे एडीजी भानु भास्कर, फरियादियों की सुनी समस्याएं

बुढ़ाना थाने के निरीक्षण में जमीन विवादों के त्वरित निस्तारण पर जोर, महिला ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न और मारपीट के लगाए आरोप, एडीजी ने एसपी देहात को दिए कार्रवाई के निर्देश

बुढ़ाना। मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर शनिवार को बुढ़ाना थाने पहुंचे और समाधान दिवस का निरीक्षण किया। उन्होंने थाने में पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। एडीजी ने विशेष रूप से जमीन संबंधी विवादों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जांच कराने तथा विवादों का समाधान कराने को कहा।

फरियादियों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को दिए निर्देश

एडीजी भानु भास्कर ने समाधान दिवस के दौरान एक-एक कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने शिकायतों से संबंधित अधिकारियों से मामले की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतकर्ता से समन्वय स्थापित कर मौके पर जांच करने और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

जमीन विवादों में राजस्व और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने जमीन और संपत्ति से जुड़े विवादों के निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय से संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाएं और वास्तविक स्थिति की जांच करें। विवादों के कारण कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए समय रहते प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

महिला ने ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

समाधान दिवस के दौरान एक महिला ने एडीजी को शिकायत पत्र देकर ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न और मारपीट के आरोप लगाए। महिला के अनुसार, शादी के करीब तीन साल बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे परेशान कर रहे हैं। महिला ने आरोप लगाया कि शनिवार

को भी उसकी सास और देवर ने उसके साथ मारपीट की। महिला ने एडीजी को कथित मारपीट से संबंधित वीडियो भी दिखाया और मामले में कार्रवाई की मांग की। शिकायत सुनने के बाद एडीजी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी देहात संजय महाडिक को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

एडीजी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि महिला अपराधों से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने कहा कि महिला संबंधी मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत की निष्पक्ष जांच कर तथ्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

समाधान दिवस के निरीक्षण के बाद एडीजी ने थाने की कार्यप्रणाली का भी जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न फाइलों और अभिलेखों को देखा तथा पुलिस कार्रवाई से संबंधित रिकॉर्ड की जानकारी ली। इसके अलावा मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला संबंधी मामलों के लिए रखे गए रजिस्टरों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से महिला अपराधों में की जा रही कार्रवाई, शिकायतों के निस्तारण और पीड़िताओं को उपलब्ध कराई जा रही सहायता की जानकारी ली। साथ ही रिकॉर्ड को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अद्यतन रखने के निर्देश दिए।

पुलिस अधिकारियों के साथ की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और शिकायतों के निस्तारण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को जनता की शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहते हुए प्रभावी कार्रवाई करने और पुलिस-जन संवाद को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान एसपी देहात संजय महाडिक, सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह, इंस्पेक्टर सुभाष अत्री समेत थाने का पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। एडीजी के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उन्हें थाने की व्यवस्थाओं और विभिन्न मामलों में की जा रही कार्रवाई की जानकारी दी।

जॉब सिक्योरिटी युवाओं को एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

प्रिंट, टीवी और रेडियो को अपने अंदर समेटे है वेब पत्रकारिता

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है।

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। सूचना और संचार क्रांति के दौर में आज प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच वेब पत्रकारिता का चलन तेजी से बढ़ा है और अपनी पहचान बना ली है। अखबारों की तरह बेव पत्र और पत्रिकाओं का जाल, अंतरजाल पर पूरी तरह बिछ चुका है। छोटे-बड़े हर शहर से अमूमन बेव पत्रकारिता संचालित हो रही है। छोटे-बड़े सभी शहरों के प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया भी वेब पर हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में थोड़े ही समय में इसने बड़ा मुकाम पा लिया है। हालांकि समर अभी शेष है और भविष्य उज्जवल।

वेब पत्रकारिता को पेशा बनाने वालों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

- हिंदी इनस्क्रिप्ट की बोर्ड की जानकारी हो।
- यूनिकोड फॉंट तकनीकि पर काम करें।
- वेब पत्रकारिता के समाचार सूचनापरक होना चाहिए, वाक्य छोटे होने चाहिए।
- सर्च इंजन का की-वर्ड समाचार में कम से कम दो-तीन बार जरूर लायें।
- कुछ की-वर्ड समाचार के हेड-लाईन में भी जरूर लायें।
- समय का ख्याल रखें- आज, कल और परसो से बचें ।
- संस्था का नाम भी समाचार में जरूर लायें।
- तीसरे या चौथे पेराग्राफ के बाद समाचार का बैक-ग्राउंड दें ।
- तस्वीरें और ग्राफिक से पेज को सजायें।
- संदर्भ और स्त्रोत का भरपूर उपयोग करें।

क्या होती है वेब पत्रकारिता

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखन होते हैं। यही कार्य यदि इंटरनेट पर किया जाता है तो वेब पत्रकारिता कहलाता है।

खुबियाँ

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। पहले जहां इंटरनेट कम्प्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लैस मोबाइलों, स्मार्ट फोन और टैब में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा। किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में, किसी भी दिन और किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं। यह ख़बरों का तीर्व माध्यम के रूप में भी स्वीकारा गया है।

चुनौती और समस्या

पहली बड़ी चुनौती कम्प्यूटर साक्षरता दर की है। दूसरी चुनौती भारत में अभी भी वेब पत्रकारिता की पहुंच अगली पंक्ति में खड़े लोगों तक ही सीमित है। इधर के दिनों में यह मध्यम वर्ग तक भी आया है। जहां तक अंतिम कतार में खड़े लोगों तक पहुंचने की बात है तो अभी यह कोसों दूर है। हालांकि अंतरजाल मुहैया कराने वाली कंपनियों ने मोबाइल फोन और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया है और इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच गया है। तीसरी चुनौती पत्रकारों के समक्ष तकनीकी ज्ञान की है। अन्य चुनौती के रूप में वेब पत्रकारिता में सबसे बड़ा सवाल विश्वसनीयता को लेकर भी है। आज लोगों को इतनी जगहों से समाचार मिल रहे हैं कि लोगों के लिए समाचारों की विश्वसनीयता एक बड़ा मुद्दा है। यह वेब पत्रकारिता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य

आज वेब-संस्करण चलाने बाली समाचार-पत्र और पत्रिकाओं की संख्या कम है। भविष्य में हर पत्र-पत्रिका ऑन-लाईन होगी। साथ ही साथ स्वतंत्र न्यूज पोर्टल की संख्या में भी वृद्धि होगी। यह आसार लगाया जा रहा है कि समाचार-पत्र घाटे से बचने के लिए प्रिंट संस्करण बंद कर ऑन-लाईन से अपनी सेवा जारी रखेगा। बात स्पष्ट है कि जिस पत्र का लक्षित समूह उच्च वर्ग है और जिनके पास इंटरनेट आसानी से उपलब्ध है, वह धीरे-धीरे प्रिंट संस्करण बंद कर पूर्ण रूप से ऑन-लाईन हो जायेगा।

विस्तृत दायरा

वेब पत्रकारिता की पहुंच एक निश्चित भौगोलिक सीमा तक नहीं है अपितु इसकी पहुंच वैश्विक है। वेब पत्रकारिता करने वालों का दायरा बहुत बड़ा हो जाता है। उनकी ख़बर एक पल में सारी दुनिया में पहुँच जाती है जो कि अन्य समाचार माध्यमों में संभव नहीं है।

एमबीए के सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस

जब पैकेज की बात आती है, तो एमबीए सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक के रूप में सामने आता है। तेज गति से हो रहे विकास और आर्थिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए ऐसे पाठ्यक्रमों की जरूरत महसूस हो रही है, जो विद्यार्थियों को इन बदलते हालात के अनुसार तैयार कर सकें। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस जैसे कोर्स सामने आए हैं। यदि कोई विद्यार्थी मैनेजमेंट में रुचि रखता है और दुनिया भर में घूमने का इरादा भी रखता है, तो उसके लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है।

क्या है एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस?

बढ़ते भूमंडलीकरण और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। अनेक कंपनियां, जो विदेशों में अपना व्यवसाय फैलाना चाहती हैं, ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में रहती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस संभालने में कुशल हों और साथ ही किसी बिजनेस के लिए उपयोगी सिद्धांतों व अवधारणाओं से अवगत हों। विदेशों में व्यवसाय फैलाने में कई तरह के जोखिम होते हैं। इसलिए कंपनियां ऐसे उम्मीदवारों को ही पसंद करती हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल बिजनेस पढ़ा है। यह कोर्स ग्लोबल स्तर पर मौजूद संसाधनों की समझ विकसित करता है। इसमें यह सिखाया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय फर्मों की क्या जरूरतें होती हैं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। करियर के लिहाज से इसमें उपलब्ध अवसर और एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस की डिग्री वाले उम्मीदवारों को मिलने वाला पैकेज इस फील्ड को बेहद आकर्षक बना देता है। साथ ही इसमें दुनिया के विभिन्न देशों में घूमने और जहां भी अच्छा ऑफर मिले, वहां बस जाने का मौका मिल सकता है। इंटरनेशनल बिजनेस में एमबीए करने के बाद आपके लिए विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों हेतु काम करने के द्वार खुल जाते हैं। आपको अंतरराष्ट्रीय बाजार और आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी तमाम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

यहां से करें कोर्स

यह कोर्स कराने वाले प्रमुख भारतीय संस्थान हैं - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, जेके बिजनेस स्कूल, एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, एशिया-पैसिफिक स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट आदि। इन भारतीय संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है। इसके अलावा यह डिग्री कराने वाले प्रमुख विदेशी संस्थान इस प्रकार है - आईएनएसईएडी (सिंगापुर), हारवर्ड बिजनेस स्कूल (अमेरिका), व्हार्टन स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया (अमेरिका), लंदन बिजनेस स्कूल (ब्रिटेन) आदि।

कहां मिलेगी जॉब?

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस कर चुके उम्मीदवारों को जॉब देने के मामले में अग्रणी भारतीय कंपनियां इस प्रकार है - कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, विप्रो, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस आदि। विदेशी संस्थानों की बात करें तो यहां आपको अच्छे ऑफर मिल सकते हैं- यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, वॉलमार्ट, जेपी मॉर्गन, मर्क आदि।

क्या सिविल सर्विसेस आपका पैशन है?

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहें हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

तलाक पीड़ित बेसहारा महिलाओं को वक्फ बोर्ड देगा घर, अगले महीने लाएंगे प्रस्ताव : शादाब शम्स

शादाब शम्स ने कहा, 'वक्फ प्रॉपर्टीज का एक लैंड बैंक है।

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने तीन तलाक और हलाला पीड़ित बेघर और बेसहारा महिलाओं को सहारा देने के लिए एक बड़ी पहल का ऐलान किया। शादाब शम्स ने कहा कि बोर्ड के पास मौजूद लैंड बैंक और संपत्तियों का इस्तेमाल अब उनके असली हकदारों, यतीमों, मिस्कीनों और विधवाओं के लिए किया जाएगा। शादाब शम्स ने कहा, 'वक्फ प्रॉपर्टीज का एक लैंड बैंक है। हम केयरटेकर हैं, और हमारे पास कई घर और संपत्तियां हैं। हम सरकार के साथ बैठकर बात करेंगे कि हम उन्हें बेहतर तरीके से कैसे सौंप सकते हैं। मुझे उम्मीद है क्योंकि मैंने हमारे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की, और उन्होंने बहुत सकारात्मक जवाब दिया। जब से वक्फ संशोधन एक्ट आया है, तब से बेसहारा महिलाओं में उम्मीद जगी है और अब गरीबों को उनका हक मिलेगा। उसी लाइन को आगे बढ़ाते हुए उत्तराखंड की धामी सरकार एक फैसला लेने जा रही है।' उन्होंने कहा कि अगले महीने की मीटिंग में हम एक प्रस्ताव रख रहे हैं कि जो महिलाएं तीन तलाक या हलाला पीड़ित हैं और बेघर या बेसहारा हैं, उन्हें वक्फ बोर्ड सहारा देगा। वक्फ बोर्ड उन्हें

रहने की जगह देगा ताकि वे बिना किसी मकसद के न भटकें। उत्तराखंड की धामी सरकार यूसीसी लेकर आई है और उसी की ग्राउंडिंग में हम यह कोशिश कर रहे हैं कि बेटियों को उनके हक दिए जा सकें। जो बेसहारा हैं, वक्फ तो उन्हीं के लिए था। वक्फ सदके, जकात, और खैरात का पैसा है। यह यतीमों, मिस्कीनों, बेवाओं और बेसहाराओं का हक था, लेकिन इसके ऊपर कुछ राजनीतिक दलों के नेता और उनके कार्यकर्ता बैठ गए और वक्फ का जो असली मकसद था, वह खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश उस मकसद को जमीन पर उतारने की है, उन बेटियों को उनके अधिकार दिलाने की है और फिर उन्हें सशक्त बनाकर रोजगार से जोड़ने की है, ताकि वे बेटियां आत्मनिर्भर होकर अपने बच्चों का पालन-पोषण कर सकें और किसी के सामने झुकना न पड़े। जिस तरह उत्तराखंड में हलाला के दो-तीन मामले सामने आए हैं, उनमें देखने को मिला कि बेटी को मजबूर किया गया और उससे कहा गया कि 'तुम कहां जाओगी, तुम्हारे भाई तुम्हें नहीं रखेंगे, और पति ने तलाक देकर घर से निकाल दिया है तो अब तुम कहां जाओगी?' ऐसे में वह कहीं न कहीं इसी दबाव में रहती हैं कि 'मैं कहां जाऊंगी।'

दिल्ली में कबाड़ से मिला 'मानव कंकाल': स्क्रैप डीलर के पास स्कूल से पहुंचा था बॉक्स; पुलिस जांच में जुटी

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कबाड़ से कंकाल मिले से हड़कंप मच गया है। मध्य दिल्ली में एक स्वच्छता अभियान के दौरान कबाड़ में बॉक्स के अंदर से एक कंकाल जैसी वस्तु मिली है। जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई। सेंट्रल दिल्ली में एक स्वच्छता अभियान के दौरान कबाड़ सामग्री के बीच एक कंकाल जैसी वस्तु मिली है। इस अप्रत्याशित खोज से इलाके में हड़कंप मच गया। दिल्ली पुलिस ने तत्काल इस मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि स्क्रैप डीलर को यह वस्तु एक स्थानीय स्कूल से प्राप्त हुई थी। बताया गया है कि यह कंकाल स्कूल के जैविक कचरे का हिस्सा था। स्कूल ने इसे मूल रूप से शैक्षिक प्रदर्शन के उद्देश्यों के लिए खरीदा था। पुलिस अब इन सभी तथ्यों की गहनता से पुष्टि कर रही है। अभी तक यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मिली हुई वस्तु वास्तव में एक मानव कंकाल है। यह शैक्षिक उपयोग के लिए बनाई गई एक डमी भी हो सकती है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभी यह

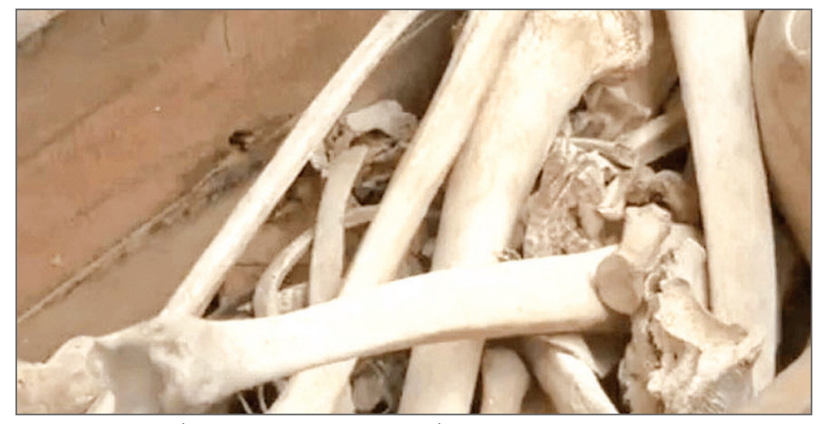

स्थापित होना बाकी है। यह वस्तु वास्तव में एक मानव कंकाल है या शिक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली एक डमी है। पुलिस तथ्यों का सत्यापन कर रही है। वे स्क्रैप डीलर और स्कूल प्रशासन दोनों से पूछताछ कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि यह वस्तु स्वच्छता अभियान के दौरान मिली। शुरुआती जांच में सामने आया कि स्क्रैप डीलर इसे एक स्कूल से लाया था। पुलिस को संदेह है कि यह स्कूल के जैविक कचरे का हिस्सा हो सकता है। इसे शैक्षिक उद्देश्यों के लिए रखे गए शारीरिक नमूने के रूप में भी देखा जा रहा है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह वास्तविक मानव कंकाल है या एक डमी। डीसीपी सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट रोहित राजवीर सिंह ने जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, पुलिस अभी तथ्यों का सत्यापन कर रही है। जांच दल स्क्रैप डीलर से गहन पूछताछ कर रहा है। साथ ही, संबंधित स्कूल प्रशासन से भी संपर्क साधा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

समयपुर बादली में फैक्टरी में लगी भीषण आग, मचा हड़कंप; 10 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

दिल्ली, एजेंसी। दमकल विभाग के अनुसार, रात करीब 12.35 बजे फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। आस पास के दमकल कार्यालय से तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। वहां पहुंचे दमकल अधिकारियों ने आग की भयावहता को देखते हुए सात और गाड़ियों को मौके पर बुला लिया। जिसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। दिल्ली के समयपुर बादली औद्योगिक क्षेत्र फेज-2 में शुक्रवार देर रात एक प्लास्टिक मोल्डिंग फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हादसे में तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए। दमकल विभाग के अनुसार, रात करीब 12.35 बजे फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। आस पास के दमकल कार्यालय से तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। वहां पहुंचे दमकल अधिकारियों ने आग की भयावहता को देखते हुए सात और गाड़ियों को मौके पर बुला लिया। इसी बीच दमकल विभाग को सूचना मिली कि आग में तीन कर्मचारी धर्मवीर (32), मोहम्मद शाहरुख (41) और अमित (34) मामूली रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें स्थानीय लोग अंबेडकर अस्पताल ले गए। प्राथमिक इलाज के बाद सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इधर दमकल कर्मी आग बुझाने में जुट गए। जांच में पता चला कि फैक्टरी में प्लास्टिक मोल्डिंग का काम होता था। दमकल विभाग के मुताबिक फैक्टरी बेसमेंट, भूतल, पहली और दूसरी मंजिल के अलावा छत पर बने अस्थायी ढांचे वाली थी। फैक्टरी करीब 250 वर्ग गज क्षेत्र में बनी थी। प्लास्टिक सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैली। तड़के करीब तीन बजे आग को काबू कर लिया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस कमिश्नर ने रात में परखी पार्कों की सुरक्षा

दिल्ली, एजेंसी। पुलिस कमिश्नर के साथ संयुक्त पुलिस आयुक्त, डीसीपी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पार्क के प्रवेश-निकास, सुरक्षा व्यवस्था और संवेदनशील हिस्सों का निरीक्षण किया। दिल्ली के कालकाजी के आस्था कुंज पार्क में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात के बाद पुलिस ने बड़े पार्कों की सुरक्षा व्यवस्था की पड़ताल तेज कर दी है। इस क्रम में शुक्रवार रात पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने शुक्रवार रात अंबेडकर नगर स्थित जहांपनाह पार्क का औचक निरीक्षण किया। पार्क की सुरक्षा व्यवस्था परखने के साथ वरिष्ठ अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। पुलिस कमिश्नर के साथ संयुक्त पुलिस आयुक्त, डीसीपी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पार्क के प्रवेश-निकास, सुरक्षा व्यवस्था और संवेदनशील हिस्सों का निरीक्षण किया। पुलिस का जोर ऐसे स्थानों की पहचान और निगरानी बढ़ाने पर है, जहां अंधेरा या सुनसान होने के कारण आपराधिक वारदात की आशंका रहती है। करीब 450 एकड़ में फैला जहांपनाह पार्क घने जंगल और हरियाली के कारण लोगों के आकर्षण का केंद्र है।

बैंक यूनियनों की हड़ताल 28 सितंबर से, तीन दिन ग्राहकों को होगी परेशानी

दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कर्मचारी 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल पर रहेंगे। इससे दिल्ली की बैंक शाखाओं में सामान्य कामकाज प्रभावित होने की आशंका है। बैंक यूनियनों के हड़ताल के कारण दिल्ली में तीन दिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कर्मचारी 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल पर रहेंगे। इससे दिल्ली की बैंक शाखाओं में सामान्य कामकाज प्रभावित होने की आशंका है। नकद जमा और निकासी, चेक से जुड़े काम, खाता संबंधी सेवाएं और दस्तावेज जमा करने जैसे काम रुक सकते हैं।

बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के फैसले को दी गई चुनौती पर शनिवार को होने वाली सुनवाई टल गई है। महिला पहलवानों की याचिका पर अब राउज एवेन्यू कोर्ट में 28 सितंबर को सुनवाई होगी। जज दिग्विनय सिंह के ट्रेनिंग में चले जाने की वजह से सुनवाई टली है। बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीते 3 अगस्त को बरी कर दिया था। यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को सेशन कोर्ट में शुक्रवार को चुनौती दी। चार महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में अपील की है। मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर के बरी होने के आदेश को भी चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश कानून की नजर में टिकाऊ नहीं है और सबूतों का गलत व चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। अपील में आरोप लगाया गया कि आदेश अनुमान और अटकलों पर आधारित

है और स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही तरीके से लागू नहीं किया गया। महिला पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया है। बृजभूषण शरण सिंह ने मामले में अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद आईएएनएस से कहा था कि मेरे ऊपर लगाए गए आरोप गलत थे। मुझ पर आरोप लगाने वाले ओलंपिक मेडलिस्ट थे। इसमें बहुत बड़े लोग शामिल थे। इसमें विपक्ष की बड़ी पार्टियां शामिल थीं। देश और देश के बाहर भी प्रदर्शन हुआ था। मैंने खुद को कभी अपराधी माना ही नहीं। ऐसे झूठे आरोप लगाए जाने के बाद व्यक्ति टूट जाता है। उसका परिवार भी उसका साथ छोड़ देता है। मुझे अदालत से राहत मिली है। मेरे केस से उन सभी को बल मिलेगा, जिनके ऊपर गलत इल्जाम लगाए जाते हैं। मेरा केस एक उदाहरण बनेगा।

महिला पहलवानों के बीच का यह विवाद देश के सबसे चर्चित खेल और कानूनी विवादों में से एक है। इसकी शुरुआत 2023 में हुई थी। देश की कई नामी महिला पहलवानों ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2016 से 2022 के बीच बृजभूषण शरण सिंह द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंप, डब्ल्यूएफआई कार्यालय और अन्य स्थानों पर उनके साथ अनुचित व्यवहार और यौन उत्पीड़न किया गया।

800 घरों पर संकट: यूपी सरकार के आदेश के खिलाफ दिल्ली के आलीगांव में प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के आलीगांव क्षेत्र में स्थानीय लोगों का प्रदर्शन जारी है। यह प्रदर्शन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए एक आदेश के विरोध में हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने आलीगांव में 700 से 800 मकानों को गिराने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत, इन मकानों को तीन दिन के भीतर गिराया जाना है। स्थानीय निवासी इस सरकारी कार्रवाई का कड़ा विरोध कर रहे हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि वे किसी भी कीमत पर अपने मकानों को गिरने नहीं देंगे। प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर अडिग हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि अपने घरों को बचाने के लिए वे कुछ भी करने को तैयार हैं। यह मामला क्षेत्र में तनाव का कारण बना हुआ है। आली चौक से शिव मंदिर तक पुश्ता रोड के दोनों तरफ करीब 1500 मकान-दुकान पीर मोहल्ला में करीब 300 मकान है। 700 से 800 मकान में करवाई होने है। जिससे 15000 से 20000 लोगों बेघर हो जाएंगे। 26 से 28 तक खाली करने का आदेश है। वहीं दिल्ली हाईकोर्ट में 24 फरवरी 2027 को अगली सुनवाई होगी।

रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ के लिए तीन विशेष समितियां गठित, सीएम का निर्देश

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने आगामी रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा के लिए तीन विशेष समितियां गठित की हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर इन पर्वों की व्यवस्थाओं की कमान मंत्रियों, विधायकों और समाज सेवियों को सौंपी गई है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा है कि इन आस्था के पर्वों पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा, सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था मिलेगी।

दिल्ली में आगामी दिनों में मनाए जाने वाले आस्था व भक्तिभाव के पर्व रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा को श्रद्धा, अपनत्व और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित कराने व श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार ने तीन अलग-अलग विशेष समितियों का गठन किया है। ये समितियां संबंधित पर्वों के लिए स्थानों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के साथ-साथ आयोजन स्थलों पर आवश्यक नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, बिजली, चिकित्सा तथा अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य है कि राजधानी में इन प्रमुख धार्मिक पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं और आयोजन समितियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। दिल्ली में आयोजित होने वाली रामलीलाओं के लिए स्थानों और तैयारियों की समीक्षा व उन्हें अंतिम रूप देने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष सरकार के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सहकारिता एवं निर्वाचन मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह बनाए गए हैं। समिति में सदस्यों के रूप में विधायक अशोक गोयल, विधायक अनिल कुमार शर्मा, विधायक श्याम शर्मा, विधायक संजय गोयल और विधायक संदीप सहरावत शामिल किए गए हैं। इसके अलावा सचिव, राजस्व-सह-मंडलायुक्त (डिविजनल कमिश्नर) इसके सदस्य सचिव बनाए गए हैं। समिति का प्रमुख दायित्व संबंधित जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के माध्यम से सिंगल विंडो सिस्टम के तहत आवश्यक एनओसी जारी करवाना है।

जनता के बीच फैली 'गलतफहमी' को दूर किया जा सके

चिराग पासवान के बाद, एनडीए सहयोगी उपेंद्र कुशवाहा ने एसआईआर विवाद पर ईसीआई से स्पष्टीकरण मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न को लेकर चल रहे विवाद और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े सवालों के बीच, एनडीए के सहयोगी उपेंद्र कुशवाहा ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से तुरंत स्पष्टीकरण की मांग की, ताकि जनता के बीच फैली 'गलतफहमी' को दूर किया जा सके।

25 सितंबर को एक्स पर एक पोस्ट में, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख कुशवाहा ने कहा कि एसआईआर से जुड़े विवाद ने लोगों के बीच काफी कन्फ्यूजन पैदा कर दिया है और इसे दूर करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को तुरंत असल स्थिति साफ करनी चाहिए ताकि कन्फ्यूजन दूर हो सके।

कुशवाहा का यह बयान तब आया, जब पटना में पत्रकारों के पूछने पर उन्होंने पहले इस विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि यह मामला चुनाव आयोग से जुड़ा है और अलग-अलग राय होना कोई असामान्य बात नहीं है, क्योंकि लोगों के बीच मतभेद हो सकते हैं।

यह ताज़ा बयान उन रिपोर्टों के कुछ दिनों बाद आया है जिनमें चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा चुनाव आयोग के कामकाज के कुछ पहलुओं - जैसे

वोटर लिस्ट और एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े मामलों - पर कथित तौर पर उठाए गए एतराज़ों का ज़िक्र किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा है कि कई सदस्यों वाली संवैधानिक संस्था में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय और आंतरिक नोट का होना एक सामान्य बात है और आयोग ने ज़ोर देकर कहा कि उसके अंतिम फ़ैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे।

कुशवाहा की यह मांग केंद्रीय मंत्री और एनडीए सहयोगी चिराग पासवान की ऐसी ही टिप्पणियों के बाद आई है। शुक्रवार को पासवान ने कहा कि अगर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो आयोग की यह ज़िम्मेदारी है कि वह मज़बूती से अपना पक्ष रखे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह मुद्दा विपक्ष को जवाब देने का नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा बनाए रखने का है।पासवान ने कहा, 'अगर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो सीईसी की ज़िम्मेदारी है कि वे अपना पक्ष साफ़ तौर पर रखें।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर लोग चुनावी प्रक्रिया पर शक करने लगेंगे, तो यह समस्या वाली बात होगी। कुशवाहा और पासवान, दोनों ही बिहार में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के सहयोगी हैं। उनके ये बयान एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर चल रही बड़ी राजनीतिक बहस के बीच आए हैं; विपक्षी पार्टियां भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रही हैं।

बिहार में छात्राओं से छेड़छाड़ शर्मनाक

चुनाव आयोग पर उठ रहे सवालों पर चिराग पासवान का बड़ा बयान, सीईसी ज्ञानेश कुमार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार में मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने शुक्रवार को चुनाव आयोग पर उठ रहे सवालों पर बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि अगर चुनाव आयोग पर इस तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, तो मेरा मानना ??है कि चुनाव आयोग, और खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की यह जिम्मेदारी है कि वे अपना पक्ष मजबूती से सामने रखें।

चिराग पासवान ने आगे कहा कि मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि विपक्ष क्या कहता है, क्योंकि राजनीति करना उनका काम है। चिराग ने कहा कि चुनाव आयोग को लोगों का भरोसा बनाए रखना चाहिए, क्योंकि अगर चुनावी प्रक्रिया को लेकर ही जनता के मन में शक पैदा होगा, तो यह गलत है। उन्होंने कहा कि

ऐसे में, चुनाव आयोग को अपनी बात मजबूती से रखनी चाहिए जिससे लोगों के मन में कोई शक न रहे।

बिहार में जमुई, समस्तीपुर और फिर बांका में छात्रा के साथ खुलेआम सड़क पर हैवानियत की घटनाओं ने शर्मसार कर दिया है। विपक्षी दल इसको लेकर लगातार राज्य सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज करा रहे हैं। इन घोटनाओं पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने गहरी चिंता जताई और इन घटनाओं को शर्मनाक बताया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत चिंता की बात है कि हमारी सरकार के सत्ता में रहते हुए भी अपराधी ऐसे काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में हम लोग जबावदेही से नहीं भाग सकते हैं। हम सही कार्रवाई किए बिना इनको जाने नहीं दे सकते। उन्होंने लापरवाह अधिकारियों पर भी कार्रवाई करने की बात कही।

हाल में प्रकाशित द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया कि तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के भीतर, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों के दौरान कम से कम 14 मौकों पर लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये आपत्तियां नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मतदाता सूची से नाम हटाने, स्ढ्ढक्र से जुड़े मामलों और वोटर डेटाबेस के केंद्रीकरण जैसे विषयों पर केंद्रित थीं।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने कुछ निर्णयों और आदेशों पर असहमति जताते हुए कहा कि कुछ मामलों में उन्हें न तो जानकारी दी गई और न ही उनसे परामर्श किया गया। इसके अलावा, रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कुछ प्रक्रियागत पहलुओं पर भी सवाल उठाए।

लेकिन इन रिपोर्टों के बाद चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि निर्णय प्रक्रिया के दौरान अलग-अलग मतों का सामने आना स्वाभाविक है और आयोग के हर निर्णय को निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया के तहत ही लिया गया है। आयोग ने यह भी बताया कि पिछले एक वर्ष में उसके सभी निर्णय सर्वसम्मति से किए गए हैं।

संसद में एससी-एसटी सांसदों के बोलने का समय बढ़े': जीतन राम मांझी का लोकसभा अध्यक्ष को पत्र

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के दौरान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी समुदायों) से आने वाले सांसदों को पर्याप्त बोलने का समय देने के अनुरोध पर कार्रवाई की मांग की है। जीतन राम मांझी ने अपने पत्र में कहा कि मध्य प्रदेश के खरगौन से भाजपा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने पांच अगस्त को मांझी के दिल्ली स्थित आवास पर हुई एनडीए सांसद समूह संवाद बैठक में यह मुद्दा उठाया था।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पटेल ने विशेष रूप से मांग की थी कि एससी/एसटी सांसदों को सदन में अपने समुदायों से जुड़े मुद्दे उठाने के लिए पर्याप्त अवसर दिया जाए। मांझी ने लोकसभा अध्यक्ष से पटेल के अनुरोध पर आगे की कार्रवाई करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। पटेल ने बातचीत में इस मुद्दे को उठाए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि एससी/एसटी सांसदों को दिया जाने वाला समय और बढ़ाया जाना चाहिए, क्योंकि किसी राजनीतिक दल को आवंटित समय उसके सांसदों के बीच बांट दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि हमें समय नहीं मिलता, लेकिन हमें अधिक समय मिलना चाहिए। एससी/एसटी समुदायों से जुड़े अधिक मुद्दे उठाए जाने चाहिए।' पटेल ने कहा कि इस मांग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संसदीय चर्चाओं के दौरान एससी/एसटी समुदायों से जुड़े विषयों को पर्याप्त जगह मिले। उन्होंने यह भी माना कि इन समुदायों से आने वाले सांसदों को सदन में बोलने के अवसर मिलते हैं।

मीसा के दबाव के बाद, पोक्सो पीड़िता के परिवार के साथ सीएम की तस्वीर अपलोड करने पर सीएमओ स्टेनो के खिलाफ एफआईआर

पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के स्टेनोग्राफर पर जमुई उत्पीड़न-छेड़छाड़ पीड़िता और उसके परिवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड करने के आरोप में शुक्रवार को पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस घटना पर राजनीतिक विवाद के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक मीसा भारती ने दावा किया कि सीएम सम्राट चौधरी के खिलाफ उनकी शिकायत पुलिस द्वारा दर्ज नहीं की गई थी।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय कुमार शर्मा ने कहा कि सागर कुमार नाम के स्टेनोग्राफर पर सीएम के एक्स हैंडल पर जमुई पीड़िता की तस्वीरें अपलोड करने के मामले में आरोप लगाया गया है। एसएसपी ने यह भी कहा कि पाटलिपुत्र सांसद मीसा भारती द्वारा दी गई शिकायत जिसमें उन्होंने जमुई पीड़िता की पहचान उजागर करने पर कार्रवाई की मांग की थी, वह भी जांच का हिस्सा होगी। मीसा भारती शुक्रवार को सचिवालय पुलिस स्टेशन पहुंचीं और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम, 2012 की धारा 23 और किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 74 के तहत

शिकायत दर्ज करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि चौधरी ने जमुई में छेड़छाड़ की शिकार 10वीं कक्षा की लड़की की पहचान का खुलासा किया था। थाना प्रभारी ने कथित तौर पर एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं पूछती हूं कि क्या सीएम ने पॉक्सो एक्ट का उल्लंघन किया है या नहीं। सबसे पहले सीएम ने नाबालिग लड़की को बुलाकर पीआर अभ्यास किया था और तस्वीरें एक्स हैंडल पर पोस्ट की थीं। मुझे नहीं पता कि लड़की पीड़ित है या उसकी मां। लेकिन एक्स पर पोस्ट बाद में हटा दिया गया था, जबकि दूसरी ओर, नाबालिग की पहचान उजागर करने के लिए जमुई प्रकरण का वीडियो वायरल करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। यह बहुत विरोधाभासी है। ' राजद के कार्यकारी अध्यक्ष और विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पर कानून की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ इसी कानून के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए, राज्य के योजना मंत्री और जद (यू) नेता भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद 'अनावश्यक रूप से इस मामले को उठा रहा है क्योंकि उसके पास लोगों से जुड़ने के लिए कोई वास्तविक मुद्दा नहीं है '।

बीजेपी मुझसे सलाह नहीं लेती', पंजाब में चुनाव से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह का छलका दर्द

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंजाब की राजनीति में छह दशक के अनुभव के बावजूद, पार्टी राज्य के मामलों पर उनसे राय नहीं लेती है। उनके ये बयान पंजाब में होने वाले अहम विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले आए हैं, जिसमें बीजेपी राज्य में जीत हासिल करने की कोशिश कर रही है।

पंजाब विधानसभा चुनावों से कुछ ही महीने पहले राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। पंजाब के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके वरिष्ठ नेता और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कैप्टन अमरिंदर सिंह की नाराजगी खुलकर सामने आई है। 84 वर्षीय अनुभवी राजनेता ने कहा कि पंजाब की राजनीति में छह दशकों से अधिक का अनुभव होने के बावजूद बीजेपी का शीर्ष और प्रदेश नेतृत्व राज्य के नीतिगत और राजनीतिक मामलों में उनसे कोई राय या सलाह नहीं लेता है। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए, पंजाब के दो बार मुख्यमंत्री रहे सिंह ने कहा कि राज्य के कामकाज को संभालने वाले कुछ बीजेपी

पदाधिकारियों को राज्य की राजनीति में आए एक साल भी नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि पार्टी उनसे सलाह लेने के बारे में नहीं सोचती, जबकि उन्होंने लगभग 60 वर्षों तक पंजाब और उसके हालात को करीब से देखा है। नएस्थान तलाशें सिंह ने कहा, 'मैंने और मेरे साथियों ने पंजाब की चुनावी राजनीति में साठ साल बिताए हैं। हमने पंजाब को कई उतार-चढ़ाव से गुजरते देखा है। हमने कई काम किए हैं। हम बस यही उम्मीद करते हैं कि बीजेपी हमारे अनुभव के आधार पर हमारी राय ले और उसे महत्व दे।' सिंह ने 2022 में अपनी पार्टी, पंजाब लोक कांग्रेस, का बीजेपी में विलय कर दिया था। उन्होंने 2021 में कांग्रेस से मतभेद के बाद पार्टी छोड़ दी थी और अपनी खुद की पार्टी बनाई थी।

उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि चुनाव से पहले सिंह कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं। इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि राजनीतिक पार्टियां बदलती रहती हैं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वे बीजेपी छोड़ने के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मैंने यह नहीं कहा है कि कांग्रेस या बीजेपी में मेरी कोई अहमियत नहीं रही। पार्टियां बदलती रहती हैं। जब मैं कांग्रेस में था, तब ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद मैं अकाली दल में भी गया था और बाद में कांग्रेस में लौट आया था। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अब पार्टी छोड़कर किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो जाऊंगा।' बाद में सिंह ने फिर कहा कि पंजाब के बारे में अपनी राय रखना बीजेपी सदस्य के तौर पर उनकी ज़िम्मेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर फिर लगा लंबा जाम, 2 गाड़ियों के पंचर होते ही चार किमी तक रेंगते दिखे वाहन

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर शनिवार दोपहर दो मालवाहक गाड़ियों के पंचर होने से

करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही और वाहन चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। जयपुर से दिल्ली की तरफ द्वारका एक्सप्रेसवे कट के पास एक पिकअप और छोटा हाथी गाड़ी अचानक पंचर हो गई। दोनों गाड़ियां बीच सड़क पर ही खड़ी रह गईं, जिससे पीछे आ रहे वाहनों की लंबी कतार लग गई और उनकी रफ्तार थम गई। सूचना मिलते ही यातायात पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों गाड़ियों की स्टेपनी बदलवाकर उन्हें सड़क से हटवाया और रवाना किया। लेकिन तब तक हाईवे पर यातायात का दबाव काफी बढ़ चुका था। सेक्टर-37 से खेड़कीदौला टोल तक करीब चार किलोमीटर तक वाहन रेंग-रेंग कर चले। कई वाहन चालकों ने सर्विस लेन का सहारा लिया, जिससे वहां भी भीड़ लग गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यातायात सामान्य हो सका।

175 कारोबारियों से 26 करोड़ की ठगी, लग्जरी ट्रांसपोर्ट के नाम पर बनाया शिकार

गाजियाबाद, एजेंसी। लग्जरी ट्रांसपोर्ट कारोबार में निवेश और मोटे मुनाफे का झांसा देकर करीब 175 लोगों से 26 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप लगा है। मामले में कोर्ट के आदेश पर सिहानी गेट थाने में 6 नामजद आरोपियों और अज्ञात एजेंटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि शुरुआत में निवेशकों को लक्जरी ट्रांसपोर्ट कारोबार में बेहतर रिटर्न का भरोसा दिया गया। बाद में क्रिप्टो, विदेशी मुद्रा कारोबार और डिजिटल संपत्ति में निवेश के नाम पर भी रकम ली गई। वेबसाइट पर कुछ समय तक निवेश और रिटर्न दिखाई देते रहे, लेकिन बाद में वेबसाइट और एप बंद कर दिए गए और रकम वापस नहीं की गई। ऋषिकेश निवासी प्रापर्टी डीलर 55 वर्षीय दिनेश कुमार शर्मा ने कोर्ट के आदेश पर सतीश कुमार उर्फ सतीश मोस्ट्रा निवासी कैथल, हैप्पी शेख निवासी सोलन, रोषविंदर सिंह उर्फ रविंद्र बांगड़ और देव बांगड़ निवासी कुरुक्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा धर्म सिंह रंधावा और नजीब को भी नामजद किया गया है। पीड़ति ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उनकी मार्च 2020 में कुरुक्षेत्र निवासी देव बांग? से मुलाकात हुई थी। आरोप है कि उन्हें मोहाली की ब्लूम ड्राइव नामक कंपनी में निवेश करने पर बेहतर रिटर्न का भरोसा दिया गया। इसके बाद फरवरी 2021 में उन्हें गाजियाबाद बुलाया गया और तीन लाख रुपये नकद लिए गए। निवेशकों के लिए अलग-अलग कंपनियों और वेबसाइटों पर खाते बनाए गए। बताया कि शुरुआत में उनमें निवेश की रकम और रिटर्न दिखाई देता रहा। बाद में मई 2025 के बाद वेबसाइट और एप बंद कर दिए गए। आरोप है कि निवेशकों का डाटा भी हटा दिया गया और रकम वापस नहीं की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, करीब 175 निवेशकों की लगभग 26 करोड़ रुपये की रकम फंसी है। जब उन्होंने रुपए मांगे तो उन्हें गाजियाबाद पुराने बस अड्डे के पास बुलाया गया। 18 अगस्त को पीड़ति जब आए तो उन्हें गाड़ी में डालकर धमकाया गया। पीड़ति ने पहले 19 अगस्त को सिहानी गेट थाने में सूचना दी थी और 24 अगस्त को पुलिस आयुक्त को भी प्रार्थना पत्र भेजा था। कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण ली। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद के मुताबिक, कोर्ट के आदेश पर सिहानी गेट थाने में शुक्रवार देर रात मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में जांच के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र में दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव

, तीन बोगियों की खिड़कियों के शीशे टूटे

नागपुर , एजेंसी। मध्य प्रदेश के नागपुर डिवीजन के अंतर्गत बोरखेड़ी में एक ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। इस पत्थरबाजी में ट्रेन की तीन बोगियों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। हालांकि, किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई। फिलहाल, रेलवे पुलिस की टीमें घटना की जांच में जुटी हैं। मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8.27 बजे, बोरखेड़ी स्टेशन से गुजरने के बाद नागपुर-मुंबई सीएसएमटी दुरंतो एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12290) पर पत्थरबाजी की सूचना मिली, जिससे कोच ए-1, बी-2 और बी-5 की खिड़कियों के शीशे टूट गए। एस्कॉर्ट स्टाफ और यात्रियों ने पुष्टि की कि लगभग 8.27 बजे बाहर से किसी चीज (पत्थर) ने खिड़कियों पर टक्कर मारी थी। घटना के कुछ देर बाद आरपीएफ और जीआरपी टीमें मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बोरखेड़ी-सिंधी सेक्शन के बीच किलोमीटर 803 से किलोमीटर 796 तक तलाशी ली। बोरखेड़ी और ब्राह्मणी गांवों के आस-पास के इलाकों की भी जांच की गई। पुलिस पाटिल व स्थानीय निवासियों से पूछताछ की गई। फिलहाल, कोई संदिग्ध व्यक्ति या ठोस सबूत नहीं मिला है। इसके बाद शनिवार रात करीब 2.55 बजे एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ

रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत अपराध दर्ज किया गया। फिलहाल, घटना की सही जगह का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इस घटना पर मध्य रेलवे ने भी आधिकारित तौर पर बयान जारी किया। सेंट्रल रेलवे, सीपीआरओ स्वप्निल नीला ने कहा कि शुक्रवार नागपुर से मुंबई आने वाली दुरंतो एक्सप्रेस पर नागपुर से निकलने के बाद बोरखेड़ी के पास में पथराव की घटना हुई है। इसमें ट्रेन की तीन बोगियों की खिड़कियों के शीशे टूटे हैं। इस घटना के तुरंत बाद आरपीएफ और जीआरपी की टीमें जांच में जुट गई हैं। अभी एक मुकदमा भी दर्ज किया गया है।

पिछले महीने गुजरात के सूरत में मुंबई-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव हुआ था। इसी ट्रेन से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल भी यात्रा कर रही थीं।

जारचा ग्राम प्रधान को 98 लाख के गबन का नोटिस, जवाब न देने पर पंचायती राज एक्ट के तहत होगी कार्रवाई

दादरी (ग्रेटर नोएडा), एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में दादरी विकास खंड की ग्राम पंचायत जारचा की ग्राम प्रधान को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एसबीएमजी) की धनराशि में गबन के आरोप में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) ने नोटिस जारी किया है। ग्राम प्रधान से एक सप्ताह के भीतर जवाब और खर्च का ब्योरा मांगा गया है। खंड विकास अधिकारी फनिश कुमार द्वारा जारी प्रथम नोटिस के अनुसार, मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण उत्तर प्रदेश के शासनादेश के तहत ग्राम पंचायत जारचा को ओडीएफ प्लस माडल ग्राम बनाने के लिए 98 लाख 61 हजार 431 रुपये की धनराशि आवंटित की गई थी। यह राशि ग्राम पंचायत के सब्सिडी अकाउंट में क्रेडिट लिमिट के रूप में जारी की गई थी। इस धनराशि के सापेक्ष कार्य योजना तैयार कर जिला स्वच्छ भारत मिशन समिति से अनुमोदन और प्रशासनिक, तकनीकी व वित्तीय स्वीकृति लेकर नियमानुसार कार्य शुरू किया जाना था। नोटिस में उल्लेख है कि 18 सितंबर 2026 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा ग्राम पंचायत जारचा में आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आरआरसी अधूरा निर्मित पाया गया, अन्य कराए गए कार्यों की जानकारी भी प्रस्तुत नहीं की गई और आरआरसी का संचालन भी नहीं हो रहा था।

फरीदाबाद में एक घंटे का सफर घटकर रह जाएगा आधा

फतेहपुर बिल्लौच से अटेरना तक बनेगी सड़क

बल्लभगढ़, एजेंसी। फतेहपुर बिल्लौच से अटेरना तक जर्जर सड़क से गुजरने वाले ग्रामीणों को जल्द राहत मिलने वाली है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सड़क के निर्माण को मंजूरी दे दी है और इसके लिए 8.25 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है। निर्माण शुरू होने के बाद इस प्रमुख मार्ग से जुड़े गांवों के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। वर्षा के बाद फतेहपुर बिल्लौच में पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर काफी गड्ढे हो गए हैं। फतेहपुर बिल्लौच से जवां गांव के बीच भी सड़क की स्थिति खराब है। जवां गांव में पीडब्ल्यूडी ने सीमेंटेड स्लैब लगाए हुए हैं, लेकिन जलभराव के कारण यहां से निकलना लोगों के लिए मुश्किल होता है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर लंबे समय से कारपेटिंग नहीं होने के कारण जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं। इनसे वाहन चालकों को परेशानी होती है और कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। फतेहपुर बिल्लौच से अटेरना तक सड़क बनने के बाद लढौली, डीग, फतेहपुर बिल्लौच, पन्हैड़ा कलां, जवां, ककड़ीपुर, अटेरना, घाघौट, गोपीखेड़ा, सदरपुर, अलावलपुर, जल्हाका और मोहना के ग्रामीणों का आवागमन सुगम होगा। अभी इस मार्ग से आने-जाने में करीब एक घंटे का समय लगता है। सड़क बनने के बाद यह अवधि आधी होने की उम्मीद है। पीडब्ल्यूडी के उपमंडल अधिकारी रवि इंदर सिंह ने बताया कि फतेहपुर बिल्लौच पेट्रोल पंप के सामने से अटेरना गांव तक सड़क निर्माण की मंजूरी मिल गई है। जवां गांव में फिलहाल लगे सीमेंटेड स्लैब हटाकर वहां सीमेंटेड मार्ग बनाया जाएगा। विभाग जल्द निर्माण कार्य शुरू करेगा। राधारमन शर्मा ने कहा कि पिछले डेढ़ दशक से सड़क पर कारपेटिंग नहीं हुई है, जिसके कारण जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं। नरेंद्र यादव के अनुसार, वर्षा के दौरान सड़क पर काफी गड्ढे हो गए हैं।

24 घंटे के भीतर प्रमुख शिक्षक नेता भूषण झा ने पार्टी से अपना नाता तोड़ लिया है

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को बड़ा झटका! उम्मीदवार बनने के 24 घंटे भीतर भूषण झा का इस्तीफा, अब लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव

पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद चुनाव की घोषणा के ठीक बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की 'जन सुराज पार्टी' को एक बड़ा झटका लगा है। तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किए जाने के महज 24 घंटे के भीतर प्रमुख शिक्षक नेता भूषण झा ने पार्टी से अपना नाता तोड़ लिया है। जन सुराज पार्टी छोड़ने का ऐलान करते हुए झा ने अब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा कर दी है। यह घटनाक्रम मुजफ्फरपुर में हुई एक समीक्षा बैठक के बाद सामने आया, जिसमें झा ने अपने और अपने समर्थक शिक्षकों के साथ किए गए व्यवहार को लेकर आरोप लगाए। झा के हटने के बाद, जन सुराज पार्टी अब शनिवार को तिरहुत शिक्षक सीट के लिए नए उम्मीदवार की घोषणा करने वाली है।

जन सुराज पार्टी छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा करते हुए, झा ने आरोप लगाया कि जब वे अपनी बात रख रहे थे, तो उनका समर्थन करने वाले शिक्षकों को समीक्षा बैठक की रिकॉर्डिंग करने से रोका गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन पर पार्टी द्वारा तय की गई बातों के अनुसार बोलने का दबाव डाला जा रहा था। झा ने कहा कि उन्हें यह बात आपत्तिजनक लगी और साथी शिक्षकों के

सुझावों के बाद, उन्होंने जन सुराज पार्टी छोड़ने और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया।

प्रशांत किशोर की मौजूदगी में बैठक हुई

यह बैठक 25 सितंबर को मुजफ्फरपुर के माड़ीपुर स्थित एक होटल में हुई, जिसमें प्रशांत किशोर भी मौजूद थे। बैठक के बाद ही झा ने पार्टी छोड़ने और निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की। उन्होंने बैठक के दौरान अपने और अपने समर्थक शिक्षकों के साथ किए गए व्यवहार को लेकर कई आरोप भी लगाए।

जन सुराज पार्टी ने आठ सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

आठ सीटों में से तीन के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इन सीटों के लिए चुनाव 23 अक्टूबर को होने हैं, जबकि वोटों की गिनती 27 अक्टूबर को होगी। पार्टी ने बाकी पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही 20 सितंबर को कर दी थी।

हरिद्वार का हैप्पी हत्याकांडः पुलिस ने हत्या के आरोपी को एनकाउंटर में किया ढेर, दूसरा कातिल हुआ फरार

हरिद्वार , एजेंसी। हरिद्वार के बहादराबाद के शांतरशाह गांव में हुए बहुचर्चित हैप्पी हत्याकांड में शामिल बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हुई है। यह मुठभेड़ मध्य रात्रि दौलतपुर के घने जंगल में हुई। पुलिस के अनुसार, बदमाशों की ओर से फायरिंग किए जाने पर पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश को पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, उसका दूसरा साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि यह मुठभेड़ बीते 14 सितंबर को हुई हैप्पी की जघन्य हत्या के मामले में की गई। 26 वर्षीय बाइक मिस्त्री हैप्पी की दो अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के मुताबिक, शांतरशाह निवासी हैप्पी की

गांव में बनी बाजार में बाइक मैकेनिक की दुकान थी। सोमवार करीब सवा सात बजे हैप्पी अपनी दुकान पर बैठे हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दो नकाबपोश लोग कॉलोनी की तरफ से होते हुए दुकान पर पहुंचे। उन्होंने हैप्पी पर अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी थी। गोलियां चलने से आसपास के पूरे इलाके में अचानक अफरा-तफरी मच गई थी। हैप्पी को करीब दो गोली लगीं और वह गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़ा। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश तेजी से जंगल की तरफ से भाग निकले थे।

जानकारी मिलते ही परिजन और पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचे थे। घायल हैप्पी को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत बेहद गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई थी। इस जघन्य हत्याकांड के बाद से पुलिस लगातार बदमाशों की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए कई विशेष टीमें गठित की थीं। मध्य रात्रि में पुलिस को दौलतपुर के जंगल में बदमाशों की मौजूदगी की सटीक सूचना मिली। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे जंगल की घेराबंदी की। बदमाशों ने पुलिस को देखते ही उन पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी अपनी सुरक्षा में मुस्तैदी से जवाबी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश के पैर में चोट आई और वह घायल हो गया।

लैंडस्लाइड के बाद सिक्किम के दर्जनों परिवार पर आफत, लगातार भारी बारिश के बीच आशियाना तलाश रहे लोग

ग्यालशिंग , एजेंसी। सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के युक्सोम-ताशिडिंग निर्वाचन क्षेत्र के रिम्बी गांव में लगातार भारी बारिश के कारण जबरदस्त भूस्खलन हुआ है। जिससे 32 से ज्यादा घर और सरकारी क्वार्टर क्षतिग्रस्त हो गए। कई परिवारों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगहों और बनाए गए राहत शिविर में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। भूस्खलन के कारण ऊपरी ढलानों से मिट्टी, पत्थर और मलबा निचले इलाकों की ओर आ गया, जिससे रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और इलाके में आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। भूस्खलन के खतरे को देखते हुए, प्रभावित परिवारों को जोखिम वाले इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार ग्यालशिंग जिले के रिम्बी और सिंगनिथम वार्डों में अगस्त से ही भूस्खलन हो रहा है, और हाल की घटना में 32 परिवार बेघर हो गए हैं और उनके पास रहने के लिए जमीन भी नहीं बची है। रिम्बी गांव के 32 परिवारों के पास न तो घर बचे हैं और न ही रहने के लिए जमीन, उनके मवेशियों को भी दूसरी जगह ले जाना पड़ा है। स्थानीय जनप्रतिनिधि ने प्रभावित परिवार को राहत शिविरों में पहुंचा दिया है। लैंडस्लाइड की घटना के बाद जिला प्रशासन और सिक्किम सरकार ने मिलकर उन प्रभावित परिवारों के लिए रहने की व्यवस्था की है, जो बहुत मुश्किल हालात में थे। हालांकि इस घटना में किसी की जान नहीं गई है। शनिवार सुबह-सुबह, स्थानीय लोग एक-दूसरे की मदद करते हुए अपना सामान सुरक्षित जगहों पर पहुंचाते दिखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार ने राहत कैंप तो लगाया है, लेकिन वहां सभी के रहने की जगह नहीं है। कुछ लोग अपने रिश्तेदारों के यहां रह रहे हैं। इस आपदा से इलाके में आवाजाही पर भी असर पड़ा है। भूस्खलन के मलबे की वजह से स्थानीय सड़कें और संपर्क बाधित हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से राहत और जोखिम वाली जगहों पर रह रहे परिवारों की सुरक्षा के लिए तत्काल मदद की मांग की है। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने शुक्रवार को स्थिति पर चिंता जताई और निवासियों को भरोसा दिलाया कि सरकार रिम्बी के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

पेजेश्कियन ने शी जिनपिंग की पहल को सराहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के

उस बयान का स्वागत किया, जिसमें जिनपिंग ने डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर लौटने का आग्रह किया। पेजेश्कियन ने चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के इस्लामाबाद समझौता-पत्र (एमओयू) पर लौटने और बातचीत-कूटनीति से मतभेद सुलझाने की पहल की सराहना की। पेजेश्कियन ने कहा कि ईरान भी इसी नजरिए का समर्थन करता है और तय वादों के सम्मान के साथ गंभीर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी हालात बनाने पर जोर देता है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश ?कि?यन ने सोशल मीडि?या प्?लेटफॉर्म 'एक्?स' पोस्?ट पर लिखा, ''मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग के उस विचारशील और जि?म्मेदार समर्थन की सराहना करता हूं, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद समझौता-पत्र पर लौटने और बातचीत व कूटनीति के जरिए मतभेदों को सुलझाने की बात कही है।'' पेजेश ?कि?यन ने कहा कि ईरान भी इस नजरिए से सहमत है और उस समझौते पर लौटने, पहले से तय वादों का सम्मान करने और गंभीर, ठोस और नतीजे देने वाली बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी हालात बनाने के महत्व पर जोर देता है। इससे पहले पेजेश ?कि?यन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र में कहा था कि ईरान आतंकवादी नहीं है, बल्?कि हम आतंकवाद और आक्रामकता का शिकार हैं। अपनी रक्षा-क्षमता को बढ़ाना ही आजादी बनाए रखने और हमलावरों की आक्रामकता को रोकने का एकमात्र तरीका है। पेजेश ?कि?यन ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य पर युद्ध थोपा गया है। उन्?होंने घोषणा की कि ईरान कभी अपना बचाव करना बंद नहीं करेगा, न ही वह शांति प्राप्त करने के लिए बातचीत से पीछे हटेगा। उन्?होंने कहा कि हम आतंकवादी नहीं हैं, बल्कि हम आतंकवाद के शिकार हैं। प्रतिरोध को बमों या आक्रामकता से नहीं हराया जा सकता। तेहरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह धमकियों की भाषा स्वीकार नहीं करेगा।

शहबाज ने यूएन में भारत को जंग की धमकी दी:कहा- सिंधु के पानी को रोकने की गलती न करें; कश्मीर को गले की नस बताया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को यूएन में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। शहबाज ने कहा कि पानी को कभी हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत को इसे लेकर कोई गलती नहीं करनी चाहिए। शहबाज शरीफ ने यूएन में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए जगलर वेन (गर्दन की नस) है। गर्दन की नस शरीर की अहम हिस्सा है। इसके कटते ही इंसान की मौत हो जाती है। यूएनजीए में शहबाज शरीफ के दावों का भारतीय अधिकारी पेटल गहलोत ने राइट ऑफ रिप्लाई के तहत जवाब दिया। गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान साल-दर-साल झूठ दोहराकर उसे सच नहीं बना सकता।

शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने फील्ड मार्शल आसीम मुनीर के नेतृत्व में सटीक जवाब दिया।

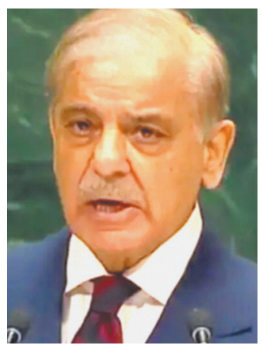

उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि मई 2025 में दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने और युद्ध जैसी स्थिति टालने में उनकी भूमिका अहम रही। शहबाज ने कहा कि ट्रम्प की कोशिशों से बड़ा टकराव टल गया। इसका 87 सेकेंड का वीडियो ट्रम्प ने शुक्रवार को बिना किसी टिप्पणी के ट्रुथ सोशल पर शेयर किया। शहबाज ने यह भी कहा कि दक्षिण एशिया में फिर से ऐसे हालात नहीं बनने चाहिए। उनके मुताबिक, इसके लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान जरूरी है। शहबाज ने कहा कि पिछले साल भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद भारत ने इस संधि को एकतरफा रोक दिया, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। शहबाज ने दावा किया कि यूएन के विशेषज्ञों और स्थायी मध्यस्थता अदालत ने भी इस मामले में भारत के दावों और कदमों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान का रुख सही साबित हुआ है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी थी। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत का आरोप है कि हमले में शामिल आतंकियों को पाकिस्तान का समर्थन था। शहबाज शरीफ ने दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को नफरत भरी बयानबाजी, भेदभाव और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मस्जिदों पर हमले और कुरान के अपमान की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। भारत का जिक्र करते हुए शहबाज ने आरोप लगाया कि सीमा पार आरएसएस से प्रभावित विचारधारा धार्मिक नफरत को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इसका असर मॉब लिंचिंग, सांप्रदायिक हिंसा, धार्मिक स्थलों पर हमलों और धार्मिक स्वतंत्रता पर पाबंदियों के रूप में दिखाई दे रहा शहबाज ने होर्मुज स्ट्रेट और बाब-अल-मंदेब को दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम समुद्री रास्ते बताया। उन्होंने कहा कि ये रास्ते खुले रहने चाहिए और इन्हें देशों के बीच टकराव का रास्ता नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन समुद्री रास्तों से दुनिया के कई देश जुड़े हुए हैं। अगर ये रास्ते बंद होते हैं तो इसका असर सिर्फ पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। पानी को हथियार न बनाए भारत' शहबाज़ शरीफ़ ने अपने संबोधन में भारत द्वारा सिंधु जल संधि की समीक्षा और संशोधन के कदमों पर ऐतराज जताते हुए कहाः युद्ध की कार्रवाई की चेतावनीः 'पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने, उसमें किसी प्रकार की बाधा डालने या उसका रुख मोड़ने की किसी भी कोशिश को पाकिस्तान युद्ध की कार्रवाई मानेगा। भारत को इसे लेकर किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए।' एकतरफा फैसले को बताया अवैधः उन्होंने दावा किया कि सिंधु नदी पूरे क्षेत्र की जीवनरेखा (लाइफ लाइन) है और संधि को स्थगित या बदलने के भारत के एकतरफा प्रयासों का कोई कानूनी आधार नहीं है।

जयशंकर का पाकिस्तानी पत्रकार पर तंज:कहा- अब आतंकी देश मुझसे सवाल पूछेगा

जर्नलिस्ट ने भारत पर -पाकिस्तान में आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया था

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को एक पाकिस्तानी रिपोर्टर पर तंज कसा। रिपोर्टर ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इस पर जयशंकर ने कहा, 'एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है।' रिपोर्टर के सवाल का जवाब देने के बाद वे मुस्कुराए और वहां से निकल गए।

दरअसल, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारत की विदेश नीति, वैश्विक सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई पर बातचीत हो रही थी। इससे पहले दिसंबर

2022 में न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जयशंकर से पूछा था कि दक्षिण एशिया आखिर कब तक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवाद का सामना करता रहेगा। इस पर जयशंकर ने कहा था,आप गलत मंत्री से सवाल पूछ रहे हैं। पाकिस्तान कब तक आतंकवाद जारी रखना चाहता है, यह पाकिस्तान के मंत्री बताएंगे। भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाता रहा है। पाकिस्तान इन आरोपों से इनकार करता है। दोनों देशों के बीच आतंकवाद का मुद्दा लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठता रहा है।

भारत ने अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले का भी मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में मौजूद या वहां से संचालित होने वाले आतंकी संगठनों और आतंकवाद की फंडिंग का मुद्दा भी उठाया है। वहीं, पाकिस्तान भारत के आरोपों को खारिज करता रहा है। जयशंकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खाड़ी, लाल सागर और ब्लैक सी में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि ये अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं।

होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने के लिए ईरान ने अमेरिका के सामने रखीं शर्तें: बोले विदेश मंत्री अब्बास अराग़ची-क़तर के जरिए भेजा प्रस्ताव

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील जलमार्ग 'होर्मुज स्ट्रेट' को लेकर ईरान ने अमेरिका के समक्ष एक बड़ा कूटनीतिक प्रस्ताव रखा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग़ची ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यदि वाशिंगटन निर्धारित शर्तों को पूरा करता है, तो ईरान महज एक हफ्ते (सात दिन) के भीतर होर्मुज़ स्ट्रेट को पुन: खोलने के लिए तैयार है। ईरानी विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस समझौते का औपचारिक प्रस्ताव खाड़ी देश क़तर के माध्यम से अमेरिकी प्रशासन तक पहुंचा दिया गया है और अब गेंद अमेरिका के पाले में है। अब्बास अराग़ची ने शर्तों का विस्तृत ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन संकेत दिया कि ये शर्तें जून माह में दोनों देशों के बीच तैयार किए गए समझौता ज्ञापन पर आधारित हैं: अराग़ची ने कहा, 'होर्मुज़ स्ट्रेट को खोलने की प्रक्रिया तभी प्रारंभ होगी, जब अमेरिका समझौते में तय अनिवार्य शर्तों का पालन करेगा। इन सभी बिंदुओं का उल्लेख जून में दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्री एमओयू में पहले ही किया जा चुका है।' प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि मध्यस्थों के माध्यम से दोनों देशों के बीच सकारात्मक दिशा में

बातचीत चल रही है, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा के साथ-साथ परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। अमेरिका और ईरान के बीच 18 जून को बने 14 सूत्रीय मसौदे का मुख्य उद्देश्य व्यापक संघर्षविराम और होर्मुज़ स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को बहाल करना था। इस समझौते की प्रमुख शर्तें इस प्रकार थीं: परमाणु प्रतिबद्धता: ईरान परमाणु हथियार हासिल करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ेगा। सैन्य अभियानों पर रोक: अमेरिका, ईरान और उनके सभी क्षेत्रीय सहयोगियों द्वारा सभी मोर्चों पर जारी सैन्य कार्रवाइयों को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा।

अमेरिका के 22 राज्यों ने 1,00,000 डॉलर की एच-1बी फीस का विरोध किया

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के 22 अटॉर्नी जनरल के एक समूह ने ट्रंप प्रशासन के उस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें कुछ एच-1बी वीजा याचिकाओं पर 100,000 डॉलर से ज्यादा की फीस लगाने की बात कही गई है। उनका तर्क है कि यह कदम गैर-कानूनी है और इससे शिक्षकों, डॉक्टरों और नर्सों की कमी और बढ़ जाएगी। यह उन भारतीय प्रोफेशनल्स और अमेरिकी कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती है जो बहुत कुशल कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए एच-1बी प्रोग्राम पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल जे जोन्स ने एक औपचारिक कमेंट लेटर दाखिल करने के लिए गठबंधन में शामिल होकर यूएस सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) से प्रस्तावित नियम को वापस लेने की मांग की। एजेंसी ने 25 अगस्त को प्रस्तावित नियम बनाने का नोटिस जारी किया था। इससे उन एम्प्लॉयर्स द्वारा दायर याचिकाओं पर 103,265 डॉलर का शुल्क लगेगा जिन्हें सालाना एच-1बी वीजा कैप से छूट प्राप्त नहीं हैं। अटॉर्नी जनरल्स ने प्रस्तावित शुल्क को टैक्स बताया। उन्होंने तर्क दिया कि एग्जीक्यूटिव ब्रांच कांग्रेस की मंजूरी के बिना ऐसा टैक्स नहीं लगा सकती।

गठबंधन ने यह भी कहा कि यह नियम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट के तहत यूएससीआईएस के अधिकार क्षेत्र से बाहर होगा और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट का उल्लंघन करेगा। अटॉर्नी जनरल्स के अनुसार, प्रशासन उस बोझ को सही ठहराने में विफल रहा है जो प्रस्तावित शुल्क राज्यों पर डालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूएससीआईएस ने कम नुकसानदायक विकल्पों पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया। गठबंधन ने 30-दिन के पब्लिक कमेंट पीरियड पर एतराज जताया, और इसे बहुत कम और ठीक नहीं

बताया।

अटॉर्नी जनरल्स ने कहा कि प्रस्तावित शुल्क से राज्य और स्थानीय संस्थानों के लिए कुशल विदेशी प्रोफेशनल्स को काम पर रखना और मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य जरूरी सेवाओं में कमी का हवाला दिया। जोन्स ने कहा, 'इस श्रेणी के लोग कागजों पर सिर्फ नाम नहीं हैं, वे हमारे शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, देखभाल करने वाले और बहुत कुछ हैं। वे हमारे पड़ोसी, दोस्त और परिवार हैं।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने यहां आने और 'अमेरिकन ड्रीम' का हिस्सा बनने के लिए हर फॉर्म भरा है और सरकार की हर मांग को पूरा किया है।' जोन्स ने प्रशासन पर समुदायों और सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ने वाले असर पर पर्याप्त रूप से विचार किए बिना अपने एग्जीक्यूटिव अधिकार का विस्तार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप एग्जीक्यूटिव पावर की सीमाओं को आगे बढ़ाकर दरवाजा बंद करने की कोशिश कर रहे हैं, और उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि यह प्रस्तावित नियम वर्जीनिया के लोगों पर क्या बोझ डालेगा। यहां वर्जीनिया में, हम अपने समुदायों के लिए लड़ते हैं, और मेरा ऑफिस यह सुनिश्चित करने के लिए हर कानूनी साधन का इस्तेमाल करेगा कि यह प्रस्ताव आगे न बढ़े।' गठबंधन ने कहा कि पिछली बार प्रशासन ने ऐसा ही शुल्क लगाने की कोशिश की थी जिसे रद्द कर दिया गया था। इसमें कहा गया है कि नया प्रस्ताव कांग्रेस से मंजूरी लेने के बजाय, एक बार फिर प्रशासनिक कार्रवाई के जरिए टैक्स लगाने की कोशिश करता है। वर्जीनिया के अलावा, इस गठबंधन में कैलिफोर्निया, मैसाचुसेट्स, एरिजोना, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, इलिनोइस, मेन, मैरीलैंड, मिशिगन और मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल भी शामिल हैं। इसमें नेवाडा, न्यू जर्सी, न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क, नॉर्थ कैरोलिना, ओरेगन, वॉशिंगटन, विस्कॉन्सिन और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया भी शामिल हैं। एच1बी प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को ऐसे खास कामों के लिए विदेशी कर्मचारियों को काम पर रखने की इजाजत देता है, जिनके लिए आम तौर पर खास जानकारी और कम से कम बैचलर डिग्री या उसके बराबर की योग्यता की जरूरत होती है। टेक्नोलॉजी कंपनियां इसके सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से हैं, लेकिन अस्पताल, स्कूल, यूनिवर्सिटी और रिसर्च संस्थान भी एच-1बी प्रोफेशनल्स को काम पर रखते हैं।

पाकिस्तानः पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने 27 सितंबर का विशाल मार्च स्थगित किया

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने इस्लामाबाद तक अपने विरोध मार्च को चार अक्टूबर तक स्थगित करने का फैसला किया है. पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पार्टी संस्थापक खान की रिहाई के लिए सरकार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से 27 सितंबर को राजधानी की ओर विशाल मार्च निकालने की घोषणा की थी. हालांकि, सरकार की ओर से विरोध प्रदर्शन रोकने के लिए उठाए गए कड़े कदमों के कारण पार्टी ने इसे टालने का फैसला किया. इमरान खान (73) को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 2023 में गिरफ्तार किया गया था. वह रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं. पार्टी सूत्रों ने बताया कि विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का फैसला एक बैठक में लिया गया और इसकी औपचारिक घोषणा खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी करेंगे. सूत्र ने कहा, 'विरोध प्रदर्शन 27 सितंबर के बजाय चार अक्टूबर को शुरू किया जाएगा.' इससे पहले दिन में अफरीदी ने पेशावर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि सड़कें बंद किए जाने और अन्य उपायों के बावजूद इस्लामाबाद के लिए प्रस्तावित लंबा मार्च जारी रहेगा. पीटीआई पार्टी नीत खैबर पख्तूनख्वा सरकार का नेतृत्व कर रहे अफरीदी ने कहा, 'हमारा विशाल मार्च निश्चित रूप से होगा. इस बार हम निश्चित रूप से बाहर निकलेंगे.'

बांग्लादेश में बेकाबू होती नाबालिग हिंसा, गैंग कल्चर और सोशल मीडिया ने बढ़ाई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में नाबालिग बच्चों और किशोरों में बढ़ती हिंसक घटनाओं ने देश को चिंतित कर दिया है। कुमिल्ला जिले में 13 वर्षीय मासूम बच्चे इशायात शाहरीआर अप्रतीम की नृशंस हत्या के बाद सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठे हैं। द बिजनेस स्टैण्डर्ड की रिपोर्ट के अनुसार इस वारदात ने किशोर अपराध की भयावह स्थिति को उजागर कर दिया है। इस घटना के बाद देश भर में बच्चों की सुरक्षा, पारिवारिक माहौल और कानून व्यवस्था की सीमाओं पर चर्चा छिड़ गई है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल ढाका के डॉक्टर हेलाल उद्दीन अहमद ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि किशोरों में हिंसक गैंग कल्चर बहुत तेजी से फैल रहा है और यह गंभीर रूप ले रहा है। टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस आक्रामक व्यवहार को बढ़ावा दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'कूल' दिखने और जल्दी नाम कमाने के चक्कर में किशोर खतरनाक हिंसक वीडियो बना रहे हैं। इन वीडियो के जरिए ध्यान खींचने की कोशिश बच्चों को गंभीर अपराध के रास्ते पर धकेल रही है।

बच्चों में बढ़ रही यह आक्रामक प्रवृत्ति न केवल उनके भविष्य बल्कि पूरे समाज के लिए खतरा बन चुकी है। केवल पुलिस की सख्ती बच्चे उचित मार्गदर्शन न मिलने पर असामाजिक तत्वों के बहकावे में आ जाते हैं।

और दंडात्मक कार्रवाई से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल पर विशेष ध्यान देना होगा।

ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आई महबूब उद्दीन अहमद के मुताबिक गरीबी और बेरोजगारी मुख्य कारण हैं। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की बढ़ती संख्या, बाल श्रम और बाल विवाह जैसी कुरीतियां सामाजिक नाकामी दर्शाती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जब बच्चों को पढ़ाई और विकास के अवसर नहीं मिलते, तो वे आसानी से अपराध की राह पर चले जाते हैं। ढाका विश्वविद्यालय के अपराध विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रेजाउल करीम शोहाग ने भी इस पर बात की। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मनोरंजन और खेलकूद के स्थानों की कमी बच्चों को भटकाने का बड़ा कारण है। सरकार को उन आर्थिक और सामाजिक कारणों को खत्म करना होगा जो बच्चों को आपराधिक गिरोहों में धकेलते हैं।

गंडक नदी में तेजी से बढ़ रहा पानी, नेपाल में भारी बारिश की चेतावनी के बाद निचले इलाकों में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार से रविवार तक देश के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके चलते कोसी बैराज और गंडक नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आपदा की आशंका को देखते हुए नेपाली सेना और पुलिस ने तटीय इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है।

नेपाल के तराई क्षेत्रों और बिहार के बगहा इलाके में पिछले 24 घंटे से बारिश जारी है। लगातार बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीण नदी के बहाव पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। बारिश का दौर जारी रहने से तटीय बस्तियों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। कोसी बैराज में पानी का बहाव अत्यधिक बढ़ने के बाद 31 गेट खोल दिए गए हैं। सुनसरी के प्रमुख अधिकारी ईश्वरी प्रसाद अर्याल के अनुसार 240000 क्यूसेक पानी दर्ज हुआ है। हालांकि स्थिति अभी नियंत्रण में है और कोसी पुल पर यातायात नहीं रोका गया है। जलस्तर में और इजाफा होने पर स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक फैसले लिए जाएंगे। भारी बारिश के चलते धाडिंग जिले में भूस्खलन से पृथ्वी राजमार्ग सात स्थानों पर प्रभावित हुआ है। कृष्णभीर और तिग्रांग खोला में सड़क पूरी तरह बंद हो गई है और मलबा हटाया जा रहा है। चितवन जिले में नारायणगढ़-मुगलिन सड़क को भी खतरे के कारण बंद कर दिया गया है। राजमार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ में भारी तबाही हुई थी। उस विनाशकारी आपदा में 1450 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5600 लोग लापता हैं। भोटेकोशी नदी के उफान से घर, पुल, सड़कें और जलविद्युत परियोजनाएं बह गई थीं। मौजूदा बारिश से पहले से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे में और नुकसान की आशंका है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्राधिकरण नदियों के जलस्तर की निगरानी कर रहा है। गंडकी और लुंबिनी प्रांतों में अत्यधिक बारिश को देखते हुए हाई अलर्ट रखा गया है। मौसम विभाग ने तटीय और बाढ़ आशंकित इलाकों में उच्च सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन जुटा रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने नागरिकों से अनावश्यक यात्रा न करने का अनुरोध किया है। नेपाली पुलिस और सेना माइक के जरिए लोगों को नदी किनारे न जाने की हिदायत दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

जीत के साथ

आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

इचिनोमिया सिटी । एशियन गेम्स 2026 में आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन सिंगल्स मुकाबलों के राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग अंदाज में जीत हासिल की और भारत की सिंगल्स स्पर्धा में मेडल की उम्मीदों को बरकरार रखा। आयुष को जहां कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से हराने में सिर्फ 21 मिनट लगे, वहीं उन्नति को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से कड़ी टक्कर मिली और उन्हें 79 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। आयुष के लिए दूसरे दौर का मुकाबला आसान रहा।

दुनिया के 20वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और ताजीबुल्लायेव को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष की सीधे गेम में जीत ने यह भी सुनिश्चित किया कि दिन में बाद में होने वाले अगले मुकाबले के लिए उनकी ऊर्जा बची रहे। आयुष शेट्टी के सामने अब कड़ी चुनौती होगी। राउंड ऑफ 16 में जगह बनाने के बाद वह शाम को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन-चेन से भिड़ेंगे। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक तीन मुकाबले हुए हैं, जिनमें आयुष एक जीत और दो हार के साथ 1-2 से पीछे हैं।
वहीं, उन्नति को कहीं ज्यादा मुश्किल मुकाबले का सामना करना पड़ा।

पीवी सिंधु ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह, चिउ पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराया

इचिनोमिया । भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शनिवार को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। एशियन गेम्स में दो बार मेडल जीत चुकीं सिंधु ने पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद पिन-चियन को आसानी से हरा दिया। पहले गेम में ब्रेक के समय वह 10-11 से पीछे थीं,

लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बनाई। पहले गेम में उनके दो गेम प्वाइंट हाथ से निकल गए, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने तीसरे गेम प्वाइंट पर पहला गेम जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद ओलंपिक में दो मेडल जीत चुकीं सिंधु दूसरे गेम में बेहतर लय में दिखीं। उन्होंने दूसरे गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली और अपनी लय को बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-14 से जीत लिया। सिंधु अब राउंड ऑफ 16 में जापान की टोमोका मियाजाकी का सामना करेंगी, जो शनिवार को ही खेला जाएगा। मौजूदा गेम्स में इससे पहले भारतीय टीम को महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से हार का सामना करना पड़ा था। इस टीम में सिंधु भी शामिल थीं।

अनाहत सिंह ने रचा इतिहास

एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी बनीं

नागोया । भारत की अनाहत सिंह ने जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3-2 (9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3) से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही अनाहत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में जगह बना ली है। अनाहत एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं। 18 साल की भारतीय खिलाड़ी को शुरुआती दो गेम 9-11 और 11-13 से हारने के बाद कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने गेम प्वाइंट्स बचाकर और 8-10 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरा गेम 12-10 से जीतकर खुद को मुकाबले में बनाए रखा। इसके बाद अनाहत ने चौथे गेम में शानदार वापसी की। 8-6 से पिछड़ने के बाद, उन्होंने लगातार पांच प्वाइंट जीतकर गेम 11-6 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल को 2-2 की बराबरी पर लाकर निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। भारतीय खिलाड़ी ने पांचवें और आखिरी गेम में दबदबा बनाया और इसे 11-3 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अनाहत की जीत से उनका मेडल पक्का हो गया है। यह युवा खिलाड़ी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में अपना पहला सिंगल्स मेडल (गोल्ड या सिल्वर) जीतेगी। वातानाबे के तीसरे गेम हारने के बाद, मैच का रुख पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में हो गया। उन्होंने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की और बेहतरीन रैकेट कौशल दिखाते हुए आखिरी दो गेम में अपनी जापानी प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया।

अनाहत की जीत फाइनल के लिहाज से भी बहुत अहम है, क्योंकि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर लॉस एंजिल्स ओलंपिक में सीधे एंट्री मिलती है। अनाहत सिंह पिछली बार एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली महिला और मिक्स्ड टीम का भी हिस्सा थीं। यह युवा खिलाड़ी अब महिला सिंगल्स फाइनल के लिए कोर्ट पर उतरेगी।

अनाहत के बाद...

अभय सिंह ने भी बनाई फाइनल में जगह

भारत के अभय सिंह ने शनिवार को पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को 3-0 (11-3, 12-10, 11-6) से हराकर एशियन गेम्स 2026 के पुरुष सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, अनाहत महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में पहले ही पहुंच चुकी हैं। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं। दोनों ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करने के करीब हैं। दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह, सौरव घोषाल के बाद एशियन गेम्स के पुरुष सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। सौरव घोषाल ने 2014 और 2023 में सिल्वर मेडल जीता था।

अभय ने इरफान के खिलाफ पहला गेम 11-3 से जीतकर शानदार शुरुआत की। इरफान ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में भारत के वीर छोटरानी को हराया था। दूसरे गेम में पाकिस्तानी खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी और स्कोर 10-10 तक पहुंच गया, लेकिन अभय ने संयम बनाए रखा और 12-10 से गेम जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरा गेम भी पहले गेम जैसा ही रहा। अभय ने खेल पर पकड़ बनाई और चार मैच प्वाइंट हासिल किए। उन्होंने पहले ही मैच प्वाइंट को भुनाते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज की और गोल्ड-मेडल मैच में अपनी जगह पक्की कर ली।

पुरुष मैराथन में 44 साल बाद देश को दिलाया पदक

सावन बरवाल ने जीता सिल्वर मेडल

नागोया। भारत के सावन बरवाल ने एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष मैराथन में सिल्वर मेडल जीता। बरवाल के सिल्वर ने इवेंट में देश के मेडल जीतने का 44 साल का इंतजार समाप्त किया। भारतीय नेशनल रिकॉर्ड-होल्डर बरवाल नागोया में एक कड़े मुकाबले वाली रेस में मेडल की दौड़ में बने रहे और फिर 42.195 किलोमीटर के इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उनका सिल्वर मेडल 1982 के एडिशन के बाद भारत का पहला एशियन गेम्स मैराथन मेडल है और विदेशी धरती पर किसी भारतीय पुरुष का पहला मेडल है। मैराथन सुबह 4 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू हुई, जिसमें बरवाल और साथी भारतीय धावक कार्तिक करकेरा सहित 19 प्रतिभागी शामिल थे। बरवाल शुरुआती स्टेज में लीडिंग ग्रुप में मजबूती से बने रहे, फिर जैसे-जैसे रेस आगे बढ़ी, उन्होंने सबसे आगे अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। आधे रास्ते तक, बरवाल पहले ही दूसरे स्थान पर थे। इसके बाद, जब रेस आगे बढ़ने लगी, तो वह मेडल की दौड़ में बने रहे और 35 किलोमीटर के निशान पर 1:49:29 की रिपोर्टेड टाइमिंग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रेस के लगभग सात किलोमीटर बाकी रहने पर बरवाल जापान के इचिताका यामाशिता का पीछा कर रहे थे। जापानी धावक ने एक बड़ा गैप बना लिया, लेकिन बरवाल ने आखिरी स्टेज तक अपनी जगह बनाए रखी और सिल्वर मेडल की दौड़ में बने रहे। बरवाल की इस कामयाबी से भारत के ऐतिहासिक एशियन गेम्स मैराथन मेडल की गिनती में चौथा मेडल जुड़ गया है। छोटा सिंह ने पहले 1951 एशियन गेम्स में गोल्ड जीता था, जबकि सूरत सिंह माथुर ने उसी एडिशन में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। होसुर कुक्कप्पा सीतारण ने 1982 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता। बरवाल का सिल्वर मेडल अब 44 सालों में कॉन्टिनेंटल इवेंट में भारत का पहला मैराथन मेडल बन गया है। रेस में दूसरे भारतीय कार्तिक करकेरा 2:22:41 में मैराथन पूरी करके 17वें स्थान पर रहे।

जोशना-सेंथिलकुमार की जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में हारे

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने स्क्वैश में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की जोड़ी ली का यी और तांग मिंग होंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। एक बेहद रोमांचक और करीबी मुकाबले में भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार सेमीफाइनल में 1-2 (10-11, 11-2, 10-11) से हार गई। इस हार के साथ उनका फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी 10-8 से आगे थी और उसके पास मैच जीतने के तीन मौके थे। हालांकि, वे इन मौकों का फायदा नहीं उठा सके। दबाव भरे क्षणों में जोशना का एक शॉट बाहर चला गया, जिससे वे निर्णायक गेम हार गए और उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। यह चिनप्पा का छठा एशियन गेम्स मेडल है। इससे पहले यह अनुभवी खिलाड़ी तीन ब्रॉन्ज और दो सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, उनके मेडल कलेक्शन में अभी भी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट का गोल्ड मेडल शामिल नहीं हो पाया है।

चारों क्वार्टर फाइनल की टीमें तय, भारत का अफगानिस्तान से होगा मुकाबला

नई दिल्ली । एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए। लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है। लीग स्टेज में हुए मुकाबलों में 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप ए में नेपाल, अफगानिस्तान और जापान शामिल थे, जबकि ग्रुप बी में मलेशिया, हांगकांग और ओमान शामिल थे। ग्रुप ए से नेपाल और अफगानिस्तान तथा ग्रुप बी से मलेशिया और हांगकांग ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान पहले से ही क्वार्टर फाइनल में हैं। क्वार्टर फाइनल के शेड्यूल पर गौर करें तो पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना के बीच 28 सितंबर को सुबह 5 :30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10 :30 बजे से खेला जाएगा।
तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5 :30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा।

भारत ने महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में सिल्वर जीता

व्यक्तिगत स्पर्धा में मेडल लाने से चूकीं तिलोत्तमा और विदर्शा

आइची । एशियन गेम्स 2026 में भारत की तिलोत्तमा सेन और विदर्शा के. विनोद व्यक्तिगत शूटिंग मेडल जीतने से चूक गईं। महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा के रोमांचक फाइनल में वे मामूली अंतर से मेडल हासिल नहीं कर सकीं। तिलोत्तमा ब्रॉन्ज मेडल के बहुत करीब थीं। भारतीय शूटर साउथ कोरिया की किम जी-उन पर 0.3 प्वाइंट की बढ़त के साथ तीसरे स्थान के लिए फाइनल शॉट में उतरीं। हालांकि, अपने आखिरी प्रयास में 9.4 स्कोर करने से किम के लिए मौका बन गया, जिन्होंने 10.5 स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। तिलोत्तमा को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। विदर्शा की चुनौती एलिमिनेशन राउंड में पहले ही खत्म हो गई। 10.4 के स्कोर ने उन्हें एक राउंड में बने रहने और कजाकिस्तान की एरिना मालिनोव्स्काया (316.7 स्कोर) से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अगले शॉट में 10.0 स्कोर करने से विदर्शा का फाइनल में सफर खत्म हो गया और वह 327.4 स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। ये करीबी मुकाबले तब हुए जब दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालिफिकेशन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ-शूटर फाइनल में जगह बनाई थी। तिलोत्तमा 590-32× स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर मेडल मुकाबले में उतरी थीं, जबकि विदर्शा ने 588-29× स्कोर के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

आखिरकार चीन ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। हान जियायु ने गोल्ड-मेडल शूटआउट में अपनी ही देश की झांग लियुआन को हराया और निर्णायक शॉट में 10.5 स्कोर करके जीत पक्की की। हान ने 359.0 स्कोर के साथ नया एशियन रिकॉर्ड बनाया, जबकि झांग ने 358.8 स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

मिवा हरिमोटो से हारकर यशस्विनी बाहर

टोयोटा । भारत की यशस्विनी घोरपड़े का एशियन गेम्स 2026 में महिला एकल का अभियान शनिवार को तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी जापान की मिवा हरिमोटो ने यशस्विनी को 9-11, 5-11, 11-4, 4-11, 5-11 से हराया।

हरिमोटो ने मुकाबले में शुरू में ही नियंत्रण बना लिया था और घोरपड़े को एक करीबी शुरुआती गेम में हराया। दूसरा गेम उन्होंने और आसान तरीके से जीता। घोरपड़े ने तीसरे गेम में अपनी लय पाई और 11-4 की जबरदस्त जीत के साथ मोमेंटम को अपनी तरफ मोड़ा। हालांकि, जापानी खिलाड़ी ने जल्दी ही अपना दबदबा वापस पा लिया। हरिमोटो ने चौथे गेम में अपना गेम सुधारा, जिससे घोरपड़े को वापसी करने का मौका नहीं मिला, और पांचवें गेम में मुकाबला जीतकर अगले राउंड में पहुंच गईं। घोरपड़े ने सीरिया की हेंड जाजा पर 4-1 से जीत के साथ तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। एकल से बाहर होने के साथ ही उनका व्यक्तिगत कैंपेन खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने गेम्स में विमेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लिया था। घोरपड़े और दिया चिताले शुक्रवार को चीन की फैन शुहान और चेन यी से 0-3 से हारने से पहले विमेंस डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंची थीं।

श्रीजा अकुला और सिंड्रेला दास भी डबल्स मुकाबले से बाहर हो गईं; उन्हें तीसरे राउंड में चीन की कुआई मान और वांग मन्यु से 0-3 से हार मिली।

भारत की टेबल टेनिस टीम ने फिर भी नागोया में एक मेडल पक्का कर लिया है।

डिफेंडिंग चैंपियन सात्विक-चिराग पुरुष डबल्स के पहले ही राउंड में बाहर

आइची । डिफेंडिंग चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका टाइटल डिफेंस निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया। पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग काफी मोमेंटम के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया।

सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार पॉइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही, क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया।